THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 5 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.4 2083 सोमवार, 6 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

प्लेन हादसे के पीड़ित परिवारों का पीएम को लेटर

कहा- हम पैसे नहीं, हादसे की वजह जानना चाहते हैं, ब्लैक बॉक्स डेटा की मांग

नई दिल्ली/अहमदाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद में एअर इंडिया प्लेन क्रैश के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने पीएम से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। परिजनों ने कहा, हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। >14

'होर्मुज से बेधड़क सुरक्षित गुजरेंगे भारतीय जहाज'

युद्ध के बीच ईरान ने 'दोस्त' भारत को दिया भरोसा

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि उनके देश के खिलाफ चल रहा युद्ध भ्रम पर आधारित एक अवैध हमला है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि तनावपूर्ण माहौल के बीच तेहरान व नई दिल्ली के बीच निरंतर सहयोग जारी रहेगा। साथ ही भारतीय जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित रास्ता दिया जाएगा। उन्होंने भारत के रुख की जमकर तारीफ करते हुए कहा, यह क्षेत्रीय जटिलताओं की भारत की गहरी समझ को दर्शाता है।

किन देशों के लिए बंद है होर्मुज :

मोहम्मद फतहाली ने होर्मुज स्ट्रेट की स्थिति पर कहा, फिलहाल होर्मुज केवल उन देशों के लिए बंद है, जो ईरान के साथ युद्ध की स्थिति में हैं। युद्धकाल में स्वाभाविक है कि हम अपने दुश्मनों को अपने आंतरिक जलक्षेत्र से गुजरने नहीं देंगे। अन्य जहाजों की आवाजाही कम होने का कारण क्षेत्र में असुरक्षा और बेहद ऊंची बीमा लागत है।

ईरान का भारत को भरोसा :

उन्होंने आगे कहा, भारत समेत मित्र देशों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। यह व्यवस्था वास्तविक समय की परिस्थितियों के आधार पर प्रत्येक मामले में अलग-अलग तरीके से संचालित की जाती है। फतहाली ने स्पष्ट किया कि ईरान के खिलाफ 'प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आक्रामकता में शामिल' देशों के लिए पहुंच प्रतिबंधित है। ईरानी राजदूत ने कहा, तेहरान समुद्र सुरक्षा और नौकायन की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि नौवहन की स्वतंत्रता तभी संभव है जब तटीय देश के अधिकारों का सम्मान किया जाए।

ईरान से भारत आ रहे जहाज :

वहीं केंद्र सरकार ने शनिवार को उन खबरों और सोशल मीडिया दावों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण ईरान का कच्चा तेल भारत के वाडिनार से चीन भेज दिया गया। सरकार ने इन दावों को 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और भ्रामक बताया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आई रिपोर्ट्स, जिनमें कहा गया कि भारत को भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण ईरान से आने वाले तेल की एक खेप को नुकसान हुआ, पूरी तरह गलत हैं। सरकार ने कहा कि भारत 40 से ज्यादा देशों से कच्चा तेल आयात करता है और तेल कंपनियों को अपने व्यावसायिक जरूरतों के अनुसार किसी भी सप्लायर से तेल खरीदने की पूरी स्वतंत्रता होती है।

लोकसभा-विधानसभा सीटों की बढ़ोतरी पर रार

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि यह कदम बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को लाभ पहुंचाएगा और यह कुछ और नहीं बल्कि जनता का ध्यान भटकाने का एक हथियार है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश की जनता को धोखा दे रहे हैं और भ्रामक बयान दे रहे हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री अपने पुराने पैंतरे पर हैं, भ्रामक बयान दे रहे हैं जिनका मकसद धोखा देना है। वह कहते हैं कि यदि लोकसभा की ताकत 50 प्रतिशत बढ़ाई जाती है और प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों की संख्या भी 50 प्रतिशत बढ़ाई जाती है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा। >14

'कट, कमीशन और करप्शन से पश्चिम बंगाल बेहाल'

कूचबिहार में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी, बोले- पापों का होगा हिसाब

कोलकाता, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वह पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है।

टीएमसी के गुंडों का होगा हिसाब :

प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान के दिन टीएमसी के गुंडे चाहे जितना डराने की कोशिश करें, आपको कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस चुनाव में बंगाल से डर का माहौल खत्म हो जाएगा और भाजपा की बड़ी जीत से लोगों में आत्मविश्वास जागेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, 4 मई के बाद टीएमसी के पापों का पूरा हिसाब होगा। कानून अपना काम करेगा और कोई भी गुंडा कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

महिला आरक्षण और विशेष सत्र :

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को 'लखपति दीदी' बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है।

उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है।

ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी

होर्मुज खोलो, नहीं तो नरक बना दूंगा

वॉशिंगटन डीसी, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा। अमेरिका ने इससे पहले गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले बी1 हाईवे ब्रिज पर हमला किया था। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता है। ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

सरकारी दवाओं के अवैध रैकेट का भंडाफोड़ : पुलिस ने जब्त किया 70 लाख का स्टॉक

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वितरण के लिए रखी गई सरकारी दवाओं की हेराफेरी और बिक्री में शामिल एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया और लगभग 70 लाख रुपये की दवाएं और परिवहन में इस्तेमाल किए गए दो गाड़ियां बरामद किए।

पुलिस के अनुसार, यह ऑपरेशन क्राइम ब्रांच की एनआर-॥ टीम की ओर से एसीपी गिरीश कौशिक की देखरेख में और इंस्पेक्टर नीरज शर्मा के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर प्रीतम चंद की ओर से जुटाई गई विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर किया गया था।

पुलिस की गिरफ्त में ये आरोपी :

आरोपियों की पहचान 53 वर्षीय नीरज कुमार, 47 वर्षीय सुशील कुमार के तौर पर हुई है। दोनों उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के रहने वाले है। वहीं 48 वर्षीय एक अन्य आरोपी लक्ष्मण मुखिया दिल्ली का रहने वाला है। इन्हें 2 अप्रैल को तीस हजारी के राजेंद्र बाजार के पास महिंद्रा चैंपियन टेम्पो और बलेनो कार में दवाओं की एक बड़ी खेप ले जाते समय पकड़ा गया था। पुलिस ने बताया कि जब्त की गई दवाओं पर स्पष्ट रूप से सरकारी आपूर्ति, बिक्री के लिए नहीं लिखा हुआ था, जो खुले बाजार में उनकी अवैध तस्करी का संकेत देता है।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा

लगातार पूछताछ के दौरान, नीरज कुमार ने खुलासा किया कि वह पिछले एक से डेढ़ साल से अवैध आपूर्ति श्रृंखला का संचालन कर रहा था। अंदरूनी सूत्रों के नेटवर्क के माध्यम से दवाएं प्राप्त कर रहा था और दलालों के माध्यम से उन्हें कई शहरों में वितरित कर रहा था। उसके खुलासे के आधार पर, दो और आरोपियों, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में फार्मासिस्ट-सह-स्टोरकीपर बिनेश कुमार (54) और उसी अस्पताल में संविदा सहायक प्रकाश मेहता (30) को गिरफ्तार किया गया। >14

चुनाव आयोग को स्वतंत्र रहना चाहिए : जस्टिस नागरत्ना

कोई भी राजनीतिक प्रभाव न हो, 2027 में भारत की चीफ जस्टिस बन सकती हैं

पटना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि चुनाव आयोग को पूरी तरह स्वतंत्र रहना चाहिए और उस पर किसी भी तरह का राजनीतिक प्रभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरे संवैधानिक संस्थाओं को भी अपनी गरिमा बनाकर रखनी चाहिए।

उन्होंने पटना की चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में 'कॉन्स्टीट्यशनलिज्म बियॉन्ड राइट्स: व्हाई स्ट्रक्चर मैटर्स' पर बात की। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- यदि संवैधानिक ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होता है, तो इससे संवैधानिक ब्रेकडाउन की स्थिति पैदा हो सकती है, भले ही अधिकार औपचारिक रूप से मौजूद रहें। जस्टिस नागरत्ना सितंबर 2027 में सीनियरिटी के आधार पर देश की चीफ जस्टिस बन सकती हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने आगे कहा कि जब संस्थाएं एक-दूसरे की जांच और निगरानी करना बंद कर देती हैं, तभी असली समस्या शुरू होती है। चुनाव आयोग, कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया (सीएजी) और वित्त आयोग जैसी संस्थाएं निष्पक्ष व्यवस्था बनाए रखने में जरूरी भूमिका निभाती हैं। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर कहा कि हमारे लोकतंत्र में समय पर चुनाव होने से सरकारें सही तरीके से बदलती रहती हैं। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण का मतलब राजनीतिक मुकाबले के नियमों को अपने हाथ में लेना है।

इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों के संबंध में टिप्पणी की थी। दरअसल गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बना लिया गया था। इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सीजीआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने मामले की जांच एनआईए को सौंप दी। एनआईए टीम शुक्रवार को पश्चिम बंगाल पहुंचेगी।

पी चिदंबरम का सरकार पर गंभीर आरोप

सांसदों को विधानसभा में वोटिंग से रोकने की साजिश चल रही

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाने पर पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम केंद्र सरकार पर बुरी तरह भड़क गए हैं। उन्होंने सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सरकार के इस कदम को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के सांसदों के खिलाफ साजिश बताया है। उन्होंने कहा है कि ऐसे समय में संसद सत्र बुलाने की क्या जरूरत है जब दो बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हो। उन्होंने कहा कि मुझे संदेह है कि सरकार इन दो राज्यों के सांसदों को चुनाव में जाने से और मतदान देने से रोकना चाह रही है।

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि 16-18 अप्रैल को संसद सत्र बुलाने का प्रस्ताव शरारतपूर्ण है और इसका विरोध किया जाना चाहिए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदान 23 अप्रैल को और 29 अप्रैल को निर्धारित है। तमिलनाडु के 39 सांसद और पश्चिम बंगाल के 28 सांसद लोकसभा में विपक्ष में हैं। वे 16-18 अप्रैल के दौरान अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पूरी तरह से व्यस्त रहेंगे। यदि महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयकों पर इन तारीखों पर चर्चा और मतदान होता है, तो लोकसभा में बैठे ये 67 सांसद कैसे भाग लेंगे और मतदान करेंगे? मुझे संदेह है कि यह इन सांसदों को मतदान से बाहर रखने की साजिश है।

'न्यायिक ढांचा मजबूत करना विकल्प नहीं जरूरत है'

तेलंगाना हाईकोर्ट के कार्यक्रम में बोले सीजेआई

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने रविवार को हैदराबाद में तेलंगाना हाई कोर्ट के जोन-2 की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की सभी सरकारें अब यह मानती हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना कोई विकल्प नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब न्यायपालिका और कार्यपालिका एक ही उद्देश्य के साथ काम करते हैं, तो संविधान सही मायने में जीवंत हो उठता है।

सीजेआई सूर्यकांत ने देश भर में चल रहे विकास कार्यों पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों में उन्होंने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम और अब तेलंगाना में अदालती परिसरों की नींव रखी है। इससे पता चलता है कि हर विचारधारा की सरकारें अदालतों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के महत्व को समझ रही हैं।

प्रस्तावित हाई कोर्ट परिसर के मॉडल और नक्शों को देखने के बाद सीजेई ने इसकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि 100 एकड़ में फैला यह नया परिसर देश के सबसे बेहतरीन कोर्ट परिसरों में से एक होगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मुख्य न्यायाधीश को भरोसा दिलाया कि जजों के आवास और अन्य सुविधाओं सहित पूरा हाई कोर्ट परिसर दो साल के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। सीजेई सूर्यकांत ने सरकार की इस प्रतिबद्धता की सराहना की।

तेलंगाना सरकार ने इस नए परिसर के लिए 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। इसके निर्माण के लिए 2,583 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। यह पूरा प्रोजेक्ट दो चरणों में पूरा होगा। जोन-1 की नींव 27 मार्च 2024 को रखी गई थी और वहां निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है। जोन-1 में मुख्य कोर्ट परिसर

और कार्यालय की इमारतें होंगी। वहीं, जोन-2 लगभग 60 एकड़ में फैला है, जिसमें जजों के लिए आवास और एक सेंट्रल रिकॉर्ड रूम बनाया जाएगा।

इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा, जस्टिस उज्ज्वल भुइयां, जस्टिस एस.वी. भट्टी और जस्टिस आलोक अराधे भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपारेश कुमार सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग का एक्शन

कोलकाता पुलिस के कई थाना अधिकारियों का किया तबादला

कोलकाता, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भारत निर्वाचन आयोग (ईआईसी) ने कोलकाता के कई पुलिस स्टेशनों के इंचार्ज अधिकारियों (ओसी) का तबादला कर दिया है। इस संबंध में एक अधिकारी ने रविवार को जानकारी दी। बता दें कि चुनाव आयोग इससे पहले कई आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर चुका है।

पार्क स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के इंचार्ज हीरक दलपति का तबादला इंटेलिजेंस विभाग में कर दिया गया है। लालबाजार के डिटेक्टिव विभाग के नीलकंठ रॉय को इस पुलिस स्टेशन का नया इंचार्ज अधिकारी (ओसी) बनाया गया है। श्यामपुकुर पुलिस स्टेशन के अतिरिक्त ओसी राजकुमार मिश्रा को गरियाहाट पुलिस स्टेशन में लाया गया है। दूसरी ओर, एंटाली पुलिस स्टेशन के अतिरिक्त ओसी मनीष सिंह को विजयगंज बाजार पुलिस स्टेशन का प्रभार दिया गया है। मनोज दत्ता को एसटीएफ से वापस बुलाकर चेतला पुलिस स्टेशन का नया ओसी नियुक्त किया गया है।

राज्य में दो चरणों में होने वाले चुनावों से पहले ईसीआई नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों का तबादला कर रहा है। इस बार, आयोग ने कोलकाता पुलिस में एक बड़े फेरबदल का आदेश दिया है। आदेश संख्या 181 और 182 जारी कर इंस्पेक्टर रैंक के कई अधिकारियों का तबादला किया गया है। इस आदेश के अनुसार, शहर के कई महत्वपूर्ण पुलिस स्टेशनों के इंचार्ज अधिकारियों या ओसी को हटाकर डिटेक्टिव विभाग, एसटीएफ या स्पेशल ब्रांच जैसे विभागों में भेज दिया गया है।

असम सीएम को राहुल गांधी की चेतावनी

'हिमंता बिस्व सरमा को नहीं बख्शेंगे, सत्ता में आते ही भेजेंगे जेल'

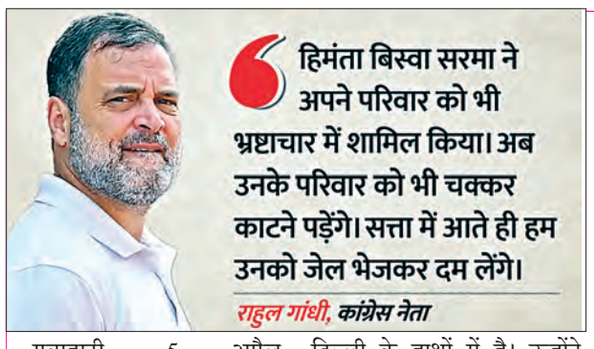

गुवाहाटी, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के बिस्वनाथ में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा की केंद्र सरकार और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर कड़ा हमला किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति में बाहरी दखल का आरोप लगाते हुए कहा कि असम की कमान असल में दिल्ली के हाथों में है। उन्होंने भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर भी सरकार को जमकर घेरा। राहुल गांधी ने स्पष्ट संकेत दिए कि आने वाले समय में कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर संघर्ष और तेज करेगी।

सत्ता में आते ही भेजेंगे जेल :

असम की रैली में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप, नरेंद्र मोदी को कंट्रोल करते हैं और नरेंद्र मोदी व अमित शाह आपके मुख्यमंत्री को कंट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि असम की सरकार को मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि दिल्ली से अमित शाह चला रहे हैं।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि उन्होंने अपने परिवार को भ्रष्टाचार में शामिल करके बड़ी गलती की है। अब उनके परिवार को भी आरोपों का सामना करना पड़ेगा और कांग्रेस सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। राहुल गांधी ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा को माफी मांगने पर भी नहीं छोड़ेंगे और जेल भेजकर दम लेंगे।

चुनावी सभा के साथ-साथ राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी केंद्र सरकार के वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं की मदद के लिए बनाए गए ये केंद्र अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। राहुल गांधी का दावा है कि मोदी सरकार इस मामले में किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने सुरक्षा को सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि पीड़ित महिलाएं मदद के लिए भटक रही हैं लेकिन सरकार ने उनके लिए दरवाजे बंद कर रखे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में भी वन स्टॉप सेंटर की बदहाली का मुद्दा उठाया था। उन्होंने पूछा था कि इन सेंटरों में ताले क्यों लगे हैं और वहां स्टाफ की कमी क्यों है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए सरकार से सवाल किया कि आखिर पांच में से तीन महिलाओं तक मदद क्यों नहीं पहुंच पा रही है।

चुनावी रेवड़ियों से राज्यों का कर्ज बढ़ रहा

लाड़ली बहना के कारण एमपी का कर्ज रेड लाइन में, महाराष्ट्र में राशन किट योजना बंद

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव में फ्री राशन, महिलाओं को नकदी जैसी 'मुफ्त की रेवड़ियों' वाली योजनाएं राज्यों के लिए बड़ा बोझ बन रही हैं। हालत यह है कि इनको पूरा करने के लिए राज्य न पर्याप्त संसाधन जुटा पा रहे हैं और न संतुलित बजट बना पा रहे हैं।

कुछ राज्यों में तो इन घोषणाओं का बोझ कुल राजस्व प्राप्तियों के 30 से 40 प्रतिशत तक पहुंच गया है। हिमाचल जैसे छोटे राज्य में नकदी संकट की विकट स्थिति है। राज्य में सीएम, मंत्री, विधायकों समेत अफसरों के वेतन-पेंशन टालने पड़े। तेलंगाना को चुनावी घोषणाओं के लिए हर साल 1 लाख करोड़ चाहिए, पर बजट की कमी से कई योजनाएं अटकी हैं। मप्र में लाड़ली बहना योजना के चलते जीएसडीपी के मुकाबले कर्ज 27 प्रतिशत से बढ़कर 32 प्रतिशत पहुंच गया। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के दबाव के कारण त्योहारों में मिलने वाली राशन किट योजना बंद कर दी गई है।

संकट क्यों : घोषणाएं ज्यादा, कमाई कम :

मप्र : लाड़ली बहना, मुफ्त सिलेंडर और बिजली सब्सिडी पर ही सालान करीब 50 हजार करोड़ खर्च हो रहे।

तेलंगाना : नौ चुनावी वादों में 6 लागू। इन पर 50,713 करोड़ सालाना खर्च। बाकी के लिए 40 हजार करोड़ चाहिए।

पंजाब : राजस्व प्राप्त 1.26 लाख करोड़। योजनाएं 2.6 लाख करोड़। वेतन-पेंशन, ब्याज पर 90 हजार करोड़।

राजस्थान : सड़क, पानी पर होने वाला खर्च का बजट 28 प्रतिशत तक कम किया। मुफ्त सेनेटरी पैड मिलना बंद।

प्रेम जाल में फंसाकर युवक से लाखों रुपए की वसूली

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के आरमोरी शहर में एक बेहद चौंकाने वाला, जहां हनी ट्रैप का मामला उजागर हुआ है। इस मामले में फिल्मी अंदाज में एक युवती और उसके दो साथियों ने पहले एक युवक को प्रेम जाल में फंसाकर उससे लाखों रुपए की उगाही की और बाद में उसकी जान लेने की कोशिश की। इस घटना से पूरे इलाके में खलबली मच गई है और कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। आरमोरी का रहने वाला 26 वर्षीय कृष्णा मारुति लाड होटल व्यवसाय से जुड़ा है और साथ ही पढ़ाई भी कर रहा था। करीब डेढ़ वर्ष पहले 23 वर्षीय श्रेया हेमके नाम की युवती से पहचान हुई थी। यह पहचान धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। शुरुआती दौर में दोनों के बीच संबंध सामान्य और सौहार्दपूर्ण थे, लेकिन कुछ समय बाद युवती के जीवन में एक और युवक के आने से दोनों के बीच विवाद हो गया और दोनों का रिश्ता तनावपूर्ण हो गया।

महिलाओं के मुद्दे पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

कहा- सवाल पूछने पर जवाब मिलता है सब संतोषजनक

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्र के 'वन स्टॉप सेंटर'(ओएससी) से जुड़ी समस्याओं को उठाया। ये सेंटर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को सहायता देने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार किसी की नहीं सुन रही है। राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षा महज एक योजना नहीं है, ये सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिलाएं मदद के लिए दरवाजे खटखटा रही हैं, फिर भी सरकार ने उन दरवाजों को बंद रखा है।

उन्होंने कहा कि मैंने संसद में पूछा था, जब कोई महिला हिंसा से बचकर 'वन स्टॉप सेंटर' (ओएससी) पहुंचती है तो उसे मदद क्यों नहीं मिलती? इसके बजाय उसे दरवाजे बंद क्यों

मिलते हैं? स्टाफ की कमी क्यों है? पूरे देश से आ रही शिकायतें अनसुनी क्यों की जा रही हैं?

राहुल गांधी ने अपने व्हाट्स ऐप चैनल पर एक पोस्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार का जवाब क्या था? यही कि सब कुछ 'संतोषजनक' है। अगर सच में सब कुछ 'संतोषजनक' है, तो फिर ओएससी से जुड़ी इतनी सारी समस्याओं की रिपोर्टें लगातार सामने क्यों आ रही हैं? राहुल ने पूछा कि अगर सुरक्षा प्राथमिकता है,

तो फिर हर पांच में से तीन महिलाओं तक मदद अभी भी क्यों नहीं पहुंच पा रही है?

'ये सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी'

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को आवंटित हर 100 रुपये में से सिर्फ 60 पैसे ही ओएससी पर क्यों खर्च किए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि सुरक्षा महज एक योजना नहीं है। यह सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी है। हर चीज को 'संतोषजनक' बताकर टाल देने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती। इससे तो बस यही साबित होता है कि मोदी सरकार किसी की नहीं सुन रही है। 27 मार्च को लोकसभा में पूछे गए अपने सवाल में गांधी ने पूछा था कि क्या कई ओएससी बंद पड़े हैं, या ठीक से काम नहीं कर रहे हैं या तय नियमों के मुताबिक, चौबीसों घंटे नहीं चल रहे हैं? अगर ऐसा है, तो उसका पूरा ब्योरा क्या है?

साथ ही, उन्होंने यह भी पूछा था कि पिछले पांच सालों में कितने महिलाओं ने ओएससी में मदद और पनाह मांगी है और महिलाओं के खिलाफ अपराध के कितने मामले दर्ज किए गए हैं, इसका राज्यवार और सालवार ब्योरा क्या है? उन्होंने पिछले पांच सालों में चालू ओएससी की संख्या और खोले गए नए ओएससी की संख्या के बारे में भी पूछा था। इसका भी राज्यवार और सालवार ब्योरा मांगा था। इसके अलावा, उन्होंने इस दौरान ओएससी के लिए जारी/इस्तेमाल किए गए फंड का ब्योरा भी मांगा था।

इसमें राज्यवार और सालवार जानकारी के साथ-साथ फंड का पूरा इस्तेमाल न हो पाने के कारणों का भी जिक्र हो। उन्होंने आगे ओएससी में स्वीकृत और भरी गई पोस्टों के विवरण के बारे में पूछा जिसमें प्रशासक, केस वर्कर, काउंसलर, मेडिकल ऑफिसर और पुलिस शामिल हैं। ये जानकारी राज्य-वार मांगा और ये भी पूछा कि क्या मंत्रालय ने कुप्रबंधन/परिचालन दिशानिर्देशों के उल्लंघन की शिकायतों की जांच की है, यदि हां, तो उसका विवरण और उस पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी जाए।

बागेश्वर जिले में महसूस हुए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई तीव्रता

बागेश्वर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बागेश्वर में रविवार की सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 11 बजकर 47 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र कपकोट तहसील के कर्मी गांव के समीप जमीन के भीतर 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। हालांकि झटके सामान्य होने के कारण जनजीवन पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

भूकंप के झटके इतने सामान्य थे कि अधिकतर लोगों को इसका अहसास तक नहीं हुआ। जिले में कहीं भी अफरा-तफरी की स्थिति देखने को नहीं मिली। जिला मुख्यालय सहित गरुड़, कपकोट और कांडा क्षेत्रों में स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी रही। सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन विभाग सक्रिय हो गया।

वोटर आईडी चेक करेगी बीएसएफ

नियंत्रण में होगा सीसीटीवी; चुनावी ड्यूटी से हटेंगे ये अफसर

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल 'बीएसएफ' के जवान, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में वोटिंग बूथ पर मतदाताओं के पहचान पत्र की जांच करेंगे। इतना ही नहीं, मतदान केंद्र पर जो सीसीटीवी कैमरा लगा होगा, उसका पूरा नियंत्रण भी बीएसएफ के पास रहेगा। सीसीटीवी की निगरानी के लिए बाकायदा अलग से जवान तैनात किए जाएंगे।

इंस्पेक्टर और उससे ऊपर के रैंक वाले ऐसे अफसर, जिन्होंने 2024 के आम चुनाव में उक्त राज्यों में ड्यूटी दी है, उन्हें तत्काल प्रभाव से बदला जाए। इस बदलाव की सूचना, डिटेल सहित अविलंब संबंधित कार्यालय को भेजनी होगी।

बता दें कि पांच राज्यों असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर केंद्रीय बलों की तैनाती की

बीएसएफ जवान करेंगे मतदाता पहचान पत्रों की जांच

- ढाई-तीन लाख केंद्रीय बलों के जवानों की होगी तैनाती।
- सीसीटीवी कैमरों का नियंत्रण भी बीएसएफ जवानों के पास रहेगा।
- 2024 के चुनाव में ड्यूटी देने वाले अधिकारी हटाए जाएंगे।
- विपक्ष ने फैसले पर उठाए सवाल।

जा रही है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लगभग ढाई से तीन लाख जवान, उक्त राज्यों में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनावी प्रक्रिया संपन्न कराने के मकसद से तैनात किए गए हैं। बीएसएफ के आदेशों में कहा गया है कि पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव में यह सुनिश्चित किया जाए कि इंस्पेक्टर और ऊपर के रैंक में कोई भी ऐसा अधिकारी ड्यूटी पर न हो, जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में इन्हीं पांच राज्यों में ड्यूटी दी है। ऐसे अधिकारियों की सूची तैयार कर उन्हें तुरंत प्रभाव से बदला जाए। बल की तरफ से अपनी यूनिटों को यह सख्त हिदायत दी गई है कि वे इस काम को अविलंब पूरा करें। फ्रंटियर हेडक्वार्टर, जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को पूरा करेगा।

बीएसएफ के एक पुरुष और एक महिला जवान को प्रत्येक पोलिंग बूथ पर तैनात किया जाए। उनका काम, वोटरों के पहचान पत्रों की जांच करना होगा। वहां पर लगे सीसीटीवी, पूरी तरह से बीएसएफ के दो जवानों के नियंत्रण में रहेंगे। वे जवान यह सुनिश्चित करेंगे कि सीसीटीवी ठीक तरह से काम कर रहा है या नहीं। इतनी ही नहीं वे सीसीटीवी की फीड की भी मॉनीटरिंग करेंगे।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक, इस तरह के आदेश जारी कर चुनाव आयोग के स्थापित नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। वोटरों की आईडी चेक करना, यह कार्य परंपरागत रूप से केवल चुनाव आयोग के मतदान अधिकारियों का होता है, न कि अर्धसैनिक बलों का। बीएसएफ डीजी ने प्रत्येक बूथ पर जवानों की तैनाती और क्लोज-सर्किट कैमरों की निगरानी का आदेश दिया है,

15 साल की नाबालिग लड़की पर चाकू से हमला इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के सीमापुरी इलाके से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। 24 साल के युवक ने 15 साल की नाबालिग लड़की पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। रविवार (5 अप्रैल) को इलाज के दौरान नाबालिग की मौत हो गई। राजधानी में अपराध के मामले लगातार बढ़ते नजर आ रहे हैं। ताजा मामला सीमापुरी थाना क्षेत्र का है, जहां 24 वर्षीय जतिन ने 15 साल की नाबालिग लड़की पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

घटना शाम करीब सवा पांच बजे की बताई जा रही है, जो पीड़िता के घर से लगभग 300 मीटर की दूरी पर हुई। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक इस वारदात में कुछ और युवकों के शामिल होने की भी आशंका है। घायल नाबालिग ने हिम्मत दिखाते हुए खुद अपनी मां को फोन कर हमले की जानकारी दी,

'जल्लाद' ट्रक ड्राइवर की घिनौनी हरकत

गाय को ट्रक से बांधकर घसीटा; एक पैर भी गायब

भुवनेश्वर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ट्रक ड्राइवर ने इंसानियत की सारी हदें पार कर दीं। आरोप है कि उसने गाय को अपने ट्रक से बांधकर कई मीटर तक घसीटा है। यह घटना झारपोखरिया पुलिस स्टेशन के तहत नेशनल हाईवे-49 पर हुई। इस अमानवीय हरकत से स्थानीय लोगों में गुस्सा है, जो आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और ड्राइवर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। गाय के पिछले दो पैरों को रस्सी से बांधकर ट्रक से बांधा गया है। उसका एक पैर भी गायब है।

गाय की स्थिति गंभीर है और ट्रक से घसीटते-घसीटते उसे अधमरा कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पक्का करेगी कि न्याय मिले। इस बीच जानवरों की भलाई के लिए काम करने वाले संगठन भी इस घटना का संज्ञान ले रहे हैं और आरोपियों के लिए सख्त सजा की मांग कर रहे हैं। इस घटना ने जानवरों पर अत्याचार और जानवरों की सुरक्षा के लिए सख्त कानूनों की जरूरत के बारे में एक बड़ी बातचीत भी शुरू कर दी है। यह घटना हमारे समाज में जानवरों पर अत्याचार की बढ़ती चिंता को दिखाती है। यह जरूरी है कि हम ऐसे घिनौने जुर्म करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

अमृतसर में यूरोप से जुड़े नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

अमृतसर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने यूरोप से संचालित हो रहे अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से साढ़े चार किलो हेरोइन बरामद की गई है। जिसकी इंटरनेशनल वेल्यू तकरीबन 31 करोड़ रुपए आंकी जा रही है प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपित सीधे तौर पर यूरोप में बैठे संचालकों और जेल में बंद अपराधियों के संपर्क में थे, जो सीमा पार से नशे की आपूर्ति कर पंजाब के विभिन्न इलाकों में इसका वितरण कर रहे थे।

डीजीपी गौरव यादव की तरफ से जारी की गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपित लंबे समय से नशा तस्करी से जुड़े हुए थे और इनके खिलाफ पहले भी मादक पदार्थ और हथियार से जुड़े मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। यह गिरोह खासतौर पर माझा और दोआबा क्षेत्र में सक्रिय था और यहां विभिन्न स्थानों पर नशे की आपूर्ति करता था। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क में और भी कई लोग शामिल हैं, जिनकी पहचान की जा रही है। इसके अलावा जेल में बंद कुछ अपराधियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है, जो बाहर बैठे तस्करों के साथ मिलकर इस अवैध कारोबार को चला रहे थे।

इस मामले में थाना सुल्तानविंड में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि पूरे गिरोह का सफाया किया जा सके। पुलिस ने दोहराया कि राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियानों को लगातार जारी रखा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले इस गिरोह के खुलासे को बड़ी सफलता माना जा रहा है और आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

विजय के हलफनामे में खुलासा:टीवीके प्रमुख पर दो आपराधिक मामलों का जिक्र

चुनाव आयोग को पहले नहीं दी थी जानकारी

चेन्नई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय ने अपने ताजा चुनावी हलफनामे में बड़ा खुलासा किया है। पहले दाखिल हलफनामे में किसी भी आपराधिक मामले का जिक्र नहीं करने वाले विजय ने अब दो लंबित एफआईआर की जानकारी दी है। सूत्रों के अनुसार, 3 अप्रैल को नोटरी किए गए इस नए हलफनामे को 4 अप्रैल को उनके प्रतिनिधि ने रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष पेश किया।

इसमें चेन्नई और मदुरै के दो मामलों को शामिल किया गया है, जो पहले के दस्तावेज में नहीं थे। नए हलफनामे के मुताबिक, पहली एफआईआर चेन्नई के के5 पेरावल्लूर पुलिस स्टेशन में दर्ज है। यह मामला 30 मार्च को चुनाव प्रचार के दौरान कथित सार्वजनिक अव्यवस्था से जुड़ा है। विजय ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी 2

TVK प्रमुख विजय का नया चुनावी हलफनामा

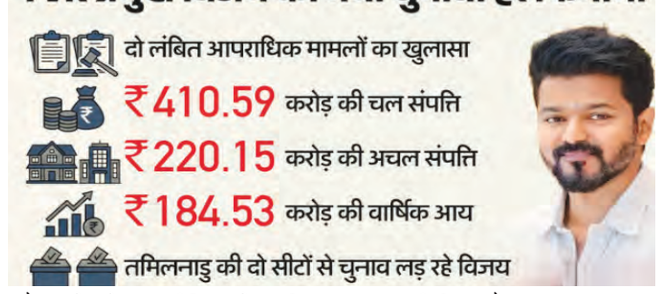

- दो लंबित आपराधिक मामलों का खुलासा
- ₹410.59 करोड़ की चल संपत्ति
- ₹220.15 करोड़ की अचल संपत्ति
- ₹184.53 करोड़ की वार्षिक आय
- तमिलनाडु की दो सीटों से चुनाव लड़ रहे विजय

अप्रैल को सोशल मीडिया के जरिए मिली। दूसरी एफआईआर मदुरै जिले के कूडाकोविल पुलिस स्टेशन में दर्ज है, जो 21 अगस्त 2025 को पार्टी सम्मेलन के दौरान हुई एक घटना से संबंधित है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि मंच के पास जाने की कोशिश में बाउंसरों ने उसे धक्का दिया, जिससे वह घायल हो गया। हालांकि, विजय ने कहा कि उन्हें इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक समन नहीं मिला है।

संपत्ति और आय का भी किया खुलासा

आपराधिक मामलों के अलावा, विजय ने अपनी संपत्ति और आय का भी विवरण दिया है। नए हलफनामे के अनुसार, उनकी चल संपत्ति लगभग 410.59 करोड़ रुपये है, जिसमें सोना-चांदी के आभूषण भी शामिल हैं। वहीं, उनकी अचल संपत्ति, जिसमें नीलांकरई और सालिग्रामम जैसे इलाकों में स्थित मकान और व्यावसायिक इमारतें शामिल हैं, की कुल कीमत लगभग 220.15 करोड़ रुपये बताई गई है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विजय ने अपनी कुल आय 184.53 करोड़ रुपये घोषित की है। साथ ही, करीब 3.44 करोड़ रुपये के आयकर बकाया का भी जिक्र किया गया है, जो फिलहाल अपील में है। टीवीके प्रमुख विजय इस बार पेराम्बुर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने 30 मार्च को पेराम्बुर और 2 अप्रैल को तिरुचि ईस्ट से नामांकन दाखिल किया था। 4 अप्रैल को दाखिल नया हलफनामा पहले और दूसरे नामांकन के बीच की विसंगतियों को दूर करने के लिए पूरक दस्तावेज के रूप में पेश किया गया है, ताकि चुनाव आयोग के नियमों का पूरी तरह पालन किया जा सके।

सरकार की नीतियों का खामियाजा किसानों, व्यापारियों को भुगतना पड़ रहा है: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने नरवाना मंडी के बंद होने पर भाजपा सरकार को घेरते हुए इसे उसकी गलत और अव्यवस्थित नीतियों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि फसल बिक्री से जुड़ी नई शर्तों ने आढ़तियों को मजबूर कर दिया, जिसके चलते मंडी बंद करने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों का खामियाजा अब किसानों, व्यापारियों और मंडी से जुड़े पल्लेदारों को भुगतना पड़ रहा है।

किसानों पर अनावश्यक पाबंदियां लगाई जा रही हैं, जबकि व्यापारियों पर दबाव बनाया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद किसानों को न तो उचित मुआवजा मिल रहा है और न ही उन्हें अपनी फसल मंडियों तक लाने में सहूलियत दी जा रही है।

जगन्नाथ धाम तक पहुंचना आसान

हवाई मार्ग से जुड़ेगा पुरी, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना को मिली मंजूरी

भुवनेश्वर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ धाम तक पहुंच अब और आसान होने जा रही है। बहुप्रतीक्षित पुरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि केंद्र सरकार ने वन भूमि डायवर्जन के लिए सैद्धांतिक (स्टेज-1) मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद परियोजना के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सीधी हवाई सुविधा मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, ओडिशा सरकार के प्रस्ताव को फारेस्ट (कंजर्वेशन) एक्ट, 1980 के तहत मंजूरी दी गई है। यह स्वीकृति केंद्र द्वारा गठित सलाहकार समिति की समीक्षा के बाद दी गई। अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार ने पुरी वन प्रभाग के अंतर्गत 27.887 हेक्टेयर डीएलसी वन भूमि के डायवर्जन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की है। इस भूमि पर प्रस्तावित श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का निर्माण किया जाएगा।

यह स्वीकृति राज्य सरकार के प्रस्ताव और सलाहकार समिति की सिफारिशों पर विस्तृत विचार के बाद दी गई है। हालांकि, अंतिम स्टेज दो मंजूरी से पहले कुछ शर्तों को पूरा करना आवश्यक होगा। ओडिशा सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पहले ही वन स्वीकृति मांगी थी, जिस पर कई वर्षों से चर्चा चल रही थी। अब इस महत्वपूर्ण मंजूरी के साथ परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ गया है। प्रस्तावित हवाई अड्डे से देश के प्रमुख तीर्थस्थल पुरी की हवाई कनेक्टिविटी हो जाएगी, जिससे पर्यटन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

असम में बीफ पर सियासी बवाल

सीएम हिमंत का एजेपी उम्मीदवार पर निशाना; कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

गुवहाटी, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। असम विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। इस दौरान आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। चुनाव से ठीक पहले राज्य की राजनीति में बीफ विवाद को लेकर तीखा टकराव देखने को मिल रहा है।

सूबे के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम जातीय परिषद (एजेपी) की उम्मीदवार कुंकी चौधरी और उनकी मां सुजाता गुरुंग चौधरी पर कथित रूप से बीफ खाने के आरोपों को लेकर लगातार हमले तेज कर दिए हैं। इस तरह के आरोपों ने असम विधानसभा चुनावों से पहले एजेपी और बीजेपी के बीच राजनीतिक तनाव पैदा कर दिया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा है कि असम में बीफ खाने की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता।उन्होंने दावा किया कि उनके आग्रह के बाद कई मुस्लिम समुदाय के लोग भी अब बीफ की बजाय भैंस का मांस खा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य में लागू पशु संरक्षण कानून का उल्लंघन करने वालों को तीन साल तक की सजा हो सकती है। सरमा ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जो भी गाय का मांस खाएगा, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा, 'गाय का मांस खाने वालों को मैं नहीं बख्शने वाला। कानून के अनुसार, मैं उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराऊंगा'। इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल और ज्यादा गरमा गया है।

कुंकी चौधरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

वहीं एजेपी ने इसे राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश बताया है। बीफ विवाद के बीच कुंकी चौधरी को गुवाहाटी में एक रैली के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा। एक वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारी 'एजेपी गो बैक' के नारे लगाते दिखाई दिए। चौधरी ने आरोप लगाया कि बीजेपी के आईटी सेल ने उनका एक एआई-जनित वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर फैलाया है।

कुंकी चौधरी ने क्या कहा

उन्होंने सवाल करते हुए कहा, 'इतनी बेताबी क्यों? बीजेपी का आईटी सेल ऐसे वीडियो बनाने में इतना पैसा और मेहनत क्यों खर्च कर रहा है? अगर उन्हें वीडियो बनाना ही है, तो वे मेरे घर आ सकते हैं और मैं बयान दूंगी'।

जोरहाट में सरमा का शक्ति प्रदर्शन

इसी बीच सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने जोरहाट में एक बड़ा रोड शो किया, जिसे कांग्रेस नेता गौरव गोगोई का गढ़ माना जाता है। गोगोई जोरहाट सीट से सांसद हैं, लेकिन मौजूदा विधायक हितेंद्र नाथ गोस्वामी से उन्हें कड़ी चुनौती मिल रही है। रोड शो के दौरान सरमा ने दावा किया कि जोरहाट में लोगों का भारी समर्थन गोस्वामी के साथ है और वह बड़े अंतर से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि लोग विकास के लिए वोट देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अपर असम की सभी सीटों पर बीजेपी जीत दर्ज करेगी।

जोरहाट में गोस्वामी की लोकप्रियता और निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के साथ उनके लंबे संबंधों को देखते हुए, यह देखना दिलचस्प होगा कि गोस्वामी अपने पक्ष में वोटों को कैसे एकजुट करते हैं। 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले राज्य में राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

आरटीए के रिटायर्ड सचिव ने की आत्महत्या

रोहतक, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। शहर के छोटूराम नगर में आरटीए विभाग रिटायर्ड सचिव सूरत सिंह ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। उस समय पत्नी घर के बाहर सैर करने गई थी। रविवार सुबह पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की और परिजनों के बयान दर्ज किए। हालांकि सूरत सिंह ने यह कदम क्यों उठाया, इसको लेकर परिजन भी कुछ बता पा रहे हैं। पुरानी सब्जी मंडी थाने के एएसआई एवं मामले की जांच कर रहे प्रदीप ने बताया कि शाम सूचना मिली कि छोटूराम कॉलोनी में बुजुर्ग 65 साल के सूरत सिंह ने सल्फास की गोली खा ली है।

साथ ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। सूरत सिंह की पत्नी ने बताया कि वह तो बाहर सैर करने गई थी। वापस आई तो उसके पति अचेत मिले। उसने दोनों बेटों को पूरे मामले से अवगत कराया। बेटों के आने पर पुलिस ने रविवार सुबह एफएसएल एक्सपर्ट डॉ। सरोज दहिया को बुलाकर छानबीन करवाई। इसके बाद शव पीजीआई के डेड हाउस में ले जाया गया। दोपहर तक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जिस तरह सोच समझकर बोलना एक कला है, तो मौन रहना भी किसी साधना से कम नहीं!

नए हाई कोर्ट को दबे-कुचलों के लिए लोकतांत्रिक प्रतीक बनाएंगे : रेवंत रेड्डी

उच्च न्यायालय जोन-II की आधारशिला रखीं गई

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी लिया भाग

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का नया उच्च न्यायालय समाज और लोकतंत्र के लिए एक प्रतीक और महत्वपूर्ण सहारा बनेगा। यह एक ऐसा स्थान होगा जहां कमजोर और वंचित वर्ग के लोग न्याय की तलाश कर सकेंगे। रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर में उच्च न्यायालय जोन-II की आधारशिला समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि आने वाले एक सौ वर्षों में गरीब, कमजोर और दमनग्रस्त लोग इस प्रतिष्ठित संस्थान में न्याय की तलाश के लिए आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, आज हम जोन-2 के तहत आवासीय भवनों की आधारशिला रख रहे हैं। हम इस संरचना को रिकॉर्ड समय में अगले साल दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखेंगे। इसी प्रकार, हम तेलंगाना के विभिन्न शहरों और जिलों में 49 अदालतों और कई आवासीय क्वार्टरों के लिए कई नए प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यपालिका की जिम्मेदारी है कि वह न्यायपालिका को ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करे, जिससे न्याय सबसे तेज और सर्वोत्तम तरीके से मिल सके। हम मानते हैं कि सभी स्तंभों को पारस्परिक सम्मान के साथ काम करना चाहिए और टकराव से बचना चाहिए। इसलिए हम न केवल सभी फैसलों और न्यायिक निर्णयों का सम्मान करते हैं, बल्कि विभिन्न टिप्पणियों और फीडबैक का भी उच्चतम सम्मान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई सरकारें और मुख्यमंत्री अतीत में इस परियोजना को उठा सकते थे, लेकिन किसी कारणवश यह कार्य उनकी सरकार के जिम्मे आया। मेरे लिए यह एक अद्भुत अवसर है, शायद जीवन में एक बार, कि मेरी सरकार तेलंगाना के लिए नए उच्च न्यायालय परिसर का निर्माण शुरू कर सके। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अलोक अराधे, न्यायाधीश एस.वी. भट्टी, न्यायाधीश उज्जल भुय्यन, न्यायाधीश पी.एस. नरसिन्हा, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी शिवधर रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस हमेशा गरीबों और उन असली नायकों के साथ खड़ी है : विवेक

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सोमाजीगुड़ा में अपने आवास पर श्रम एवं खनिज मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी से गिग वर्कर्स, यूनियन नेता और उनके परिवारों ने मुलाकात की और राज्य सरकार द्वारा गिग वर्कर्स के लिए ऐतिहासिक कानून बनाने के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। हाल ही में विधानसभा के बजट सत्र में पारित तेलंगाना प्लेटफ़ॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) अधिनियम, 2026 गिग वर्कर्स के अधिकारों और कल्याण की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अवसर पर, गिग वर्कर्स के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री और मुख्यमंत्री को उनके सक्रिय नेतृत्व और इस प्रगतिशील कानून के पारित होने में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने श्रम विभाग के अधिकारियों के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की, जिनकी मेहनत ने इस उपलब्धि को संभव बनाया। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार हमेशा गरीबों और उन असली नायकों के साथ खड़ी रही है जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स तेजी से बदलती प्लेटफ़ॉर्म-आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस कानून के क्रियान्वयन और पालन को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि समाज का कोई भी वर्ग पीछे नहीं रहेगा और कल्याण योजनाएं हर व्यक्ति तक पहुंचेंगी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तेलंगाना गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शेख सालाउद्दीन ने किया। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और मंत्री को इस ऐतिहासिक कानून के लिए धन्यवाद कहा और बताया कि लाखों परिवार इस अधिनियम से लाभान्वित होंगे, जबकि भविष्य में और अधिक लोग इसका लाभ उठाएंगे।

सीईएसएस का लाइसेंस नवीनीकरण रुका

राजन्ना-सिरसिल्ला, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोऑपरेटिव इलेक्ट्रिक सप्लाई सोसाइटी लिमिटेड (सीईएसएस) का भविष्य अधर में लटक गया है, क्योंकि तेलंगाना विद्युत नियामक आयोग (टीईआरसी) ने इसका लाइसेंस नवीनीकृत नहीं किया है। 2021 में जारी लाइसेंस 31 मार्च 2026 को समाप्त हो गया, जबकि सीईएसएस ने दिसंबर 2025 में ही नवीनीकरण के लिए प्रस्ताव भेज दिए थे। फिलहाल एनपीडीसीएल संस्था की गतिविधियों की निगरानी कर रही है। सरकार द्वारा सीईएसएस के एनपीडीसीएल में विलय की चर्चाओं से कर्मचारियों और सदस्यों में चिंता बढ़ गई है। भ्रष्टाचार, लंबित बिल और खराब रखरखाव को संभावित कारण बताया जा रहा है, हालांकि इसे राजनीतिक कारणों से भी जोड़ा जा रहा है।

'रैतू नेसत्म' कार्यक्रम का 89वां एपिसोड कल

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में किसानों के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हर मंगलवार आयोजित होने वाले कार्यक्रम 'रैतू नेसत्म' का 89वां एपिसोड आगामी 7 अप्रैल, मंगलवार को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस एपिसोड में मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में नैनो यूरिया का उपयोग करने वाले किसान और प्राकृतिक कृषि करने वाले किसान अपने अनुभव साझा करेंगे। इसके अलावा, जयराजशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय के धान विशेषज्ञ आने वाले मानसून सीजन के लिए उपयुक्त धान की किस्मों और खेती के तरीकों पर विस्तार से जानकारी देंगे।

कृषि निदेशक, तेलंगाना ने बताया कि किसानों को अपने नजदीकी वीडियो कांफ्रेंसिंग केंद्रों पर उपस्थित होकर इन विषयों पर जानकारी प्राप्त करने और कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों से जुड़े अन्य सवालों के उत्तर विशेषज्ञों से सीधे प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में कृषि और संबद्ध विभागों के अधिकारी, जैसे उद्यान विभाग, पशु संवर्धन विभाग, मार्केटिंग विभाग और कृषि विशेषज्ञ राज्य स्तर पर भाग लेंगे। किसानों से अपील की गई है कि वे इस अवसर का पूर्ण उपयोग करके कृषि ज्ञान और तकनीकों में अपने कौशल को बढ़ाएं।

बासर ज्ञान सरस्वती मंदिर का भव्य पुनर्निर्माण, 225 करोड़ की योजना

9 मंजिला राजगोपुरम, 3 गुना बड़ा होगा परिसर

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी आज भूमि पूजन करेंगे

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत के एकमात्र ज्ञान सरस्वती मंदिर बासर में भव्य पुनर्निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक मंदिर का क्षेत्रफल लगभग तीन गुना बढ़ाकर इसे आधुनिक सुविधाओं के साथ भक्तों के लिए और आकर्षक बनाया जाएगा। राज्य सरकार ने इस पुनर्निर्माण के लिए 225 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

मंदिर में वेद व्यास महार्षि द्वारा प्रतिष्ठित तीन देवी ज्ञान सरस्वती, महालक्ष्मी और महाकाली की मूर्तियों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार को भूमि पूजन करेंगे। बासर मंदिर, पवित्र गोदावरी नदी के किनारे स्थित, शिक्षा और अक्षराभ्यास का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

प्रतिवर्ष वसंत पंचमी और अन्य पर्वों पर हजारों बच्चे अक्षराभ्यास के लिए आते हैं, जिससे मंदिर परिसर अत्यधिक भीड़भाड़ वाला हो जाता है। इसी कारण मंदिर विकास कार्य आवश्यक हो गया था। पुनर्निर्माण के मास्टर प्लान को तैयार करने से पहले अधिकारियों ने श्रृंगेरी पीठाधीपति से मार्गदर्शन लिया। मंदिर के गर्भगृह, अर्ध मंडप, राजगोपुरम, अन्य गोंपुरम, माड मार्ग, कोनेरु और उत्तरी द्वार के निर्माण हेतु अनुमतियां ली गईं। पुनर्निर्माण के बाद मंदिर परिसर में कुछ परिवर्तन किए जाएंगे। वर्तमान 2,000 वर्ग फुट के गर्भगृह और अर्ध मंडप का विस्तार करके 5,000 वर्ग फुट किया जाएगा। उत्तर दिशा में 9 मंजिला राजगोपुरम और अन्य तीन दिशाओं में 7-मंजिला गोंपुरम होगा।

इसके साथ ही चौड़ी 33 फीट माड मार्ग और उत्तरी द्वार का निर्माण, मंदिर क्षेत्रफल को वर्तमान 20,000 वर्ग फुट से बढ़ाकर 62,000 वर्ग फुट किया जाएगा। सभी निर्माण कार्य शिलाओं से किया जाएगा।

6,000 भक्तों के लिए सुविधाओं सहित 70,000 वर्ग फुट का क्यू कॉम्प्लेक्स, 200 लोगों के लिए ध्यान मंदिर, 20,000 वर्ग फुट क्षेत्र में भोजनालय और प्रसाद वितरण केंद्र, ईशान्य दिशा में कोनेरु, पूर्व दिशा में आध्यात्मिक तटीय मार्ग, सूचना केंद्र, रोड नेटवर्क, अंडरपास, सोलर रूफटॉप पार्किंग और पुष्पवन तैयार किए जाएंगे। भविष्य में मंदिर के पीछे बड़े पेड़ लगाकर हरियाली का वातावरण बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पवित्र गोदावरी के पुष्कर आते समय लाखों भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, और मंदिर परंपरा तथा भक्तों की श्रद्धा के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

एसएससीआर ने 'कवच' के 487 रूट किमी फील्ड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरे किए

सफलता के पीछे प्रभावी क्रियान्वयन की अहम भूमिका

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 'कवच 4.0' प्रणाली के तहत 487 रूट किलोमीटर में फील्ड ट्रायल सफलतापूर्वक पूर्ण कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 402 रूट किमी के लक्ष्य से कहीं अधिक है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस सफलता के पीछे सूक्ष्म योजना और प्रभावी क्रियान्वयन की अहम भूमिका रही है। एससीआर ने न केवल कवच प्रणाली के विस्तार में उल्लेखनीय प्रगति की है, बल्कि ट्रेन संचालन को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए हैं। 'कवच 4.0' के फील्ड ट्रायल काजीपेट-पेड्दमपेट (101 किमी), मल्काजगिरी-कामारेड्डी (106 किमी), चेर्लापल्ली-रघुनाथपल्ली (79 किमी), गुंतकल-रायचूर (120 किमी) और मुदखेड़-परभणी (81 किमी) सेक्शनों में किए गए। इन मार्गों पर लोको कवच ट्रायल भी सफलतापूर्वक संचालित किए गए, जिससे ट्रेन सुरक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता सुनिश्चित हुई। एससीआर ने इसी वित्तीय वर्ष में 357 रूट किमी के लक्ष्य के मुकाबले 479 रूट किमी में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) प्रणाली को भी सफलतापूर्वक लागू किया। यह प्रणाली काजीपेट-बल्हारशाह, विजयवाड़ा-दुव्वाडा और वाडी-रेनिगुंटा सेक्शनों में स्थापित की गई है।

ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग एक आधुनिक प्रणाली है, जिसमें ट्रेनों की आवाजाही स्वचालित सिग्नलों के माध्यम से नियंत्रित होती है। यह प्रणाली ट्रेनों को एक ही दिशा में सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए चलने की अनुमति देती है, जिससे पीछे से टक्कर (रियर-एंड कोलिजन) की संभावना समाप्त हो जाती है। इसके साथ ही यह प्रणाली रेल मार्ग की क्षमता बढ़ाने, लागत कम करने और ट्रेनों की औसत गति में सुधार करने में भी सहायक सिद्ध होती है। एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने इस उपलब्धि पर सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जोनल और डिवीजन स्तर पर टीम के समन्वित प्रयासों से यह रिकॉर्ड संभव हो पाया है। महाप्रबंधक ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी 'कवच' और ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग को शीर्ष प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि रेलवे नेटवर्क को और अधिक सुरक्षित और आधुनिक बनाया जा सके।

एआई से उद्योगों में आएगा बड़ा बदलाव : केटीआर

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सभी क्षेत्रों के उद्योगों को नया रूप देगी और उद्यमियों को अंतर-क्षेत्रीय नवाचार पर ध्यान देना चाहिए। न्यूयॉर्क के कोलंबिया बिजनेस स्कूल में आयोजित इंडिया बिजनेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने तेलंगाना को तेज आर्थिक विकास का मॉडल बताते हुए इसे देश का सबसे सफल स्टार्टअप राज्य बताया। उन्होंने राज्य की प्रगति का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व को दिया। केटीआर ने कहा कि एआई, जीवन विज्ञान, फिनटेक, जलवायु तकनीक और कृषि तकनीक के मेल से विकास की नई दिशा तय होगी।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना में आईटी निर्यात और रोजगार में तेजी से वृद्धि हुई है और हैदराबाद वैश्विक टेक हब बन चुका है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से देश के विकास में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि नवाचार और निवेश के जरिए भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है।

खानपुर नगर पालिका में भाजपा का कब्जा, अंकम मौनिका बनीं चेयरपर्सन

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के खानापुर नगर पालिका चेयरपर्सन चुनाव को लेकर चल रहा सस्पेंस रविवार को समाप्त हो गया। भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार अंकम मौनिका को चेयरपर्सन निर्वाचित किया गया। उन्हें भारत राष्ट्र समिति और भाजपा के पार्षदों का समर्थन प्राप्त हुआ। वहीं, बीआरएस के उम्मीदवार मोहम्मद शोएब को वाइस-चेयरपर्सन चुना गया। चुनाव के दौरान भाजपा और बीआरएस के पार्षदों ने मौनिका के पक्ष में हाथ उठाकर समर्थन दिया, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई। खानपुर नगर पालिका में कुल 12 पार्षद सीटें हैं। हाल ही में हुए चुनावों में बीआरएस और भाजपा को 4-4 सीटें मिली थीं, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 3 सीटें और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई थी। निर्दलीय पार्षद और पदेन वोट के समर्थन से कांग्रेस की संख्या 5 तक पहुंच गई थी। हालांकि, बीआरएस ने भाजपा को समर्थन देने का फैसला किया, जिसके बाद दोनों दलों के कुल 7 पार्षदों ने मिलकर भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया और अंकम मौनिका की जीत का रास्ता साफ हो गया। इस राजनीतिक समीकरण के चलते खानापुर नगर पालिका में भाजपा ने चेयरपर्सन पद पर कब्जा जमाने में सफलता हासिल की। भाजपा के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने ट्विटर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि कांग्रेस के सत्ता दुरूपयोग और अलोकतांत्रिक रणनीतियों के खिलाफ भाजपा ने खानापुर में "कमल" खिलाया। उन्होंने विशेष रूप से अलेती महेश्वर रेड्डी, जिला अध्यक्ष रितेश राठौर और अन्य समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई दी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने कहा कि यह जीत कांग्रेस और एमआईएम के कथित गुप्त गठजोड़ के खिलाफ सीधा जवाब है। निजामाबाद में उनके गठजोड़ का खुलासा होने के बाद, खानपुर में भी वही रणनीति अपनाई गई थी, लेकिन अंततः यह असफल रही। सुभाष ने इस जीत को भाजपा राज्य अध्यक्ष रामचंदर राव के समन्वित प्रयासों, भाजपा विधायक दल नेता अलेती महेश्वर रेड्डी की रणनीतिक योजना और आदिलाबाद सांसद गोदम नागेश के मार्गदर्शन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि खानापुर का परिणाम कांग्रेस पार्टी के अहंकार पर मजबूत अंकुश है।

खानपुर चुनाव से पहले बीआरएस नेताओं को किया नजरबंद

मंचरियाल/कुमराम भीम आसिफाबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर नगरपालिका की शासी परिषद के चुनाव से पहले बीआरएस के जिला अध्यक्ष बल्का सुमन, पूर्व विधायक नादिपेल्ली दिवाकर राव समेत कई नेताओं को एहतियात के तौर पर घर में नजरबंद कर दिया गया। बताया गया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर हुए विवाद के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था, जिसके चलते प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया। सुमन ने कांग्रेस पर विपक्ष की आवाज दबाने और मतदाताओं के जनादेश का अनादर करने का आरोप लगाया। उन्होंने नियमों के अनुसार चुनाव कराने की मांग की। इसी बीच, आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी और अन्य स्थानीय नेताओं को भी नजरबंद किया गया। उन्होंने सरकार पर सत्ता का दुरूपयोग करने और पार्षदों के फैसलों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि शनिवार को चुनाव प्रक्रिया उस समय रुक गई थी जब विधायक वेदमा बोज्जू ने अधिकारियों के फैसले पर आपत्ति जताई थी, जिससे विवाद की स्थिति बन गई थी।

छात्रा ने डेटॉल पीकर आत्महत्या का प्रयास, कॉलेज में बढ़ी चिंता

मंचेरियल, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर स्थित सरकारी समाज कल्याण आवासीय महाविद्यालय में शनिवार शाम एक छात्रा ने कथित तौर पर डेटॉल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। कक्षा आठवीं की छात्रा गोट्टाला शरण्या को तुरंत मंचेरियल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना के बाद अभिभावकों ने कॉलेज में छात्रों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर चिंता जताई है।

उन्होंने अधिकारियों से आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने और हर छात्र के लिए एक मार्गदर्शक नियुक्त करने की मांग की। गौरतलब है कि 29 मार्च को इसी कॉलेज की एक अन्य छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिसने कथित रूप से कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था। इस मामले में दो शिक्षकों को निलंबित किया गया था। लगातार हो रही घटनाओं से अभिभावकों में भय और आक्रोश बढ़ रहा है।

रेफ्रिजरेटर में विस्फोट से लगी आग, दो की मौत

निर्मल, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महालक्ष्मीवाड़ा में शनिवार रात संदिग्ध शॉर्ट-सर्किट के कारण रेफ्रिजरेटर में विस्फोट होने से आग लग गई, जिसमें फंसकर दो लोगों की झुलस कर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों में एक की पहचान ओडिसेला विजय (50) के रूप में हुई है, जो दिहाड़ी मजदूर था, जबकि दूसरे व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि घटना के समय दोनों लोग घर में सो रहे थे, तभी अचानक रेफ्रिजरेटर में विस्फोट हुआ और आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। विस्फोट की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। मामले में आगे की जांच जारी है।

महिला ने पति व ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक महिला ने अपने पति और उसके परिवार के सदस्यों पर जबरन धर्म परिवर्तन, दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला के अनुसार, उसने जुलाई 2021 में नवाज उर्फ नवदुर्गा से शादी की थी। आरोप है कि शादी के बाद उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया और फिर उसे लगातार प्रताड़ित किया गया। महिला ने दावा किया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें लेकर उसे शादी के लिए मजबूर किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पति और उसके परिवार ने उसे एक फार्महाउस में ले जाकर नशीला पदार्थ दिया और उसके साथ मारपीट की। इसके अलावा, उसके बैंक खाते से 16.5 लाख रुपये निकलवाकर हड़प लेने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार लॉरी की टक्कर से युवक की मौत

आदिलाबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इचोडा मंडल के मुखरा (के) गांव में रविवार को एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एनएच-44 पर विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार लॉरी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में करतवाड़ा गांव निवासी विट्ठल को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद लॉरी चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी चालक की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

बाबू जगजीवन राम का देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान : राव

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और सामाजिक न्याय के लिए संघर्षरत महान नेता बाबू जगजीवन राम की जयंती के अवसर पर जनगांव में आयोजित मीडिया बैठक में अपने विचार व्यक्त किए। रामचंदर राव ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और सामाजिक न्याय के लिए उनका समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए विचारशील प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं। वर्तमान में लगभग 900 मंडलों में से 600 से अधिक मंडलों में ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे हो चुके हैं और शेष मंडलों में भी जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य में दिए गए 6 गारंटीज और 420 वादे पूरी तरह से असफल रहे हैं। किसानों के कर्ज माफी और अन्य कल्याणकारी योजनाएं लागू नहीं हुईं और जनता को धोखा दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर भी आरोप लगाया कि वे केरल में चुनाव प्रचार के दौरान झूठा दावा कर रहे हैं कि 'तेलंगाना में सभी वादे पूरे किए जा रहे हैं' जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। रामचंदर राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चुनावों में तेलंगाना के संसाधनों का अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरूपयोग कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और गरीबों के घरों तथा छोटे व्यापारिक स्थलों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने विश्व के कई देशों जैसे ईरान, इज़राइल और अमेरिका में तनावपूर्ण परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सुरक्षित है। पेट्रोल और गैस की कमी को लेकर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे गलत प्रचार को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि देश में पर्याप्त आपूर्ति मौजूद है और जनता को डरने की जरूरत नहीं है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Jayasree, W/o, No. 14624142K, Hav, Harish K P, R/o, Dist: Palakkad , Keralam, changed my name from Jayasree to Jayasree V , vide Affidavit No. BU 311221 dt. 01.04.2026, before Spl Judicial Magistrate at LB Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

इनकम टैक्स अधिकारी बनकर व्यापारियों से वसूली, फर्जी छापेमारी गैंग का भंडाफोड़

गाजीपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में इनकम टैक्स विभाग का नाम लेकर व्यापारियों से अवैध वसूली करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। शादियाबाद बाजार में व्यापारियों की सूझबूझ और एकजुटता से इस गैंग की साजिश नाकाम हो गई। आरोप है कि गिरोह के सदस्य खुद को इनकम टैक्स अधिकारी बताकर दुकानों पर फर्जी छापेमारी करते थे और कार्रवाई का डर दिखाकर व्यापारियों से मोटी रकम वसूलते थे। इस गिरोह में एक महिला समेत करीब आठ लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है।

व्यापारियों ने मौके पर तीन आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया। इस बात की पुष्टि एसपी सिटी डॉक्टर राकेश मिश्रा ने की है। इस दौरान उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

बिहार में नई सियासी हलचल

नीतीश कुमार के राज्यसभा शपथ की तारीख तय; जल्द सामने आएगा मुख्यमंत्री का नाम

पटना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में एक अहम और सकारात्मक मोड़ आने जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि शपथ ग्रहण के बाद एनडीए का केंद्रीय नेतृत्व और खुद नीतीश कुमार मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद बिहार में नई सरकार के गठन और नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर चल रही चर्चाओं को भी जल्द विराम मिलने की उम्मीद है।

राजनीतिक गलियारों में कई नामों पर मंथन जारी है, लेकिन अब फैसले की घड़ी नजदीक मानी जा रही है। आने वाले दिनों में राज्य को नया नेतृत्व मिल सकता है, जिससे शासन-प्रशासन में तेजी और स्पष्टता आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2005 में बिहार की कमान संभाली।

तब से कुछ महीनों को छोड़कर वे लगातार सीएम बने हुए हैं। जब राज्यसभा चुनाव का समय था तो उन्होंने दिल्ली जाने का फैसला कर सबको चौंका दिया। उनसे अब भी फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया जा रहा है। हालांकि अब वे राज्यसभा के लिए चुने जा चुके हैं। इसके बाद उनके शपथ ग्रहण पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं। अब वह स्थिति स्पष्ट कर दी गई है।

उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और शिवेश कुमार भी निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में अब उम्मीद जताई जा रही है कि भाजपा का सीएम होगा। हालांकि जदयू की ओर से कई नेताओं ने मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत के हाथों में राज्य की कमान सौंपने की मांग की है। उनके समर्थन में जगह-जगह पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं।

झारखंड रवाना होने से पहले तेजस्वी यादव नीतीश कुमार पर जमकर बरसे

कहा- सरकार हर मोर्चे पर रही विफल

पटना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव आज नीतीश सरकार पर जमकर बरसे। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में विकास कार्य ठप हैं और सरकार बनने के बाद सत्ताधारी नेताओं में केवल पद की होड़ मची हुई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता ने किसी व्यक्ति विशेष के चेहरे पर नहीं, बल्कि मुद्दों के आधार पर वोट दिया है। नीतीश कुमार की सुरक्षा से जुड़े गृह विभाग के एक पत्र में इस्तीफे का जिक्र किए जाने पर सवाल उठाते हुए तेजस्वी ने पूछा कि क्या देश में पहले कभी ऐसा हुआ है?

उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि अधिकारियों को पहले से ही आभास था कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार सत्ता में नहीं लौटेंगे। तेजस्वी यादव ने केरल की राजनीति का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ एलडीएफ सरकार दोबारा सत्ता में आएगी, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उसने बेहतरीन कार्य किया है। तेजस्वी यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सत्ताधारी दल का काम अब केवल विपक्ष को गाली देना रह गया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या लोगों को रोजगार मिला? क्या महिलाओं को 2 लाख रुपए की सहायता मिली? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।

बेटी की बलि दे रहा था पिता

रास्ते से गुजरने वाले लोगों ने नहर में कूदकर बचाया

कानपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर के बिधनू कस्बे में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। यहां एक पिता ने कथित तांत्रिक क्रिया और अंधविश्वास के नाम पर अपनी ही आठ वर्षीय मासूम बेटी की बलि चढ़ाने की कोशिश की। इस दौरान बच्ची की चीख-पुकार सुनकर राहगीरों ने तुरंत नहर में छलांग लगाकर उसकी जान बचा ली, इसके बाद लोगों ने आरोपी पिता की भी पिटाई की, घटना के बाद पुलिस ने मासूम बच्ची को उसके चाचा-चाची के सुपुर्द कर दिया है और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना रामगंगा नहर किनारे हुई, जो बिधनू थाने से मात्र 300 मीटर की दूरी पर स्थित है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का संघ प्रमुख पर तीखा हमला

बोले- खुद विवाह करके उदाहरण पेश करें मोहन भागवत

बरेली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। काशी से ऋषिकेश जाते समय स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बरेली पहुंचे, जहां उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर खुलकर प्रतिक्रिया दी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राष्ट्रीय मुद्दों पर बड़ा बयान देते हुए मोहन भागवत पर तीखा हमला बोला। उन्होंने हिंदू जनसंख्या बढ़ाने के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर यह इतना जरूरी है, तो संघ प्रमुख को खुद विवाह करके उदाहरण पेश करना चाहिए। दोहरा रोड स्थित देवभूमि आईटीआई में ठहरने के दौरान उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न जैसे आरोप एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य उनकी छवि को धूमिल करना है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है और शुरुआत में जिन तथ्यों सीडी, पेन ड्राइव का हवाला दिया गया था, वे अब कहां हैं। उनके अनुसार आरोप केवल उन्हें बदनाम करने और उनके धार्मिक व सामाजिक प्रभाव को कम करने के लिए लगाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हमें गिराने के लिए यह दुष्चक्र रचा गया है, सच्चाई अदालत में सामने आएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने यह भी कहा कि शंकराचार्य का पद कोई सरकारी पद नहीं, बल्कि धार्मिक परंपरा से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप अनुचित है।

उन्होंने दोहराया कि उन्हें जिस परंपरा और संस्था ने शंकराचार्य बनाया है, वही इस विषय में निर्णय लेने का अधिकार रखती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनके आचरण से स्पष्ट होता है कि पूरे घटनाक्रम के पीछे कौन है। स्वामी जी ने कहा कि यदि सरकार या उसके प्रतिनिधियों में साहस है तो वे खुलकर संवाद करें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आरोपों के बावजूद वह अपने धार्मिक दायित्वों और जनजागरण अभियान से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मदरसे में पुलिस की छापामारी हथियार मिलने पर किया गया सील

पूर्वी चंपारण, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस की एक विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर चकिया के गवंद्रा स्थित एक मदरसा से पिस्टल जब्त किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मदरसा में हथियार छिपाकर रखा गया है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने चकिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस की टीम को तत्काल छापेमारी का निर्देश दिया।

पुलिस की टीम ने तत्काल छापेमारी कर मदरसा से एक पिस्टल जब्त किया। इसके बाद मौके पर मौजूद तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। तीनों की निशानदेही पर छापेमारी की जा रही है। एसपी ने बताया कि हिरासत में लिए गए तीनों से पूछताछ चल रही है। मदरसा को तत्काल सील कर दिया गया है। यहां बता दें कि यह वहीं मदरसा है, जहां से पीएफआई के सक्रिय सदस्य उस्मान उर्फ सुल्तान उर्फ याकूब को चकिया पुलिस और एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था।

7 महीने की गर्भवती का फंदे से लटका मिला शव

गोपालगंज, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 7 महीने की गर्भवती 20 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद ससुराल पक्ष के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो गए। घटना जिले के कटेया थाना क्षेत्र के बड़का अमेया गांव की है।

मृतका के परिजनों ने इसे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान मुन्नी देवी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

यूपी में लेडी इंस्पेक्टर का वीडियो वायरल, महिला कॉन्स्टेबल से ले रही थीं मसाज, जांच शुरू

कासगंज, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस हमेशा किसी न किसी कारण चर्चा में बनी रहती है। यूपी पुलिस का एक और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल पूरा मामला यूपी के कासगंज का है। जहां थाने में मौजूद महिला दरोगा लेडी कॉन्स्टेबल से कंधा दबवाती नजर आ रही हैं। कासगंज जिले की महिला थाना अध्यक्ष मनिता साथी महिला पुलिस कर्मी से थाने के अंदर मसाज करा रही हैं। इसका वीडियो जैसे ही इंटरनेट पर वायरल हुआ तो यूपी पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया।

इस वीडियो के वायरल होने के बाद कासगंज के एसपी सौरभ दीक्षित ने इसपर एक्शन लेते हुए तत्काल ही महिला थाना अध्यक्ष को लाइन हाजिर किया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पुराना है। एसपी का इस मामले पर कहना है कि यह वीडियो अभी का नहीं बल्कि गर्मी के समय का है। हालांकि इस बाबत एसपी ने सीओ को मामले की जांच कराने का आदेश दे दिया है।

'मेरे घर भी बुलडोजर चलवाना चाहते हो क्या?

गोरखपुर में ऐसा क्यों बोले यूपी के पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी

गोरखपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान पहुंचे सपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, मेरे घर में बुलडोजर चलवाना चाहते हो क्या? सवाल सत्ता पक्ष से होना चाहिए, हम तो विपक्षी हैं। ओपी राजभर किसी को भी कुछ कह सकते हैं लेकिन मेरे संस्कार ऐसे नहीं, जवाब मुझे भी देना आता है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी भारतीय सर्व धर्म एकता समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। यहां उनसे मीडिया के लोगों ने कहा कि ओपी राजभर आपको दगा कारतूस बोलते हैं। इस पर सिद्दीकी ने कहा कि राजभर को मैं बहुत पहले से जानता हूं। पहले वह बसपा में थे। वह किसी के लिए कुछ भी कर सकते हैं। जवाब मैं भी दे सकता हूं लेकिन मेरी परवरिश और संस्कार इस बात की इजाजत नहीं देते। 2027 चुनाव में बसपा की भूमिका पर सिद्दीकी ने कहा कि इस वक्त ना तो सपा की सरकार है और ना बसपा की। सत्ता में भाजपा है तो सवाल भी उन्हीं से पूछें और जवाब भी उन्हीं को देना है। 2027 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सरकार बनाने जा रही है।

आजम खान के बारे में सिद्दीकी ने कहा कि वह बड़े नेता हैं, उनका स्थान कोई नहीं ले सकता। बता दें कि नसरुद्दीन सिद्दीकी के बसपा सरकार में मंत्री रहने के दौरान उनका नाम एनआरएचएम घोटाले में आया था। इस सिलसिले में वह जेल में भी बंद रहे थे। नसीमुद्दीन ने कहा कि वे अब पूरी तरह से समाजवादी विचारधारा के साथ हैं। सपा सभी जातियों को एक साथ लेकर चलती है। हमने ईद और होली मिलन समारोह एक साथ मनाया है। अभी तक हम लोग 52 जगहों पर इस तरह के आयोजन कर चुके हैं। आगे भी करते रहेंगे।

सीएम योगी ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के भवन एवं प्रेक्षागृहों का किया लोकार्पण कलाकारों का मंचन देखा

लखनऊ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन एवं दो प्रेक्षागृहों का लोकार्पण किया। 22 करोड़ की लागत से इनका जीर्णोद्धार कराया गया है। इस मौके पर सीएम ने कलाविदों, पूर्व छात्रों को सम्मानित किया। साथ ही 'रंगभेद' पत्रिका का विमोचन एवं स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में कलाकारों ने सीएम के सामने नाटक की प्रस्तुति दी। दरअसल, गोमती नगर स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी का स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जा रहा है। अकादमी के 50 वर्ष पूरे होने पर आठ दिवसीय कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसमें देशभर से कलाकार पहुंचे हैं। रविवार को पहले दिन सीएम योगी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर 15 कलाकारों को सम्मानित भी किया। साथ ही नाटक 'आनंद मठ' समेत अन्य नाट्य मंचनों को देखा।

मैरिज हॉल में 80 लड़के-लड़की आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए

इनमें 31 नाबालिग, नेटवर्क उजागर करने में जुटी पुलिस

रोहतास, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले में एक मैरिज हॉल से 80 लड़के-लड़कियां आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए हैं। पुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला दावथ थाना क्षेत्र का है। यहां मालियाबाग स्थित एक मैरिज हॉल में 39 महिलाएं और 41 पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। रविवार को पुलिस ने सभी 39 महिलाओं और 41 पुरुषों को कोर्ट में पेश किया। बिक्रमगंज के एसडीएम प्रभात कुमार की सूचना पर दावथ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में कुल 31 नाबालिग शामिल पाए गए हैं, जिनमें 18 लड़कियां और 13 लड़के हैं।

नाबालिग लड़कियों के मामले को पॉक्सो एक्ट के तहत एडीजे-7 की अदालत में प्रस्तुत किया गया है। वहीं, नाबालिग लड़कों के मामले में 13 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जहां वयस्क महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में मिलीं। एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने बताया कि सभी मामलों में अलग-अलग धाराओं के तहत पुलिस जांच कर रही है। पकड़े गए युवक-युवतियों में अधिकांश आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासी हैं, और इनमें कई स्कूल और कॉलेज की छात्राएं भी शामिल हैं। मामले में नाबालिग लड़कियों को मेडिकल जांच और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है, ताकि किसी संभावित नेटवर्क या अन्य अवैध गतिविधियों का खुलासा किया जा सके।

बिक्रमगंज के एसडीएम के नेतृत्व में दावथ थाना क्षेत्र के मालियाबाग स्थित प्रकाश मैरिज हॉल एंड होटल में छापेमारी की गई थी। इस दौरान 80 युवक-युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। फिलहाल, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है और आगे और भी खुलासे होने की संभावना है।

पुलिस संग एनकाउंटर में गोली लगने के बाद दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

मथुरा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। जैंत क्षेत्र में मिशन शक्ति टीम और सर्विलांस सेल ने दुष्कर्म के एक आरोपित को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया है। उसके कब्जे से तमंचा और बाइक बरामद हुई है। सीओ सदर पीतम पाल सिंह ने बताया कि आरोपित पवन कुमार निवासी थाना फरह को करीब पौने 10 बजे सनसिटी के पास हाईवे स्थित एक खाली प्लाट से मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया है। उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद हुई है।

जातिगत जनगणना के समर्थन में आए केशव प्रसाद मौर्य, कह दी बड़ी बात

लखनऊ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जातिगत जनगणना पर अपना समर्थन जताते हुए प्रदेश की राजनीति में नया भूचाल ला दिया है। जातिगाह जनगणना का समर्थन करने वाले वे भारतीय जनता पार्टी के पहले नेता हैं। बता दें कि इस समय बिहार में प्रदेश सरकार के द्वारा जाति के आधार पर जनगणना कराई जा रही है और बिहार सरकार के इस फैसले के बाद से उत्तर भारत के कई राज्यों में जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग की जा रही है। प्रदेश के उन्नाव के नवाबगंज में कल शनिवार को एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वह जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं।

हालांकि इससे पहले उन्होंने यह भी कहा था कि जब सपा व बसपा के समर्थन से केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब इन दलों ने इसे मुद्दा क्यों नहीं बनाया था। इसके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश के शूद्र वाले बयान पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी का इस समय अभियान चल रहा है। जैसे दूध में नींबू डालकर उसे फाड़ने का काम किया जाता है, वैसे ही ये समाज को बांटने का काम कर रहे हैं, लेकिन उनकी यह साजिश सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मैं अपने को हिंदू मानता हूं। गर्व से कहता हूं कि मैं हिंदू हूं। मौर्य ने कहा कि मैं रामचरितमानस को मानता हूं। मैं अखंड मानस का पाठ करता हूं। अभी माताजी का दर्शन किया हूं, हनुमान जी का दर्शन किया हूं, रामलला का भव्य राम मंदिर बनवाने के लिए श्रीरामजन्म भूमि का सिपाही रहा हूं, वह जहर फैलाएंगे लेकिन मैं समाज को बांटने नहीं दूंगा।

ड्रग माफिया भगोड़ा घोषित: दुबई में छिपा है 50 हजार का इनामी शुभम जायसवाल, 28 करोड़ की संपत्ति जब्त

वाराणसी, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नशीले कफ सिरप के काले कारोबार के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। वाराणसी की अदालत ने 50 हजार रुपए के इनामी आरोपी शुभम को भगोड़ा घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह दुबई भाग गया है, जिसके बाद अब उसे भारत वापस लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वाराणसी पुलिस के अनुसार, कोतवाली थाने में दर्ज मुकदमे के तहत शुभम को 30 मार्च 2026 तक कोर्ट में पेश होने का आखिरी मौका दिया गया था। इससे पहले पुलिस ने उसके घर पर नोटिस चस्पा किया और ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी कराकर उसे आत्मसमर्पण करने को कहा था। इसके बावजूद वह पेश नहीं हुआ, जिसके बाद कोर्ट ने उसे आधिकारिक रूप से भगोड़ा घोषित कर दिया।

पुलिस ने इस नशीले सिंडिकेट की आर्थिक कमर तोड़ने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। शुभम और उसके पिता भोला जायसवाल की अब तक करीब 28 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की जा चुकी है। जांच के दौरान गिरोह के 13 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है।

बेटी की तलाक के बाद रिटायर्ड जज ने बजवाया ढोल-नगाड़े

बिना किसी एलिमनी हुई 'घर वापसी'

मेरठ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। शास्त्रीनगर निवासी उत्तराखंड कैडर के रिटायर्ड जिला जज डॉ। ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने समाज के सामने एक अनोखी मिसाल पेश की है। अपनी बेटी प्रणिता वशिष्ठ के तलाक की कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्होंने उसे कोर्ट से घर लाने का फैसला लिया। लेकिन उन्होंने इसे साधारण तरीके से नहीं किया। उन्होंने बेटी की घर वापसी को पूरे सम्मान और खुशी के साथ मनाया। कोर्ट से घर तक का पूरा रास्ता ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे से गूंज उठा। नाच-गाना हुआ और बेटी प्रणिता को फूलों की मालाएं पहनाई गईं।

डॉ। शर्मा ने इस पूरे कार्यक्रम को अपनी बेटी के स्वाभिमान का उत्सव बना दिया। उन्होंने कहा कि बेटी का सम्मान ससुराल में प्रताड़ना सहकर रहने में नहीं है। असली सम्मान तो सिर ऊंचा करके अपने घर वापस आने में है। डॉ। शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैंने कोई एलिमनी या पैसे नहीं मांगे।

मैं सिर्फ अपनी बेटी को वापस लाया हूं। मेरी बेटी कोई सामान नहीं है कि उसे कहीं भी छोड़ दिया जाए। उसका सम्मान सबसे पहले और सबसे ऊपर है। प्रणिता वशिष्ठ मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह वर्तमान में तेजगढ़ी चौराहे पर स्थित प्रणव वशिष्ठ जुडिशल अकादमी में फाइनेंस डायरेक्टर के पद पर काम कर रही हैं। वे अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं। वर्ष 2022 में उनके भाई, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता प्रणव वशिष्ठ का चंडीगढ़ में एक दुर्घटना में सिर में गंभीर चोट लगने से निधन हो गया था।

भाई की याद में ही इस जुडिशल अकादमी की स्थापना की गई। यह अकादमी शहर के जरूरतमंद लोगों को शिक्षा और न्याय के क्षेत्र में मदद पहुंचाने का केंद्र बनी हुई है।

यमुना नदी में लगा दी दिव्यांग लड़की ने छलांग, युवक की बहादुरी से बची जान

आगरा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा में यमुना नदी में आज एक युवती ने छलांग लगा दी। गनीमत रही कि लोगों का शोर मचता देख एक युवक ने साहस का परिचय दिखाते हुए उसे बचा लिया। युवक के इस बहादुरी की अब काफी तारीफ हो रही है। लड़की के बारे में पता चला है कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से उसे परिवार को सौंप को दिया है और अब उसके इस कदम के पीछे की वजह तलाशी जा रही है। मामला आगरा के वाजिदपुर यमुना पुल के पास का है।यहां 18 साल की युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में यमुना नदी से छलांग लगा दी।

युवती को डूबता देख आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाने लगे। शोर सुन मजदूर सुखवीर ने बिना देर किए साहस का परिचय देते हुए यमुना में छलांग लगा दी। सुखवीर युवती को सकुशल बचा भी लिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि युवती की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। पुलिस ने युवती को समझा-बुझाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में दिखे 3 संदिग्ध, हाथ में है एक भारी बैग, सेना ने चलाया सर्च ऑपरेशन

जम्मू, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के सांबा जिले के एक गांव में तीन संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की सूचना मिली है। इसके बाद सुरक्षा बलों ने रविवार को तलाश अभियान शुरू किया। दरुई क्षेत्र के बेध खड्ड के एक निवासी ने सूचना दी कि उसने सूख चुके नाले के किनारे तीन अज्ञात व्यक्तियों को देखा, जिनमें से एक के पास भारी बैग था।

अधिकारियों के अनुसार, उनके पास कोई हथियार तो नहीं दिख रहे थे लेकिन फिर भी उन्हें संदिग्ध आतंकवादी मानते हुए स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने सेना और अर्द्धसैनिक बलों की सहायता से तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अब तक संदिग्धों से आमना-सामना नहीं हुआ है।

केसी वेणुगोपाल ने हरियाणा के एक शख्स के खिलाफ किया मानहानि का केस

गुरूग्राम, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता के।सी। वेणुगोपाल ने हरियाणा के एक शख्स के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने अलप्पुझा की एक अदालत में मानहानि की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आगामी केरल विधानसभा चुनाव से पहले उनके खिलाफ आधारहीन और राजनीति से प्रेरित बयान दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस ने रविवार (5 अप्रैल) को एक बयान जारी करते हुए बताया कि हरियाणा के रहने वाले गौरव कुमार के खिलाफ अलप्पुझा स्थित न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट न्यायालय में मामला दर्ज किया गया है।

वेणुगोपाल का आरोप है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार, झूठे और राजनीतिक उद्देश्य

से प्रेरित हैं। अलप्पुझा से सांसद वेणुगोपाल ने अपनी शिकायत में कहा कि ये आरोप आगामी केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लगाए गए हैं, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने इसे उनकी साख को गिराने की साजिश बताया।

उन्होंने कहा कि ये आरोप स्पष्ट रूप से चुनावी मंशा से लगाए गए हैं और जिसका मकसद उनकी प्रतिष्ठा और छवि को धूमिल करना है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव ने यह भी कहा कि ये दावे 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित हैं लेकिन इन्हें 2026 में सामने लाया गया है। ऐसे में आरोपों के समय और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि आरोपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इन दावों को सार्वजनिक किया और फिर मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए इन्हें व्यापक रूप से फैलाया।

पुलिस में की थी शिकायत

बयान के मुताबिक इस मामले को लेकर 23 फरवरी 2026 को राज्य के पुलिस प्रमुख को भी शिकायत दी जा चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद आरोपों का प्रसार जारी रहा। कांग्रेस नेता का कहना है कि यह पूरा मामला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जिसका मकसद 9 अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनावों को प्रभावित करना और यूडीएफ को सत्ता में आने से रोकना है।

आरोपी ने कानूनी नोटिस का जवाब नहीं दिया

वेणुगोपाल ने अपनी शिकायत में कहा कि इन आरोपों के जरिए उनके वर्षों के सार्वजनिक जीवन और मेहनत से अर्जित विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। शिकायत में कहा गया कि आरोपी ने कानूनी नोटिस का जवाब नहीं दिया और आरोप वापस नहीं लिए जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'निर्विरोध का आग्रह हमारे ऊपर थोपा नहीं जा सकता'

बारामती उपचुनाव को लेकर बोले संजय राउत

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की बारामती विधानसभा सीट पर उपचुनाव की सरगर्मियां तेज हैं। ऐसे में पूर्व उपमुख्यमंत्री की अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार सोमवार (6 अप्रैल) को नामांकन दाखिल करेंगी। ऐसे में उनको निर्विरोध जीत दिलाने के लिए काफी मेहनत की जा रही है। इसके लिए सभी दलों से उनके द्वारा समर्थन मांगा जा रहा है। खबर सामने आई थी कि निर्विरोध जीत दर्ज करने के लिए उन्होंने उद्धव ठाकरे से फोन पर बात की है।

इस बीच उद्धव गुट के नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि बारामती उपचुनाव पर महाविकास अघाड़ी में हम तीन पार्टियां उस पर चर्चा करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि वहां क्या निर्णय लेना वह आप को पता चल जाएगा। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी द्वारा निर्विरोध का आग्रह हमारे ऊपर थोपा नहीं जा सकता है। यह जनता के साथ अन्याय होगा।

उन्होंने आगे कहा कि हम निर्णय करेंगे, महाविकास अघाड़ी निर्णय करेगा क्या करना है क्या नहीं करना है। उन्होंने कहा कि हमारे अंदर इतनी सूझबूझ है कि पूरा ज्ञान आपके पास है, हमारे पास कुछ नहीं ऐसा बिल्कुल भी नहीं है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि अजीत पवार महाराष्ट्र के एक सम्मानित नेता थे, और जिस तरह से उनका भयानक निधन हुआ है, उससे महाराष्ट्र आज भी सदमे में है। बता दें कि अजित पवार के निधन के बाद बारामती उपचुनाव को लेकर तैयारियां तेज हैं।

बंगाल चुनाव से पहले बड़ी कार्रवाई

टॉलीगंज में कार से 38 लाख रुपये की बरामदगी, ईसी के निर्देश पर बढ़ी सख्ती

कोलकाता, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले निगरानी एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं।

इसी कड़ी में कोलकाता के नेताजीनगर पुलिस स्टेशन इलाके में स्टैटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 38 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। यह बरामदगी एनएससी बोस रोड पर नाका चेकिंग के दौरान हुई, जो टॉलीगंज विधानसभा इलाके में आता है।

यह कार्रवाई चुनावी आचार संहिता के मद्देनजर चल रही नियमित निगरानी के दौरान की गई। संदिग्ध गतिविधि के आधार पर वाहन को रोका गया और तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई। फिलहाल पुलिस और प्रशासन द्वारा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है और मामले की जानकारी आयकर विभाग को भी दे दी गई है। पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान इस तरह की बरामदगी को बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बिना वैध दस्तावेज के बड़ी मात्रा में नकदी ले जाना आचार संहिता का उल्लंघन माना जा सकता है। इसी वजह से चुनाव आयोग के निर्देश पर पूरे राज्य में एसएसटी और फ्लाइंग स्क्वॉड की तैनाती बढ़ा दी गई है, जो लगातार वाहनों की जांच कर रहे हैं।

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बरामद नकदी का स्रोत क्या है और इसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाना था। चुनावी माहौल को देखते हुए जांच एजेंसियां इस पहलू पर विशेष ध्यान दे रही हैं कि कहीं यह पैसा चुनावी गतिविधियों जैसे वोट प्रभावित करने या अवैध खर्च से तो जुड़ा नहीं है। टॉलीगंज विधानसभा क्षेत्र कोलकाता की महत्वपूर्ण सीटों में से एक है, जहां हर चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है। ऐसे में इस तरह की बरामदगी राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर सकती है और विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बना सकता है। पश्चिम बंगाल में चुनाव हमेशा से हाई-वोल्टेज और संवेदनशील रहे हैं। नकदी बरामदगी की ऐसी घटनाएं न सिर्फ प्रशासनिक सख्ती को दर्शाती हैं, बल्कि यह भी संकेत देती हैं कि चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए एजेंसियां किसी भी स्तर पर कार्रवाई करने को तैयार हैं।

टॉलीगंज में हुई यह बरामदगी सिर्फ एक आपराधिक या प्रशासनिक मामला नहीं, बल्कि चुनावी पारदर्शिता से जुड़ा बड़ा संकेत है। आने वाले दिनों में जांच के नतीजे यह तय करेंगे कि यह मामला सामान्य वित्तीय उल्लंघन था या इसके पीछे कोई बड़ा चुनावी कनेक्शन छुपा है।

सुरेंद्र फौजी गैंग का बदमाश राकेश बंजारा पिस्टल के साथ दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस के उत्तर-पश्चिम जिला की स्पेशल स्टाफ टीम ने कुख्यात सुरेंद्र फौजी गैंग के सक्रिय सदस्य और हिस्ट्रीशीटर राकेश बंजारा को अवैध अत्याधुनिक पिस्टल व तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित 25 से अधिक आपराधिक मामलों में संलिप्त पाया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपित हरियाणा के कुख्यात अपराधी गिरोह से जुड़ा है और लंबे समय से विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। उत्तरी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि तीन अप्रैल को गुप्त सूचना मिली थी कि राकेश बंजारा अपने रिश्तेदारों से मिलने हैदरपुर गांव आएगा और उसके पास अवैध हथियार भी है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ प्रभारी निरीक्षक सोमवीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने हैदरपुर स्थित द वेंचर होटल के पास जाल बिछाया। देर रात करीब 3:15 बजे एक स्विफ्ट कार को आते देखा गया,

ममता बनर्जी की सुरक्षा में चूक

मुख्यमंत्री के सिर के ऊपर मंडराया रहस्यमयी ड्रोन

मालदा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक है। मालदा में चुनावी हवा गर्म है। पिछले दिनों सात जजों को बंधक बनाने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि पुलिस प्रशासन एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है।

मालदा में चुनाव प्रचार करने पहुंची ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के ठीक सामने अचानक एक ड्रोन उड़ गया। यह देखकर ममता रुक गईं। वह हेलीकॉप्टर की सीढ़ियों पर चढ़ गईं और हाथ में माइक्रोफोन पकड़े हुए बोलीं, "यह कौन कर रहा है?" बताया जाता है कि मालतीपुर में एक बैठक के बाद ममता बनर्जी गजोल की ओर जा रही थीं। वह हेलीकॉप्टर में सवार होने ही वाली थीं कि अचानक उनके सिर के ऊपर से एक ड्रोन उड़ गया।

कुछ दिन पहले मालदा के कालियाच में हुए विरोध प्रदर्शन के कारण सात जजों को करीब 8-9 घंटे हिरासत में रखा गया था। उस घटना के बाद ममता बनर्जी आज, मालदा के दौरे पर गईं। वहीं यह घटना घटी। हेलीकॉप्टर के सामने ड्रोन आते देख ममता बनर्जी बेहद गुस्से में आ गईं। उन्होंने कहा- यह कौन कर रहा है? पुलिस को इस पर नजर रखनी चाहिए।

जिन्होंने भी यह किया है, उनकी पहचान होनी चाहिए। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ड्रोन कहां से आया था। एक सूत्र का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी की सभा की तस्वीरें लेने के लिए ड्रोन उड़ा रही थी। हालांकि, जिले में तृणमूल के कोई भी नेता इस मुद्दे पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं हैं।

इस घटना के बाद तृणमूल प्रवक्ता जयप्रकाश मजूमदार ने कहा-क्या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है? क्या यह बंगाल पर पूरी तरह कब्जा करने के लिए किया जा रहा है? कुछ ऐसा किया जा रहा है जिससे नेता की जान को खतरा हो सकता है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के विमान के साथ 26 मार्च और 1 अप्रैल को लगातार दो दुर्घटनाएं हुईं थीं।

बेंगलुरु-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट में बम की अफवाह से अफरा-तफरी, कराया गया खाली

बेंगलुरु, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार शाम को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ़्लाइट में बम होने की खबर मिली। इसके बाद फ्लाइट को तुरंत खाली करा लिया गया। यह घटना शाम करीब 7:00 बजे हुई, जब फ्लाइट का स्टाफ उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, एक यात्री ने केबिन क्रू को तब अलर्ट किया, जब उसे फ्लाइट के वॉशरूम में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर लिखा था कि फ्लाइट में कोई विस्फोटक चीज रखी है। ये जानकारी सामने आते ही फ्लाइट में हड़कंप मच गया। आपातकालीन स्थितियों के लिए तय नियमों का पालन करते हुए, फ्लाइट के कैप्टन ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सभी यात्रियों को फ्लाइट से उतार दिया गया और फ्लाइट की अच्छी तरह से तलाशी ली गई। गहन तलाशी के बाद, सुरक्षा एजेंसियों ने इस खबर को एक अफवाह बताया। लंबी जांच के बाद फ्लाइट में कोई भी संदिग्ध चीज या विस्फोटक नहीं मिला।

आप के लिए राघव चड्ढा का नया वीडियो

'यह छोटा सा ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है'; बोले- पंजाब मेरा घर है

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा उपनेता पद से हटाए जाने के बाद राघव चड्ढा और पार्टी के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आरोपों के जवाब राघव चड्ढा सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर दे रहे हैं। रविवार को एक बार फिर राघव चड्ढा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह पंजाब के मुद्दों को सदन में उठाते हुए नजर आ रहे हैं।

राघव चड्ढा ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा है कि, "आम आदमी पार्टी (आप) के मेरे उन साथियों के लिए, जिन्हें यह कहते हुए वीडियो जारी करने पर मजबूर होना पड़ा कि 'राघव चड्ढा संसद में पंजाब के मुद्दों को उठाने में विफल रहे', यह एक छोटा सा ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है। पंजाब मेरे लिए सिर्फ चर्चा का विषय नहीं है।

यह मेरा घर है, मेरा कर्तव्य है, मेरी मिट्टी है, मेरी आत्मा है।" राघव चड्ढा ने शनिवार को अपनी पार्टी की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें झूठा और सुनियोजित अभियान का हिस्सा बताया। आप सांसद ने कहा कि वह संसद में आम आदमी से जुड़े मुद्दे उठाने जाता हूं, हंगामा करने और माइक तोड़ने नहीं। एक वीडियो संदेश में चड्ढा ने कहा, मैंने कभी विपक्ष के वॉकआउट में हिस्सा लेने से इन्कार नहीं किया और इस तरह के आरोप सफेद झूठ हैं। मैं आलोचकों को चुनौती देता हूं कि वे एक भी ऐसा उदाहरण बताएं जब मैंने विपक्ष के वॉकआउट में भाग नहीं लिया हो।

संसद की पूरी कार्यवाही सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं करने के आरोप पर चड्ढा ने कहा, पार्टी के किसी नेता ने मुझसे इस बारे में न तो औपचारिक और न ही अनौपचारिक रूप से संपर्क किया।

मेरा ध्यान संसद में जीएसटी, आयकर, दिल्ली का प्रदूषण, पंजाब का पानी संकट, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल यात्रियों की समस्याएं, मासिक धर्म स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई जैसे जनहित के मुद्दे उठाने पर रहा है। मैं संसद में आम आदमी के मुद्दे उठाने जाता हूं, हंगामा करने और माइक तोड़ने नहीं।

महिला टॉयलेट के अंदर सालभर से चल रहा था कैफे, बिक रहा था सैंडविच और चिकन रोल

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या किसी टॉयलेट के अंदर से फूड बिजनेस चलाया जा सकता है? सुनने में यह अजीब लग सकता है लेकिन ऐसा और कहीं नहीं, बल्कि मुंबई में हुआ है। वही मुंबई, जो देश की आर्थिक राजधानी है और जहां कई लोगों के सपने पूरे होते हैं तो कइयों के ख्वाब अधूरे रह जाते हैं। टॉयलेट के अंदर फूड बिजनेस चलाने का मामला सामने आने के बाद विवाद हो गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि यह फूड बिजनेस महिला टॉयलेट से चल रहा था। मामला मुंबई के ए वार्ड इलाके का है, जहां महिलाओं के लिए बने एक मोबाइल टॉयलेट के अंदर से बर्गर, चिकन रोल और सैंडविच बेचने का एक फूड बिजनेस चलाया जा रहा था। यह घटना फोर्ट स्थित 'फैशन स्ट्रीट' के पास की है, जहां महिलाओं के लिए बनी सुविधाओं, जिन्हें पिंक टॉयलेट के नाम से जाना जाता है, का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया जा रहा था। एक टॉयलेट बस के पिछले हिस्से से एक कैफे चलाया जा रहा था,

चंडीगढ़ बीजेपी ऑफिस ग्रेनेड अटैक मामले में दो गिरफ्तार

एक ने बम फेंका, दूसरे ने वीडियो बनाई; जर्मनी लिंक बेनकाब

चंडीगढ़, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सेक्टर-37 स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय पर 1 अप्रैल को हुए ग्रेनेड हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दोनों मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से एक आरोपित ने हैंड ग्रेनेड फेंका था, जबकि दूसरे ने पूरे हमले का वीडियो बनाया था। जांच में इस साजिश के तार विदेशों, खासकर पुर्तगाल और जर्मनी तक जुड़े पाए गए हैं, जहां से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के हैंडलर इस मॉड्यूल को संचालित कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार मुख्य आरोपितों की पहचान रूपनगर जिले के गांव रत्नगढ़ निवासी अमनप्रीत और गुरतेज के रूप में हुई है।

दोनों को पुलिस ने पहले ही हिरासत में ले लिया था, लेकिन उनकी गिरफ्तारी अब सार्वजनिक की गई है। शुरुआती पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों सीधे तौर पर हमले को अंजाम देने में शामिल थे—एक ने ग्रेनेड फेंका और दूसरे ने इसकी रिकॉर्डिंग कर इसे विदेश बैठे हैंडलरों तक पहुंचाया। इससे पहले शनिवार को पुलिस ने इस मामले में पांच अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें रविवार को मोहाली में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जा रहा है। इनमें नवांशहर के तीन, संगरूर और शिमला के एक-एक आरोपित शामिल हैं। इन सभी ने हमले के लिए हथियार और लॉजिस्टिक सपोर्ट उपलब्ध कराया था।

जांच में सामने आया है कि इस पूरे हमले की साजिश विदेश में बैठे आईएसआई से जुड़े हैंडलरों ने रची थी। खास बात यह है कि इस मॉड्यूल में एक ऐसा युवक भी शामिल था, जो पुर्तगाल से छुट्टियां मनाने के लिए भारत आया हुआ था। नवांशहर के बालाचौर क्षेत्र से जुड़े इस युवक ने स्थानीय नेटवर्क के जरिए विस्फोटक सामग्री की सप्लाई में अहम भूमिका निभाई।

ईर्ष्या की आग में झुलसीं दो सगी बहनें, इलाज के दौरान सीमा की मौत, आरोपी देवरानी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। फरीदाबाद की डबुआ कॉलोनी में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया है। दो सगी बहनों, मीना और सीमा पर पेट्रोल डालकर आग लगाने वाली उनकी अपनी देवरानी पिंकी की साजिश का खुलासा हुआ है। इस हमले में 90 प्रतिशत तक झुलस चुकी सीमा ने रविवार सुबह जयपुर के अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि बड़ी बहन मीना (60% झुलसी) अभी भी जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। पुलिस जांच और परिजनों के आरोपों में एक चौंकाने वाली व्यवहारात्मक क्रूरता सामने आई है।

आरोपी पिंकी पिछले कई दिनों से अपने पति की मोटरसाइकिल से थोड़ा-थोड़ा पेट्रोल चुराकर एक बाल्टी में जमा कर रही थी। वारदात का दिन (3 अप्रैल) : पिंकी एक बैग लेकर अपनी जेठानियों (मीना और सीमा) के घर पहुँची। विश्वासघात : दोनों बहनों ने पिंकी के लिए प्रेमपूर्वक चाय और खाना बनाया, इस बात से अनजान कि वह उनकी जान लेने आई है। हमला : शाम करीब 5 बजे जब दोनों बहनें छत पर बातचीत कर रही थीं, पिंकी ने अचानक उन पर पेट्रोल फेंका और माचिस से आग लगा दी।

रंजिश की वजह : बहनों का आपसी प्रेम बना 'कांटा'पीड़ित परिवार के अनुसार, मीना और सीमा न केवल सगी बहनें थीं, बल्कि उनकी शादी एक ही घर के दो भाइयों (देवेंद्र और देवेश) से हुई थी। ईर्ष्या : दोनों बहनों का आपस में मिलजुल कर रहना सबसे छोटे देवर की पत्नी पिंकी को पसंद नहीं था। पारिवारिक कलह वह अक्सर उनसे झगड़ा करती थी और इसी नकारात्मक रंजिश के चलते उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई और पीड़ितों को अस्पताल पहुँचाया। पहले उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया था।

दोस्ती, शादी का झांसा, ब्लैकमेल

कस्टम डिपार्टमेंट की खामियां जानने के लिए साजिश, बेंगलुरु में शख्स गिरफ्तार

बेंगलुरु, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दोस्ती, शादी का झांसा, ब्लैकमेल की साजिश रचने का एक ऐसा मामला बेंगलुरु में सामने आया है, जिसे जान पुलिस भी हैरान रह गई। बेंगलुरु पुलिस ने एम। कृपलानी नामक एक व्यक्ति को एक महिला सीमा शुल्क (कस्टम) अधिकारी को ब्लैकमेल और कथित मारपीट करने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। आरोपी इलेक्ट्रॉनिक्स का कारोबार करता है और उसके खिलाफ पहले से ही कई शिकायतें दर्ज होने की बात सामने आई है।

पुलिस इस मामले को एक सोची-समझी साजिश के रूप में देखते हुए जांच कर रही है। पुलिस जांच के अनुसार, कृपलानी और महिला अधिकारी की जान-पहचान लगभग नौ वर्षों पुरानी है। इस दौरान आरोपी ने महिला अधिकारी के साथ रिश्ते का नाटक किया और शादी का वादा कर उसका विश्वास जीता। इस भरोसे का फायदा उठाकर उसने कस्टम डिपार्टमेंट के कामकाज, जांच प्रक्रियाओं और उनमें मौजूद खामियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल कीं। पुलिस को आशंका है कि इन जानकारियों का इस्तेमाल कर कृपलानी ने सीमा शुल्क जांच से बचते हुए अवैध व्यापारिक गतिविधियों को अंजाम दिया।

आरोप है कि बाद में कृपलानी ने महिला अधिकारी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसने धमकी दी कि यदि उसकी मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो वह महिला की निजी तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक कर देगा। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, आरोपी ने उसके साथ शारीरिक हिंसा की और यौन उत्पीड़न भी किया। इसके अलावा, उस पर यह भी आरोप लगा है कि उसने महिला अधिकारी का दुरुपयोग कर अन्य सीमा शुल्क अधिकारियों के खिलाफ झूठे केस दर्ज करवाए और उनसे पैसे वसूलने का प्रयास किया। इस मामले में शुरुआती शिकायत येलाहांका पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बाद में जांच को इंदिरा नगर पुलिस स्टेशन ट्रांसफर कर दिया गया, जहां विशेष टीम पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि कृपलानी का आपराधिक इतिहास रहा है।

एक पुराने मामले में उसकी मां ने उसके लापता होने का दावा करते हुए अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। हालांकि, बाद में कृपलानी एक होटल में छिपा हुआ पाया गया था, जिसके बाद अदालत ने उस पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। पुलिस को आशंका है कि कृपलानी की गतिविधियों से कई अन्य सीमा शुल्क अधिकारी भी प्रभावित हो सकते हैं।

ओडिशा सरकार ने एससी, एसटी के लिए कोटा बढ़ाया

ओबीसी के लिए नया आरक्षण लागू

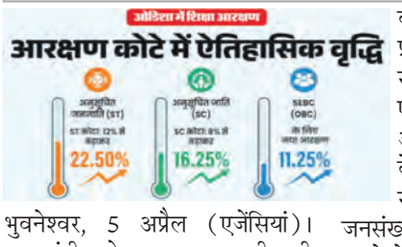

भुवनेश्वर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इसपर फैसला लिया गया। सीएम ने बताया- एसटी छात्रों का आरक्षण 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 22.5 प्रतिशत और एससी का 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 16.25 प्रतिशत किया गया है। जबकि ओबीसी (ओडिशा में एसईबीसी) के लिए 11.25 प्रतिशत आरक्षण पहली बार लागू किया गया है। नयी व्यवस्था विश्वविद्यालयों, संबद्ध कॉलेजों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक तथा इंजीनियरिंग, चिकित्सा, नर्सिंग, फार्मेसी, कृषि, प्रबंधन और अन्य प्रोफेशनल कोर्सेज में लागू होगी। सीएम माझी ने कहा कि राज्य में एसटी आबादी 22 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद उन्हें केवल 12 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा था, जिसे अब उनकी जनसंख्या के अनुपात में बढ़ाया गया है। इससे मेडिकल सीट में एसटी छात्रों की संख्या 290 से बढ़कर 545 और एससी छात्रों की संख्या 193 से बढ़कर 393 हो जाएगी। इंजीनियरिंग की सीट में भी एसटी, एससी और एसईबीसी के लिए सीट बढ़ाई गई है। मंत्रिमंडल की बैठक में एक और अहम फैसले लिए गए, जिसके बारे में मुख्यमंत्री ने कहा- ओडिशा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक नयी मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना शुरू करेगा, जिसके तहत लाभार्थियों को हर महीने पांच किलोग्राम अतिरिक्त चावल मुफ्त में प्रदान किया जाएगा।

बापको तेल रिफाइनरी में मिसाइल हमले के बाद लगी भीषण आग

बहरीन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-इजराइल-अमेरिका जंग की आग अब बहरीन तक पहुंच गई है। बहरीन की सरकारी तेल कंपनी बापको की मुख्य रिफाइनरी को मिसाइलों और विस्फोटक ड्रोनों से निशाना बनाया गया है। इस हमले के बाद रिफाइनरी परिसर में भीषण आग लग गई है। मिसाइल हमले के बीच बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा है कि सायरन सक्रिय कर दिए गए हैं और निवासियों से आग्रह है कि वे निकटतम सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। मंत्रालय ने कहा है कि सिविल डिफेंस की टीमों ने ईरानी हमले के कारण एक केंद्र में लगी आग को बुझा दिया है। हालांकि मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि आग बापको रिफाइनरी में लगी है।

जंग के बीच पश्चिमी एशिया के कई देश खतरे की जद में हैं। ईरान ने सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और ओमान पर भी हमले किए हैं। संयुक्त अरब अमीरात की नेशनल इमरजेंसी क्राइसिस एंड डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने कहा है कि देश का एयर डिफेंस सिस्टम अब भी मिसाइल के खतरे से निपट रहा है। यूएई ने खतरों को देखते हुए नागरिकों के सलाह दी है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहे हैं और सरकार की दिशानिर्देशों का ख्याल रखें।

'ये पागल शख्स पश्चिम एशिया में लगा देगा आग'

पूर्व आईएईए प्रमुख ने ट्रंप को सुनाया; खाड़ी देशों से की ये अपील

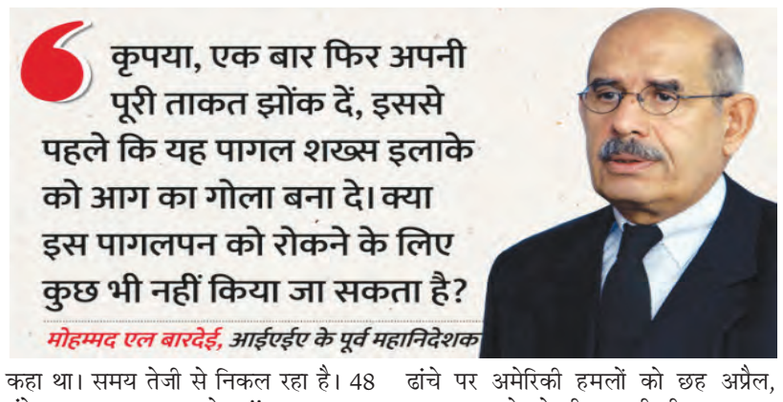

वियना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।

ट्रंप ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को शांति समझौता करने के लिए एक बार फिर से अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने कहा, "याद कीजिए, जब मैंने ईरान को शांति समझौता करने के लिए 10 दिन का वक्त दिया था या होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने को कहा था। समय तेजी से निकल रहा है। 48 घंटे बाद उन पर कहर टूटेगा।"

मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

10 दिन के लिए हमले रोकने का किया था एलान

बीते महीने 26 मार्च से डोनाल्ड ट्रंप ने नाटकीय अंदाज में ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमलों को छह अप्रैल, 2026 तक रोकने की बात की थी।

उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति ने तर्क दिया था कि यह फैसला ईरानी सरकार के अनुरोध पर किया गया था। उन्होंने यह भी कहा था कि मामले को हल करने के लिए कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति के इस एलान के बावजूद ईरान पर इस्राइली हमले जारी रहे। इसकी वजह से ईरान ने अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत से इनकार कर दिया। ईरान ने अमेरिका पर युद्धविराम और बातचीत की आड़ में तेहरान को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

अमेरिका ने एफ-15 ई विमान के दूसरे पायलट को ढूंढ निकाला

भीषण गोलीबारी के बीच ईरान से किया रेस्क्यू

वाशिंगटन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने एक ग्राउंड ऑपरेशन में अपने दूसरे पायलट को ढूंढ निकाला। ईरान में सैन्य कार्रवाई के दौरान अमेरिका के एफ-15 ई विमान को ईरान ने मार गिराया था। इस दौरान विमान के दोनों पायलट इजेक्ट करने में सफल रहे थे। एक पायलट को तत्काल अमेरिकी सेना ने रेस्क्यू कर लिया था लेकिन दूसरे पायलट की तलाश जारी थी। वहीं ईरान की सेना भी लापता अमेरिका पायलट की तलाश कर रही थी और इनाम भी रखा था। इस बीच अलजजीरा की खबर के मुताबिक अमेरिका की सेना ने अपने एफ-15 ई लड़ाकू विमान के दूसरे पायलट को भी रेस्क्यू कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक भीषण गोलीबारी के बीच दूसरे पायलट को रेस्क्यू किया गया। वहीं अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस खबर पुष्टि कर दी है। उन्होंने यह जानकारी दी है कि लापता पायलट को रेस्क्यू कर लिया गया है। दरअसल, शुक्रवार को ईरान ने अमेरिकी एफ-15ई विमान को निशाना बनाकर हमला किया था। इस हमले में अमेरिका का यह लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों ने हालात की गंभीरता को समझते हुए विमान से इजेक्ट किया।

एक पायलट तो सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया और उसे अमेरिकी सैनिकों ने रेस्क्यू कर लिया था जबकि दूसरा पायलट ईरान की सीमा में जा गिरा था। इसके बाद अमेरिका सैनिकों ने दूसरे पायलट को सुरक्षित निकालने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। उधर ईरान की सेना भी अमेरिकी पायलट की तलाश कर रही थी। आखिरकार ईरानी सेना के साथ भारी गोलीबारी के बीच अमेरिकी सेना अपने पायलट को सुरक्षित बचाने में सफल रही।

ढाका के पास गैस लाइटर फैक्ट्री में आग

5 की मौत; आग लगने की वजह साफ नहीं

ढाका, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास स्थित केरानिगंज के कदमतली इलाके में शनिवार दोपहर गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मुताबिक, आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 7 यूनिट तैनात की गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

शाम तक राहत और बचाव दल ने मलबे से 5 शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

कौन हैं रिनी संपथ, जो बन सकती हैं वाशिंगटन डीसी की मेयर

जीत के लिए बनाया सुपरप्लान

वाशिंगटन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में मेयर का चुनाव हो रहा है। ये चुनाव भारत के लिहाज से खास है, क्योंकि इस बार के चुनाव में भारतीय मूल की महिला रिनी संपत महिला चुनाव लड़ रही हैं। रिना का जन्म तमिलनाडु में हुआ है। सबसे खास बात ये है कि रिनी प्राइमरी चुनाव के बैलेट पेपर पर जगह बनाने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। भारतीय महिला रिनी डेमोक्रेटिक पार्टी से चुनाव लड़ रही हैं। इनकी उम्र 31 साल है और ये सरकारी कॉन्ट्रैक्टर हैं।

रिनी ने अपनी चुनावी अभियान के लिए बुनियादी चीजों को आधार बनाया है। उन्होंने चुनावी थीम 'बुनियादी चीजों को ठीक करो' (वहाँ) बनाया है। रिनी ने इसे अपना वादा बताया है। रिनी संपत ने अपनी चुनावी वेबसाइट किए गए पोस्ट में कहा कि मैं कोई राजनेता नहीं हूं। मैं किसी खास हित समूह की ऋणी नहीं हूं। अब समय आ गया है कि कोई बाहरी शख्स आए, जो हमारे शहर की बुनियादी सेवाओं को ठीक करने पर पूरी तरह से जोर लगाए। उसका काम इसपर केंद्रित हो। रिनी सात साल की उम्र में अमेरिका आ गई थीं। उन्हें वाशिंगटन डीसी में रहते हुए एक दशक से भी ज्यादा समय हो गया है। उन्होंने कहा कि ये साफ है कि हमारे पास जीत का रास्ता साफ है। रिनी ने कहा कि सिर्फ चार हफ्ते में हम डीसी के इतिहास में मेयर पद के चुनाव के बैलेट पेपर पर जगह बनाने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हूं। लोगों की ताकत का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि लोगों की ताकत से चलने वाला अभियान इसे जरूर हासिल कर सकता है। जरा सोचिए कि अगर हमारे पास शहर के हर वोटर तक पहुंचने के लिए संसाधन होते, तो हम क्या कर सकते थे? वाशिंगटन डीसी में डेमोक्रेट्स का दबदबा जबरदस्त है।

1975 में इस पद के लिए चुनाव शुरू होने के बाद से शहर में कभी कोई रिपब्लिकन मेयर नहीं बना है। उससे पहले शहर का प्रशासन अमेरिका के राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त कमिश्नरों के एक बोर्ड की ओर से चलाया जाता था। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया का प्रशासन, लोगों से चुने गए एक मेयर और 13 सदस्यों वाली डिस्ट्रिक्ट काउंसिल द्वारा चलाया जाता है।

चांद के करीब पहुंचा आर्टेमिस आईआई, अपोलो 13 का तोड़ेगा रिकॉर्ड; एस्ट्रोनॉट को हुई बड़ी दिक्कत

ह्यूस्टन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। चांद की ओर बढ़ रहा आर्टेमिस आईआई मिशन अब इतिहास रचने के करीब पहुंच गया है। यह मिशन 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद के पास ले जा रहा है और इससे उम्मीदें काफी बड़ी हैं। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे। वे चांद के उस हिस्से की तस्वीरें लेंगे, जिसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता। यह मिशन नासा के पुराने अपोलो प्रोग्राम के बाद अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने बताया कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे हैं, पृथ्वी छोटी दिख रही है और चांद बड़ा होता जा रहा है।

यह अनुभव उनके लिए बेहद खास है। हालांकि मिशन के दौरान एक छोटी परेशानी भी सामने आई है। अंतरिक्ष यान ओरियन का टॉयलेट ठीक से काम नहीं कर रहा है। लॉन्च के बाद से इसमें बार-बार दिक्कत आ रही है। इंजीनियरों को शक है कि पाइप में बर्फ जमने से समस्या हो रही है। फिलहाल अंतरिक्ष यात्रियों को बैकअप तरीके इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं। नासा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट सिस्टम संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन टीम इस स्थिति को अच्छे से संभाल रही है। यह मिशन एक नया रिकॉर्ड भी बनाने जा रहा है। आर्टेमिस आईआई करीब 4 लाख किलोमीटर दूर तक जाएगा, जो अब तक इंसानों द्वारा तय की गई सबसे ज्यादा दूरी होगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था। इस मिशन की एक खास बात यह भी है कि इसमें कनाडा के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं,

कुवैत के मंत्रालय की बिल्डिंग पर ईरान का बड़ा हमला

बिजली और पानी संयंत्र तबाह

कुवैत, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान ने रविवार को कुवैत के कई इमारतों को निशाना बनाया। कुवैत के वित्त मंत्रालय ने कहा कि तेल क्षेत्र में मौजूद मंत्रालय के एक कॉम्प्लेक्स पर हमले किए गए है। यह हमला ईरानी आक्रामकता को दिखाता है। उन्होंने ड्रोन से हमले किए। जिसके कारण काफी नुकसान हुआ है। हमले का एक वीडियो भी साझा किया गया है, इसमें शुवैख तेल क्षेत्र में मौजूद कॉम्प्लेक्स का एक हिस्सा जलता हुआ दिखाई दे रहा है। कॉम्प्लेक्स से आग की लपटें उठती हुई दिखाई दे रही हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि हमले में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आपातकालीन टीमों और संबंधित अधिकारियों ने इस घटना को लेकर प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक बयान जारी किया है। वहीं, कुवैत की सेना ने बताया कि उसके हवाई रक्षा सिस्टम आने वाली मिसाइलों और ड्रोन को सक्रिय रूप से रोक रहे हैं, जबकि ईरान, अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में, खाड़ी क्षेत्र में अपना हमला जारी रखे हुए है। कुवैत की सेना ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कुवैत के हवाई रक्षा सिस्टम इस समय दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन से मिल रहे खतरों का जवाब दे रहे हैं। इसके साथ ही यह भी बताया कि अगर कोई धमाका सुनाई देता है, तो वह हवाई रक्षा सिस्टम द्वारा मिसाइलों को रोकने का ही नतीजा है।

आग से 150 बीघा में लगी फसल जलकर राख

बांका, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। नवादा खरौनी पंचायत के गोसाईचक, दुर्गापुर, नवादा बाजार और बाबरचक गांव में भीषण अगलगी की घटना में करीब 150 बीघा में लगी गेहूं, गन्ना और पुआल जलकर राख हो गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि चार गांवों के किसानों में अफरा-तफरी मच गई। किसानों ने हाई वोल्टेज 11 हजार बिजली तार से निकली चिंगारी को आग लगने का कारण बताया है। जानकारी के अनुसार दोपहर के समय गोसाईचक गांव के एक खेत में अचानक आग लग गई।

उस समय तेज पछुआ हवा और कड़ी धूप के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा के चलते आग एक खेत से दूसरे खेत की ओर तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही देर में गोसाईचक से दुर्गापुर, बाबरचक और नवादा बाजार गांव के खेतों तक पहुंच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। किसान अपनी फसल बचाने के लिए खेतों की ओर दौड़ पड़े, लेकिन पर्याप्त संसाधन नहीं होने के कारण आग पर तुरंत काबू पाना मुश्किल हो गया। कई किसान अपनी आंखों के सामने साल भर की मेहनत जलते देख भावुक हो उठे और खेतों में चीख-पुकार मच गई।

पाकिस्तान में त्राहिमामः पेट्रोल-डीजल महंगा

ट्रांसपोर्ट और माल भाड़ा 65% तक बढ़ा आवाम पर महंगाई की दोहरी मार

इस्लामाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई ने अब आम जनता की कमर तोड़ दी है। हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद देशभर में यात्री और माल ढुलाई (फ्रेट) किराए में 20 से 65 प्रतिशत तक की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने के भीतर ईंधन और ट्रांसपोर्ट किराए में दो बार बदलाव किए गए, जिससे हालात और भी गंभीर हो गए हैं।

ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों ने न सिर्फ परिवहन व्यवसायियों को प्रभावित किया है, बल्कि आम यात्रियों के लिए सफर करना भी मुश्किल बना दिया है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट ओनर्स एसोसिएशन खैबर पख्तूनख्वा के प्रांतीय अध्यक्ष खान जमान अफरीदी ने कहा कि ईंधन कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि ने हालात को असहनीय बना दिया है। उन्होंने बताया कि मार्च की शुरुआत में किराए में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन अप्रैल 2026 में पेट्रोल में 137.24 प्रति लीटर और डीजल में 184.49 प्रति लीटर की वृद्धि ने स्थिति और बिगाड़ दी है।

पेशावर में हुई संयुक्त बैठक के बाद ट्रांसपोर्ट संगठनों ने अंतर-जिला और अंतर-प्रांतीय रूट्स के लिए किराए में 25 प्रतिशत की अतिरिक्त बढ़ोतरी को मंजूरी दी। वहीं, पंजाब में यात्री किराए में पहले ही 65 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। सिर्फ यात्री ही नहीं, बल्कि माल ढुलाई क्षेत्र भी इस संकट से अछूता नहीं है।

पाकिस्तान गुड्स ट्रांसपोर्टर्स ओनर्स एसोसिएशन ने फ्रेट चार्ज में 65 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का एलान किया है, जिससे बाजार में सामान की कीमतें और बढ़ने की आशंका है। ट्रांसपोर्टरों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि ये फैसले बिना किसी परामर्श के अचानक लागू किए गए, जिससे अक्सर ऑपरेटर्स और जनता के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है।

इस फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। अवामी नेशनल पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष ऐमल वली खान ने इसे शर्मनाक और जनविरोधी कदम बताया है। उनका कहना है कि मौजूदा कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के बजाय टैक्स और सरकारी नीतियों का परिणाम हैं। उधर, सरहद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीआईसी) ने भी इस पर गहरी चिंता जताई है।

संस्था का कहना है कि पेट्रोल की कीमत 458.40 और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 520.35 प्रति लीटर तक पहुंचने से औद्योगिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ेगा और महंगाई और बढ़ेगी। मजदूर संगठनों ने भी इस संकट के सामाजिक प्रभावों को लेकर चेतावनी दी है। ऑल पाकिस्तान वण्डा हाइड्रो इलेक्ट्रिक वर्कर्स यूनियन के अनुसार, बढ़ती महंगाई के कारण गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल होता जा रहा है।

सीमांचल में फर्जी आधार कार्ड का बड़ा नेक्सस यूपी-बंगाल से मिल रहा एक्सेस

किशनगंज, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। फर्जी आधार कार्ड बनाने का खेल यूपी व बंगाल से मिले एक्सेस व क्लोन की मदद से सीमांचल के इलाकों में चल रहा है। इस माध्यम से सीमांचल के ग्रामीण इलाकों में फैले नेटवर्क द्वारा लोगों का फर्जी तरीके से आधार कार्ड बना दिया जाता है। जिस आधार कार्ड का उपयोग लोग बैंक खाता खोलने से लेकर सभी सरकारी कामों में कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार बंगाल, नेपाल व बांग्लादेश से सटे किशनगंज जिले के ग्रामीण इलाकों में किराना दुकान, साइबर कैफे, फोटो स्टेट की दुकान व अन्य जगहों पर फर्जी तरीके से सही आधार कार्ड बनाया जाता है। जिसका खुलासा लगातार पुलिस कर चुकी है।

पुलिस के अनुसंधान में यह सामने आया कि ऐसे लोग उत्तर प्रदेश (यूपी), पश्चिम बंगाल में सरकार द्वारा अधिकृत आधार कार्ड सेंटर से सेटिंग करते हैं। इन सेंटर के संचालक द्वारा आधार कार्ड बनाने के लिए खुलने वाले लॉगिन का एक्सेस व पासवर्ड दे दिया जाता है। कई बार फिंगर प्रिंट का क्लोन बनाकर दे दिया जाता है। जिस आधार पर सीमांचल में बैठे गिरोह के सदस्य उसी क्लोन व लॉगिन का इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनाते हैं। कई बार एनी डेस्क के माध्यम से भी दूसरे सेंटर द्वारा आधार कार्ड बनाया जाता है।

पाक रक्षा मंत्री ने अब कोलकाता पर हमले की दी गीदडभभकी

भारत पर बिना सबूत लगा दिया आरोप

इस्लामाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अपनी बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर से भारत को गीदड़भभकी दी है। आसिफ की नई धमकियों में अब कोलकाता निशाने पर है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि भविष्य में अगर भारत के संघर्ष हुआ तो पाकिस्तान 200-250 किमी से आगे, भारत में घुसकर हमला करेगा। दो दिनों में इस तरह की धमकियों भरा यह उनका दूसरा बयान है। पाकिस्तान खुद मुश्किल हालातों में है, लेकिन उसका बड़बोलापन जारी है।

सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए आसिफ ने कहा,'वे किसी तरह का फॉल्स-फ्लैग ऑपरेशन प्लान कर रहे हैं, या तो अपने ही लोगों के जरिए या अपनी हिरासत में मौजूद पाकिस्तानियों के जरिए, कहीं लाशें रखकर यह दावा करेंगे कि वे आतंकी थे जिन्होंने कुछ घटनाएं अंजाम दीं... अगर वे इस बार ऐसा नाटक करने की कोशिश करते हैं, तो इंशाअल्लाह हम (लड़ाई) को कोलकाता तक ले जाएंगे।' हालांकि, पहले की तरह इस बार भी ये धमकियां बड़े-बड़े दावों के साथ आई हैं और वह भी बिना किसी ठोस सबूत के। भारत ने आज तक किसी भी लाश को लखकर पाकिस्तान के ऊपर किसी भी आतंकवादी हमले का आरोप नहीं लगाया है। मुंबई अटैक हो या बालाकोट या कारगिल हर बार भारत ने सबूत पेश किए हैं। यहां तक कि भारत ने लगभग हर बार पाकिस्तान को डोजियर भी सौंपा है। लेकिन पाकिस्तान अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश हर बार करता है।

आसिफ का यह बयान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चेतावनी के तुरंत बाद आया है। उन्होंने कहा था कि सीमा पर किसी भी दुस्साहस का भारत की ओर से कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। सिंह ने अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया का जिक्र किया, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। राजनाथ सिंह ने केरल में बोलते हुए कहा था, "मैं आपको बताना चाहता हूं कि ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ऐसी गंदी हरकतें दोहराता है, तो हमारी सशस्त्र सेनाएं ऐसा जवाब देंगी जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे।" अब पाकिस्तान द्वारा भारत को दी जाने वाली लंबी चेतावनियों में अब कोलकाता भी शामिल हो गया है। इससे पहले भारत में पाकिस्तानी उच्चायुक्त रह चुके अब्दुल बासित ने दिल्ली और मुंबई को निशाना बनाने की बात कही थी। उन्होंने ईरान युद्ध के परिप्रेक्ष्य में कहा था कि अगर अमेरिका पाकिस्तान के न्यूक्लियर साइट पर हमला करेगा, तो पाकिस्तान दिल्ली और मुंबई पर हमला करेगा। हम इसे छोड़ेंगे नहीं, बाद में जो होगा देखा जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति की संभावना कम है और दोनों देश ऐसा नहीं चाहते।

मई 2025 में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की याद अभी भी पाकिस्तान के लोगों के बीच ताजा है। तनाव की शुरुआत 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम अटैक से हुई, जिसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिनों तक सैन्य टकराव चला। 6-7 अप्रैल की रात से 10 अप्रैल तक भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी ड्रोन और मिसाइलों से प्रतिक्रिया दी, जिससे संघर्ष का दायरा बढ़ गया।

जंग के बीच पैसा बनाने में जुटे ट्रंप के बेटे

खाड़ी देशों पर डाल रहे हथियार खरीदने का दबाव

वाशिंगटन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल-ईरान युद्ध के बीच तनावपूर्ण माहौल में एक नया विवाद सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनल्ड ट्रंप जूनियर पर खाड़ी देशों पर मिसाइल और ड्रोन सौदों में दबाव डालने का आरोप लगा है। डोनल्ड ट्रंप जूनियर ने अपनी कंपनी के माध्यम से खाड़ी देशों को इंटरसेप्टर ड्रोन और मिसाइल सिस्टम बेचने की कोशिश की है।

पेंटागन के दस्तावेजों में यह खुलासा हुआ है कि ट्रंप जूनियर की कंपनी पॉलराइड स्थित ऑटोनॉमस ड्रोन कंपनी पावस में प्रमुख निवेशक है। यह कंपनी अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने के लिए ड्रोन और मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति करने में सक्रिय बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप जूनियर व्यक्तिगत रूप से कुछ खाड़ी देशों के अधिकारियों से संपर्क कर इन हथियारों की बिक्री पर जोर दे रहे हैं। पेंटागन ने हाल ही में ड्रोन और मिसाइल डिफेंस के लिए करीब 10,201 करोड़ रुपये का विशेष फंड आवंटित किया है। इस फंड का उद्देश्य अमेरिकी सहयोगी देशों को उन्नत ड्रोन और इंटरसेप्टर सिस्टम उपलब्ध कराना है, ताकि वे ईरान और चीन-रूस गठबंधन से उत्पन्न खतरे का मुकाबला कर सकें।

ट्रंप जूनियर की कंपनी इस फंड से लाभ उठाने की तैयारी में है। सूत्र बताते हैं कि कंपनी ने खाड़ी देशों को ड्रोन सिस्टम बेचकर इस फंड का हिस्सा हासिल करने की रणनीति बनाई है। वर्तमान में इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण खाड़ी देशों में सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। कई देश अब उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम और ड्रोन इंटरसेप्टर की तलाश में हैं। डोनल्ड ट्रंप जूनियर की कंपनी पावस इन देशों को मध्य-पूर्व के सुरक्षा परिदृश्य के मुताबिक कस्टमाइज्ड ड्रोन समाधान पेश कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप परिवार की राजनीतिक स्थिति का फायदा उठाकर कंपनी नए सौदे हासिल करने की कोशिश कर रही है।

बिल्वेश्वर महादेव मंदिर, जहां मंदोदरी को मिला 'लंकापति' का वरदान

मेरठ को रावण का सुसराल कहा जाता है। मेरठ में बिल्वेश्वर महादेव मंदिर है, जहां पर लंकापति रावण की पत्नी मंदोदरी ने कठोर तपस्या कर महादेव से वरदान पाया था। इस मंदिर में एक घंटा लगा है, जिसे बजाने पर 7 अलग-अलग तरह के सुर निकलते हैं। साथ ही इस मंदिर में लोग लगातर 40 दिनों तक दीपक जलाने से चमत्कार की उम्मीद करते हैं। आइए जानते हैं इस बिल्वेश्वर महादेव मंदिर और उसकी कथा।

बिल्वेश्वर मंदिर में मंदोदरी ने की कठोर तपस्या

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के अनुसार, बिल्वेश्वर महादेव मंदिर केवल एक शिव मंदिर नहीं, बल्कि रामायण काल का जीवंत साक्षी है। जनश्रुतियों के अनुसार, यह वही पावन स्थल है, जहां रावण की पत्नी मंदोदरी ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी।

शिव कृपा से वर स्वरूप पाया लंकापति रावण

मंदोदरी ने महादेव से एक ऐसे जीवनसाथी की कामना की थी जो विद्वान भी हो और अत्यंत शक्तिशाली भी। मंदोदरी की भक्ति से प्रसन्न होकर महादेव ने मनोकामना पूरी की और बाद में मंदोदरी का विवाह लंकापति रावण से हुआ। इसी कारण मेरठ को 'रावण का ससुराल' भी कहा जाता है। मंदिर के पीछे पौराणिक कथा भी है, जिसके अनुसार मेरठ या प्राचीन नाम मयराष्ट्र में मय दानवों का राजा मयराष्ट्र रहता था और मंदोदरी उसकी पुत्री थी। मंदोदरी नियमित रूप से बिल्वेश्वर महादेव मंदिर आकर शिव की पूजा करती थीं। यहां उन्होंने अखंड तपस्या की। भगवान शिव ने उनकी भक्ति स्वीकार की और उन्हें वरदान दिया।

कुआं के जल से शिवलिंग का अभिषेक

मंदिर परिसर में आज भी एक प्राचीन कुआं मौजूद है, जिसके जल से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता था। हालांकि, वर्तमान में कुआं बंद रहता है और विशेष अवसरों पर खोला जाता है।

ऐसे पड़ा बिल्वेश्वर महादेव नाम

मंदिर का वर्तमान स्वरूप मराठा काल में बना। मराठा शासन के दौरान इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया। उस समय यहां बिल्व के वृक्षों की भरमार थी, इसलिए इसका नाम बिल्वेश्वर महादेव पड़ा। मंदिर की वास्तुकला में मराठा शैली की झलक दिखती है। बिल्वेश्वर महादेव मंदिर आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र है। यहां स्वयंभू धातु का शिवलिंग स्थापित है।

40 दिनों तक दीपक जलाने से पूरी होती मनोकामनाएं

मान्यता है कि 40 दिनों तक लगातार दीपक जलाने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन के महीने में यहां विशेष जलाभिषेक का आयोजन होता है और दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं।

घंटे से आते हैं सात अलग-अलग सुर

मंदिर परिसर में मुख्य द्वार की बनावट बद्रीनाथ धाम से मिलती-जुलती है। खास बात है कि यहां लगा प्राचीन पीतल का घंटा सात अलग-अलग सुरों में बजता है। मंदिर सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहता है।

कैसे जाएं बिल्वेश्वर महादेव मंदिर?

बिल्वेश्वर महादेव मंदिर मेरठ शहर के कैंट क्षेत्र में सदर थाना के पास स्थित है। मेरठ कैंट रेलवे स्टेशन से मंदिर की दूरी मात्र 1-2 किलोमीटर है।

मंदिर पहुंचने के लिए ऑटो, रिक्शा या पैदल भी आसानी से पहुंच सकते हैं। सड़क मार्ग से मेरठ अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद आदि शहरों से बस या टैक्सी के माध्यम से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

रसोई में इंडक्शन रखते वक्त सावधान! ये दिशा बनी तो सुकून

क्यों बढ़ रही है इंडक्शन चूल्हे की मांग

पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय हालातों ने आम जिंदगी पर असर डाला है। तेल और गैस की सप्लाई को लेकर असमंजस बना हुआ है, और इसका सीधा असर घरों की रसोई तक पहुंचा है। कई शहरों में लोगों ने पहले से ही इंडक्शन चूल्हे को बैकअप के रूप में रखना शुरू कर दिया है। छोटे शहरों और कस्बों में भी अब इंडक्शन तेजी से अपनाया जा रहा है। बिजली से चलने वाला यह उपकरण न सिर्फ सुरक्षित माना जा रहा है, बल्कि खर्च के हिसाब से भी कई बार बेहतर विकल्प बन जाता है, लेकिन जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे वास्तु से जुड़े सवाल भी सामने आ रहे हैं।

वास्तु शास्त्र क्या कहता है इंडक्शन के बारे में

सही दिशा में रखें, तभी मिलेगा फायदा

वास्तु के अनुसार रसोई में अग्नि तत्व का विशेष महत्व होता है। इसलिए इंडक्शन चूल्हे को भी उसी तरह देखा जाता है जैसे गैस चूल्हे को। दक्षिण-पूर्व दिशा को अग्नि का स्थान माना गया है, अगर इंडक्शन इस दिशा में रखा जाए, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर रहता है, अगर किसी वजह से यह संभव न हो, तो उत्तर-पश्चिम दिशा भी एक विकल्प हो सकती है, लेकिन उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशा से बचना चाहिए, क्योंकि इससे ऊर्जा का संतुलन बिगड़ सकता है।

खाना बनाते समय दिशा का ध्यान रखें

कई लोग जल्दबाजी में कहीं भी खड़े होकर खाना बना लेते हैं, लेकिन वास्तु के मुताबिक यह भी महत्वपूर्ण है कि आप किस दिशा की ओर मुख करके खाना बना रहे हैं। पूर्व दिशा की ओर मुख करके खाना बनाना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे न सिर्फ मानसिक शांति मिलती है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर पड़ता है।

पानी और आग को साथ न रखें

रसोई में सबसे आम गलती होती है इंडक्शन को सिंक के पास रख देना। जगह की कमी के कारण लोग ऐसा कर लेते हैं, लेकिन वास्तु में इसे सही नहीं माना जाता। पानी और आग के तत्व का टकराव घर में तनाव और असंतुलन ला सकता है। इसलिए कोशिश करें कि इंडक्शन और पानी के स्रोत के बीच थोड़ी दूरी जरूर हो।

साफ-सफाई भी है उतनी ही जरूरी

सिर्फ दिशा ही नहीं, बल्कि साफ-सफाई भी उतनी ही अहम है। कई बार देखा जाता है कि इंडक्शन के आसपास जूठे बर्तन या गंदगी जमा हो जाती है। इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। एक साफ और व्यवस्थित रसोई न सिर्फ देखने में अच्छी लगती है, बल्कि घर के माहौल को भी हल्का और सकारात्मक बनाती है।

रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा एक उदाहरण

मान लीजिए, आपने नया इंडक्शन खरीदा और उसे सिंक के पास रख दिया, क्योंकि वहीं जगह खाली थी। शुरुआत में सब ठीक लगता है, लेकिन धीरे-धीरे घर में छोटी-छोटी बातों पर तनाव बढ़ने लगता है। कई बार ये बदलाव हमें समझ नहीं आते, लेकिन वास्तु के नजरिए से देखें तो यह ऊर्जा के असंतुलन का संकेत हो सकता है।

पैसा आता है पर टिकता नहीं? मनी प्लांट पर ये 3 चीजें बांधते ही बदलेगा भाग्य

मनी प्लांट और ग्रहों का संबंध

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट का सीधा संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शुक्र को सुख, वैभव और धन का कारक कहा जाता है। जब कुंडली में शुक्र मजबूत होता है, तो व्यक्ति के जीवन में ऐशो-आराम और आर्थिक स्थिरता देखने को मिलती है। ऐसे में घर में मनी प्लांट रखना और उससे जुड़े उपाय करना शुक्र को मजबूत करने का एक आसान तरीका माना जाता है। कई लोग बताते हैं कि जब उन्होंने घर में सही दिशा में मनी प्लांट रखा, तो धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति में सुधार दिखने लगा। हालांकि ये आस्था पर आधारित बातें हैं, लेकिन इनका असर मनोवैज्ञानिक रूप से भी महसूस किया जाता है।

लाल कपड़े में कौड़ी बांधने का उपाय

क्यों माना जाता है खास?

माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए कौड़ी का इस्तेमाल सदियों से होता आया है। ज्योतिष में इसे धन आकर्षित करने वाला प्रतीक माना गया है।

कैसे करें ये उपाय

मनी प्लांट की एक बेल पर लाल कपड़े में लपेटी हुई कौड़ी बांध दें। ध्यान रखें कि ये उपाय शुक्रवार के दिन किया जाए। ऐसा करने से लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है और घर में धन का प्रवाह बढ़ता है, ऐसी मान्यता है। कई घरों में देखा गया है कि लोग इस उपाय को नियमित रूप से करते हैं और इसे अपनी आर्थिक स्थिरता से जोड़कर देखते हैं।

शुक्रवार को कलावा बांधने का महत्व

पूजा के बाद ही करें ये काम

शुक्रवार का दिन लक्ष्मी पूजा के लिए खास माना जाता है। इस दिन मनी प्लांट पर कलावा बांधने से पहले माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करना शुभ माना जाता है।

क्या होता है असर

ज्योतिष के अनुसार कलावा सकारात्मक ऊर्जा को बांधकर रखता है और नकारात्मक प्रभाव को कम करता है। जब इसे मनी प्लांट पर बांधा जाता है, तो घर में पॉजिटिव वाइब्स बढ़ने लगती हैं और आर्थिक परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

सिक्का बांधने या मिट्टी में दबाने का उपाय

छोटा उपाय, बड़ा असर

अगर आप ज्यादा कुछ नहीं कर पा रहे, तो मनी प्लांट में एक सिक्का बांधना या गमले की मिट्टी में दबाना भी शुभ माना जाता है।

क्यों किया जाता है ये उपाय

सिक्का धन का प्रतीक होता है और इसे मनी प्लांट के साथ जोड़ने से धन वृद्धि का संकेत माना जाता है। कई लोग इसे "एनर्जी एक्टिवेट करने" का तरीका भी कहते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में आपने भी ऐसे लोगों को देखा होगा जो छोटे-छोटे उपायों को अपनाकर अपने मन में भरोसा बनाए रखते हैं और यही भरोसा उन्हें आगे बढ़ने में मदद करता है।

दिशा और देखभाल का भी रखें ध्यान

मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना सबसे अच्छा माना जाता है। ये दिशा शुक्र और अग्नि तत्व से जुड़ी मानी जाती है। साथ ही पौधे को सूखने न दें, क्योंकि सूखा हुआ मनी प्लांट आर्थिक रुकावट का संकेत माना जाता है। नियमित रूप से पानी देना, बेल को साफ रखना और उसे बढ़ने देना भी उतना ही जरूरी है जितना कोई ज्योतिषीय उपाय।

जब व्यक्ति जप-तप, शास्त्रों का अध्ययन करता है तब उसके भीतर दया और विनम्रता आती है

सभी साधनों का अंतिम परिणाम सेवा है, लेकिन सेवा स्वयं साधन नहीं है। जप, तप, नियम, उपवास, कठिन अनुष्ठान, शास्त्रों का अध्ययन और सद्गुरु का साथ, ये सभी साधन हैं। इनका उद्देश्य मनुष्य को शुद्ध और योग्य बनाना है। जब व्यक्ति इन साधनों से अपने भीतर दया, करुणा और विनम्रता विकसित करता है, तब वह सच्ची सेवा करने योग्य बनता है। इसलिए सेवा सबसे श्रेष्ठ फल है, जो इन सभी प्रयासों से प्राप्त होता है।

पुत्र प्राप्ति के लिए सभी प्रयास करके थक गए हैं?

तो इस मंदिर में करें माता अंजनी की आराधना, भर जाएगी झोली

हरिद्वार: अगर आप संतान प्राप्ति के कई उपाय करके थक गए हैं और हर जतन के बाद भी मन की आस अधूरी है, तो हरिद्वार की पहाड़ियों पर स्थित एक सिद्ध पीठ आपकी झोली भर सकता है। नील पर्वत की ऊंची चोटी पर स्थित माता अंजनी का यह मंदिर धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है। स्कंद पुराण समेत कई ग्रंथों में इस स्थान की महिमा का गुणगान किया गया है। मान्यता है कि यह वही स्थान है जहां माता अंजनी ने कठोर तपस्या की थी, जिसके फलस्वरुप उन्हें हनुमान जी जैसे बलशाली पुत्र की प्राप्ति हुई थी।

हरिद्वार की ऊंची चोटियों पर एक ऐसा चमत्कारी स्थान है, जहां संतान प्राप्ति की मन्नत कभी खाली नहीं जाती. नील पर्वत पर स्थित माता अंजनी का यह सिद्ध पीठ मंदिर न केवल पौराणिक महत्व रखता है, बल्कि इसे बलशाली और बुद्धिमान पुत्र की प्राप्ति के लिए सबसे अचूक स्थान माना जाता है. स्कंद पुराण में वर्णित इस मंदिर का सीधा संबंध भगवान शिव के रुद्र अवतार बजरंगबली से है.

पंडित श्रीधर शास्त्री के अनुसार, हरिद्वार में नील पर्वत पर चंडी देवी मंदिर के गर्भ गृह में माता अंजनी का यह इकलौता सिद्ध पीठ स्थल स्थित है। इस मंदिर का महत्व हनुमान जयंती के दिन कई गुना बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यदि महिलाएं इस दिन पवित्र मन से संकल्प लेकर माता अंजनी की पूजा-अर्चना और आराधना करें, तो उन्हें बजरंगबली के समान बुद्धिमान और बलशाली पुत्र की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि चैत्र पूर्णिमा यानी हनुमान जयंती के दिन यहां महिलाओं और श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा लगा रहता है।

तपोस्थली का प्राचीन इतिहास

हरिद्वार एक ऐसी नगरी है जहां कदम-कदम पर देवी-देवताओं का वास है। शिवालिक पर्वत श्रृंखलाओं में जहां एक ओर बिल्व पर्वत पर मां मनसा देवी विराजमान हैं, वहीं गंगा पार नील पर्वत पर मां चंडी देवी का सिद्ध पीठ है। चंडी देवी मंदिर के भीतर ही माता अंजनी का प्राचीन स्थान है। कहा जाता है कि माता अंजनी ने पुत्र प्राप्ति के लिए इसी नील पर्वत पर कई वर्षों तक कठिन तप किया था। उनकी इसी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव के अंश हनुमान जी का जन्म चैत्र पूर्णिमा के दिन हुआ था। तब से ही इस स्थान को संतान सुख की कामना के लिए सबसे सिद्ध माना जाता है।

महादेव क्यों कहलाए अर्धनारीश्वर? जानिए शिव-शक्ति के मिलन

हिंदू धर्म में भगवान शिव के अनेक स्वरूपों की पूजा होती है, लेकिन अर्धनारीश्वर स्वरूप सबसे विशिष्ट और गहरा अर्थ रखने वाला माना जाता है। यह स्वरूप केवल एक प्रतिमा नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के उस संतुलन का प्रतीक है जहां पुरुष और प्रकृति एक-दूसरे में समाहित हैं। तो आइए जानते हैं इस अद्भुत अवतार के पीछे की पौराणिक कथा और देवी से प्राप्त उन 8 महा-सिद्धियों का रहस्य।

अर्धनारीश्वर स्वरूप की कथा: जब सृष्टि को मिली पूर्णता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना शुरू की, तो उन्होंने केवल 'पुरुष' तत्वों का निर्माण किया। काफी समय बीतने के बाद भी सृष्टि का विस्तार नहीं हो पा रहा था क्योंकि प्रजनन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई थी। ब्रह्मा जी चिंतित होकर महादेव की शरण में गए और उनसे मैथुनी सृष्टि का मार्ग पूछा।

ब्रह्मा जी की तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव अर्धनारीश्वर रूप में प्रकट हुए। उनके शरीर का दाहिना भाग साक्षात 'शिव' था और बायां भाग आदि शक्ति पार्वती। इस रूप के दर्शन देकर महादेव ने यह संदेश दिया कि पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के पूरक हैं और उनके मिलन के बिना सृजन संभव नहीं है। इसके बाद देवी शक्ति ने ब्रह्मा जी को अपनी शक्तियों से एक अन्य नारी स्वरूप प्रदान किया, जिससे संसार का विस्तार शुरू हुआ।

शक्ति से प्राप्त 8 महा-सिद्धियों का रहस्य

भगवान शिव को 'सिद्धेश्वर' भी कहा जाता है। मान्यता है कि जब महादेव ने शक्ति को अपने शरीर के आधे भाग में स्वीकार किया, तब उन्हें देवी के माध्यम से आठ महा-सिद्धियां प्राप्त हुईं। ये सिद्धियां ही महादेव को सर्वशक्तिमान बनाती हैं।

अणिमा: अपने शरीर को अणु के समान सूक्ष्म (छोटा) कर लेने की शक्ति।

महिमा: शरीर को असीमित रूप से विशाल और बड़ा बना लेने की क्षमता।

गरिमा: अपने शरीर के भार को अनंत गुना भारी कर लेने की शक्ति।

लघिमा: शरीर को इतना हल्का बना लेना कि वह हवा में उड़ सके या पानी पर चल सके।

प्राप्ति: बिना किसी बाधा के किसी भी स्थान पर पहुंच जाना और इच्छित वस्तु प्राप्त कर लेना।

प्राकाम्य: मन की हर इच्छा को तुरंत पूर्ण कर लेने की सामर्थ्य।

ईशित्व: ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और जीवों पर पूर्ण आधिपत्य और नियंत्रण।

वशित्व: किसी को भी वश में करने या पराजित करने की अजेय शक्ति।

अर्धनारीश्वर स्वरूप का आध्यात्मिक संदेश समानता का प्रतीक: यह स्वरूप सिखाता है कि शिव और शक्ति अलग नहीं हैं। शक्ति के बिना शिव 'शव' समान हैं और शिव के बिना शक्ति आधारहीन।

भीतर का संतुलन: हर मनुष्य के भीतर भी शिव और शक्ति दोनों वास करते हैं। जब इन दोनों का संतुलन होता है, तभी व्यक्ति आत्म-साक्षात्कार कर पाता है।

सम्मान की भावना: यह अवतार समाज को संदेश देता है कि स्त्री और पुरुष का दर्जा एक समान है; न कोई श्रेष्ठ है, न कोई निम्न।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 6 अप्रैल - 2026

आखिर ! किन्नरों से समाज को क्या खतरा है ?

डॉ. चक्रपाल सिंह

जहाँ एक तरफ ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा एवं राज्य सभा में पारित होने के बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की भी मंजूरी मिल चुकी है।इसके साथ ही 'ट्रांसजेंडर अधिकार' से जुड़े क़ानून में बदलाव लागू हो चुके हैं ।तो दूसरी तरफ, इससे प्रभावित किन्नर समुदाय इसके विरोध में सड़कों पर है।यानी एक बार फिर किन्नर समाज/समुदाय सुर्खियों में है।जबकि वर्ष 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक सेवा प्राधिकरण के एक निर्णय के द्वारा किन्नर (सेक्स विकलांग !) समुदाय को तीसरे लिंग (थर्ड जेंडर) का दर्जा दिए जाने के साथ साथ माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन्हें शैक्षिक संस्थाओं में प्रवेश तथा सार्वजनिक नौकरियों में आरक्षण प्रदान किया जा चुका था ।संसद द्वारा ट्रांसजेंडर अधिकार संरक्षण अधिनियम 2016 पारित किए जाने के बाद, वर्ष 2019 में इसे क़ानून की मान्यता मिल चुकी थी।तब से राज्यों की सरकारें किन्नर समुदाय के लिए विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं अमल में ला रहीं हैं।जिसमें सरकारी नौकरियों में आरक्षण तथा भर्ती जैसी पहलें शामिल हैं।पुलिस, प्रशासन, चिकित्सा, शिक्षा, राजनीति इत्यादि क्षेत्र के बंद दरवाजे इनके लिए खोले जा चुके हैं।किन्नर समुदाय के लिए उत्तरोत्तर कल्याणकारी पहलों के चलते वे समय समय पर सफलता पूर्वक सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति भी दर्ज करा रहे हैं।लेकिन थोड़े थोड़े समयंतराल पर इनको लेकर समाज में तरह तरह के प्रश्न उठते रहते हैं।बार बार हर बार वही प्रश्न ।आखिर क्यों? कभी चेताया जाता है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति का किसी को खून देना सुरक्षित नहीं है, तो कभी कुछ और।लेकिन यहाँ प्रश्न यह उठता है कि उपर्युक्त विधेयक को वर्ष 2019 में कानूनी दर्जा मिलने के बाद देश में वो कौन सी विकट एवं खतरानाक सामाजिक स्थितियां व परिस्थितियाँ पैदा हो गईं कि सरकार को आनन-फानन में प्राथमिकता के आधार पर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 को लाना पड़ा। खैर! अभी हम संशोधित विधेयक के गुण-दोष पर विचार न करके किन्नरों से जुड़े कूछ मूलभूत सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक प्रश्नों एवं उनकी हकीकतों से सीधी मुठभेड़ करते हैं।यहाँ व्यापक सन्दर्भों में यह पूछना समीचीन लगता है कि अन्य विकलांग बच्चों कि तरह सेक्स विकलांग (किन्नर/हिजड़ों) बच्चे समाज में पूरी मानवीय गरिमा एवं स्वाभिमान के साथ परिवार में क्यों नहीं रह सकते हैं? इनसे परिवार को क्या खतरा हो सकता है? ये एक अलग समुदाय के रूप में परिवार से दूर एक तिरस्कृत जिंदगी जीने के लिए मजबूर क्यों हैं ? ये क्या नहीं कर सकते हैं और क्यों नहीं कर सकते हैं? नेता तो नेता, किसी विचारक, दार्शनिक अथवा समाज सुधारक ने भी हिजड़ों के पारिवारिक बहिष्कार तथा इनके अलग समुदाय के तौर पर अलग बस्तियां बसाने के औचित्य पर गंभीरता से प्रश्न नहीं उठाया है।किन्नरों को समाज की मुख्यधारा में शामिल कर परिवार के साथ सामान्य जीवन बिताने की दिशा में सामाजिक चेतना उत्पन्न करने का जोखिम नहीं लिया गया है।इसके नेपथ्य में कौन सी मजबूरियां हैं? प्रश्न ज्यों के त्यों हैं और बार बार, हर बार सामाजिक न्याय व्यवस्था से पूछने के लिए बाध्य करतें हैं कि अभिशप्त सामाजिक जिंदगी जीने की बाध्यता के पीछे आखिर किन्नरों का सामाजिक अपराध क्या है? सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि इनको परिवार के साथ रखने में नुकसान क्या हैं? परिवार में रहकर सेक्स विकलांग बच्चा क्या नहीं कर सकता है? सेक्स विकलांगता के अलावा ये वो सब कार्य कर सकते हैं, जो एक मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति कर सकता है।उससे भला समाज व परिवार को कौन सा नैतिक एवं चारित्रिक खतरा है, जो ढोंगी एवं मानसिक रूप से नपुंसक स्वयंभू मर्दों से नहीं है? अतः इनसे संबंधित सेक्स से जुडी बहुत सारी भ्रांतियां, मिथक, काल्पनिक एवं विकृत मिथ्या अवधारणाएं समाज में प्रचलित हैं, जिनका कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है।यातना, न्यायिक निषेध, मानवीय दुर्गति तथा सामाजिक निष्ठुरता की विस्तृत धरती के मूक साक्षी किन्नरों की उत्पत्ति को विभिन्न दंत कथाओं से जोड़ा जाता है।महाभारत के शिखंडी को इसी समुदाय से संबंधित किया जाता है, जिसकी उत्पत्ति की अपनी अलग कहानी है।यदि शिखंडी को आदि किन्नर मान भी लें, तो भी उसके द्वारा बहादुरी के साथ जमकर युद्ध करने का प्रसंग महाभारत में मौजूद है।यह घटना दर्शाती है कि ये अपने परिवार के बीच सम्मानपूर्वक रहते थे।सामाजिक पारिवारिक आयोजनों में शिरकत करते थे।

इनके लिए आज की तरह अलग से बस्तियां बसाकर अलग समुदाय के रूप में रहने का कोई विशेष एवं ठोस उल्लेख नहीं मिलता है।न ही, किसी धर्म के विधान में किन्नर के परिवार में रहने पर किसी अनिष्ट का जिक्र मिलता है।आज भी बहुत सारे सेक्स विकलांग ! बच्चे अपने परिवारों के साथ पूरी गरिमा और सम्मान के साथ एक खुशहाल जिन्दगी जी रहे हैं, लेकिन दबे छिपे ।बस ! इस दबे छुपे को खुल्लम-खुल्ला गरिमामय सामाजिक जिन्दगी जीने के लिए, मिथकीय अवधारणाओं से रहित सामाजिक चेतना में बदलने की 21वीं सदी की मांग है, जो कहीं दिखाई नहीं देती है।अतः समय आ गया है कि किन्नरों की अभिशप्त जिन्दगी को अपराध, तस्करी एवं जासूसी दुनियां का पर्याय बनने से पूर्व , समाज के सभी अंगों में एक खुली एवं व्यापक बहस हो।फिर वही यक्ष प्रश्न , क्या हमारा समाज इसके लिए तैयार है ? अंततः यह तो समाज को ही तय करना होगा कि उसकी कोख से जन्मे लिंग विकलांग ! (हिजड़ों) बच्चों के प्रति उसका रवैया क्या हो? इसका उत्तरदायित्व समाज पर ही है।बेहतर तो यही होगा कि समाज अमानवीय हिजड़ा शब्द को ही अपने सामाजिक शब्दकोश से बाहर करने की दिशा में आगे बढ़े।अतः आवश्यक हो जाता है कि हिजड़ों को परिवार तथा समाज की मुख्यधारा में लाने के लिये सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय कोई ऐसा ठोस प्रस्ताव लाए जो किन्नरों को तीसरे लिंग की श्रेणी से बाहर कर, अन्य विकलांग बच्चों की तरह परिवार के साथ गरिमा एवं स्वाभिमान की जिन्दगी प्रदान कर सके।ये सब सिर्फ कानून द्वारा सुनिश्चित करना संभव नहीं है।

यहाँ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का यह कथन कि " पुरुष नपुंसक नारि वा जीव चराचर कोय, सर्व भाव भज, कपट तजि, मोहि परम प्रिय सोय." जिसमें उन्होंने पुरुष और नपुंसक में कोई भेद नहीं किया है, तो उनको अपना आदर्श मानने वाला समाज भेद क्यों कर रहा है? अर्थात कहने का तात्पर्य यह है कि खतरा किन्नरों से नहीं, वादों की राजनीति से बार बार, हर बार धोखा खाई जनता जनार्दन के बीच इनके (राजनीतिज्ञ) मानसिक एवं वैचारिक रूप से नपुंसक होने की बलबती होती अवधारणा से है।जो इनके अन्दर तक घर कर बैठी है।

महंगाई और मंदी का खतरा

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने अब युद्ध के स्वरूप को और अधिक खतरनाक बना दिया है। पहले जहां लड़ाई सैन्य ठिकानों तक सीमित थी, वहीं अब ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे पुल, रिफाइनरी और गैस-तेल सुविधाएं सीधे निशाने पर हैं। यह सिर्फ क्षेत्रीय संकट नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर देने वाले गंभीर खतरे के संकेत हैं। दोनों पक्षों द्वारा पुलों, रिफाइनरियों और ऊर्जा ढांचे पर हमले इस बात का संकेत हैं कि युद्ध अब रणनीतिक संसाधनों को कमजोर करने की दिशा में बढ़ चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि ईरान की नई व्यवस्था के साथ संबंध बेहतर हो रहे हैं, लेकिन इसके तुरंत बाद दिए गए उनके सख्त बयान और ईरान को पाषाण युग में भेजने की चेतावनी ने हालात को और तनावपूर्ण बना दिया। तेहरान के पास एक पुल पर अमेरिका की कार्रवाई के जवाब में ईरान ने कुवैत और यूएई में ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर यह संकेत दे दिया कि अब उससे किसी भी सूरत में कम नहीं हैं। ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी परिसंपत्तियों को नष्ट करने की धमकी भी दी है, जिससे स्थिति और अधिक विस्फोटक बनने की संभावना है। इस टकराव का सबसे बड़ा असर वैश्विक तेल आपूर्ति पर पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ती अस्थिरता के कारण पहले ही लगभग 20% वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो चुकी है। यदि युद्ध जल्द नहीं रुका, तो सप्लाई को सामान्य होने में काफी लंबा समय लग सकता है। यह स्थिति पूरी दुनिया के लिए ऊर्जा संकट का रूप ले सकती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि हालात बिगड़ते रहे तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भारी झटका साबित होगा। खाड़ी क्षेत्र के कई देशों की अर्थव्यवस्था तेल और गैस निर्यात पर निर्भर है। कुवैत, कतर और सऊदी अरब की ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचने से निर्यात क्षमता पहले ही प्रभावित हो चुकी है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि उनके देश की निर्यात क्षमता लगभग 17% तक घट सकती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा रणनीतिक तेल भंडार जारी करने की अपील और सदस्य देशों की सहमति राहत का संकेत जरूर है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं हो सकता। भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के लिए, यह संकट और भी गंभीर है। बढ़ती कीमतों का असर सीधे महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़े बिना नहीं रहेगा। सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को राहत देने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कटौती जैसे कदम उठाए हैं, लेकिन यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो ये उपाय भी पर्याप्त नहीं रहेंगे। तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से परिवहन लागत बढ़ेगी, जिसका असर खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की वस्तुओं तक पर पड़ेगा। इस संकट का समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है। होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखना और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित बनाना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्राथमिकता होनी चाहिए। कई देश मिलकर इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शांति स्थापना के लिए तेज और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। यह केवल पश्चिम एशिया का संकट नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बन चुका है। इसलिए समय की मांग है कि युद्ध की आग को फैलने से पहले ही बुझा लिया जाए।

नए हथियारों की जांच का प्रयोगशाला बना खाड़ी क्षेत्र

स्नेहा सिंह

'नई गिल्ली, नया दांव' यह कहावत युद्धप्रिय अमेरिका पर पूरी तरह लागू होती है। यदि आप हाल का अतीत देखेंगे तो पता चलेगा कि हर कुछ वर्षों में अमेरिका कहीं न कहीं छोटे-बड़े युद्ध लड़ता ही आ रहा है। मानो अपनी रक्षा प्रयोगशालाओं में तैयार किए गए नए हथियारों की जांच करनी हो, उसी तरह अमेरिका दुनिया के किसी न किसी देश पर हमला करता है और चार-छह दिनों के सशस्त्र संघर्ष करता है। फिर उसका स्वार्थ पूरा हो जाता है तो पीछे हट जाता है।

रक्षा मामलों के एक भारतीय विशेषज्ञ ने बताया कि वर्तमान मिडिल ईस्ट में जो युद्ध चल रहा है, उसमें शामिल देश या प्रभावित देश अपने-अपने हथियारों को आजमा रहे हैं। इससे उनके हथियारों की उपयोगिता और प्रभावशीलता सिद्ध हो सके। साथ ही उनके सैनिकों की भी पूरी परीक्षा हो जाती है।

गाजा, सीरिया, लेबनान, यमन और लाल सागर क्षेत्र में पिछले कुछ समय से जो संघर्ष चल रहा है, उसमें अमेरिका, रूस, इजरायल, तुर्की और ईरान जैसे देश अपने हथियारों का भरपूर परीक्षण कर रहे हैं। इन देशों के अलावा गैरराज्य तत्व जैसे हिज्बुल्लाह, हूती, हमास, हयात तहरीर अलशाम और कुर्द विद्रोही भी अपने हथियारों को 'धारदार' बना रहे हैं। यह भी एक विचित्रता है कि एक ओर मिडिल ईस्ट के युद्ध में सैनिक और आम नागरिक जान गंवा रहे हैं, संपत्ति और बड़े-बड़े ढांचे नष्ट हो रहे हैं। दूसरी ओर कुछ युद्धप्रिय देश अपने हथियारों की जांच कर रहे हैं और अपने सैनिकों को वास्तविक सैन्य प्रशिक्षण दे रहे हैं, ताकि उनका युद्धाभ्यास पूर्ण रूप से सफल हो सके। इजरायल का ही उदाहरण लें तो उसने पिछले कुछ वर्षों से गाजा, लेबनान और सीरिया को अपने सैन्य अभ्यास के फायरिंग रेंज में बदल दिया है। जहां अंधाधुंध गोलीबारी, टैंकों की आवाजाही, बमबारी और मिसाइल हमले होते हैं। अमेरिका ने कुछ वर्ष पहले इसी तरह इराक पर बारबार हवाई हमले कर अपने विभिन्न फाइटर-बॉम्बर विमानों की क्षमता परखी थी, जबकि रूस ने बारबार सीरिया का उपयोग मिसाइल परीक्षण के लिए किया है। नब्बे के दशक में इराक के खिलाफ 'गल्फ वॉर' के बाद अमेरिका ने नए मिलेनियम का पहला युद्ध ईरान के खिलाफ शुरू किया। लेकिन इस बीच वह शांत नहीं बैठा। सोमालिया, यूगोस्लाविया, साराजेवो, सर्बिया, सूडान और ईरान में भी उसने सशस्त्र हस्तक्षेप किए हैं। हर छोटे-बड़े युद्ध में अमेरिका अपने हथियारों का परीक्षण करता है, नया अनुभव प्राप्त करता है और अपनी सेना को और अधिक प्रशिक्षित व अनुभवी बनाता है। अमेरिका आज दुनिया की एकमात्र महाशक्ति है। उसके पास सबसे बड़ा और आधुनिक रक्षा तंत्र है। अत्याधुनिक हथियार, लड़ाकू विमान और परमाणु संचालित पनडुब्बियां उसके पास हैं। स्पष्ट रूप से अमेरिका में विशाल हथियार उद्योग विकसित हो चुका है।

अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने कहा था कि युद्ध में विभिन्न प्रकार के नए फाइटर-बॉम्बर विमान और एयर डिफेंस सिस्टम का उपयोग उनकी तकनीकी क्षमता के बारे में सटीक जानकारी देता है। युद्ध के दौरान पायलट और इंजीनियरों को वास्तविक और उपयोगी अनुभव मिलता है। 27 फरवरी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी सेना को ईरान पर हमले का आदेश दिया। इसके साथ ही अमेरिका और इजराइल के रक्षा विभागों ने अपने हथियार बनाने वाली कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए। सैन्य अनुसंधानकर्ता भी नए हथियार तैयार करने में तेजी लाने लगे। एक तरह से ईरान फिर से अमेरिका के लिए एक बड़ी रक्षा प्रयोगशाला बन गया है। एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी के अनुसार युद्ध के दौरान ही किसी हथियार की वास्तविक ताकत और कमजोरी का सही आकलन किया जा सकता है। युद्ध में सफल हथियारों की नकल अन्य देश तुरंत करने लगते हैं या उन्हें खरीदने की कोशिश करते हैं।

रोटी से बड़ी हो गई गैस : शहर छोड़ते मजदूरों की मजबूरी

महेन्द्र तिवारी

भारत में प्रवासी मजदूरों का संकट एक बार फिर सामने खड़ा है, और इस बार इसकी जड़ में केवल आर्थिक मंदी या रोजगार की कमी नहीं, बल्कि एक गहरा ऊर्जा संकट है, जिसने शहरों की चमक के पीछे छिपी कमजोरियों को उजागर कर दिया है। हाल के दिनों में देश के कई औद्योगिक शहरों विशेषकर सूरत, दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद में हजारों मजदूर अपने गांवों की ओर लौटते दिखाई दिए। यह वही वर्ग है जिसने वर्षों से भारत के औद्योगिक विकास की रीढ़ बनकर काम किया है, लेकिन संकट आते ही सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

इस बार संकट की शुरुआत रसोई से हुई है। एलपीजी की भारी कमी और कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने मजदूरों के लिए शहरों में रहना लगभग असंभव बना दिया है। कई रिपोर्टों के अनुसार छोटे सिलेंडरों की कीमत 500 से बढ़कर 1,100–2,000 तक पहुंच गई, जबकि सामान्य घरेलू सिलेंडर 3,200–4,000 तक बिकने लगे। इतना ही नहीं, ब्लैक मार्केट में गैस 500 प्रति किलो तक पहुंच गई, जो एक दिहाड़ी मजदूर के लिए असंभव है। ऐसे में सवाल यह नहीं रह जाता कि मजदूर क्यों जा रहे हैं, बल्कि यह बन जाता है कि वे रुकें भी तो कैसे। सूरत, जो देश का प्रमुख टेक्सटाइल हब है, इस संकट का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। वहां पिछले एक महीने में 1.5 लाख से अधिक मजदूर शहर छोड़ चुके हैं। यह पलायन इसलिए नहीं हुआ कि काम नहीं था, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि मजदूर अपने दैनिक जीवन की बुनियादी जरूरत खाना पकाने को पूरा नहीं कर पा रहे थे।

यह स्थिति बताती है कि शहरी अर्थव्यवस्था कितनी हद तक अस्थायी और असुरक्षित श्रम पर निर्भर है। इस संकट की जड़ें वैश्विक घटनाओं से भी जुड़ी हुई हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने ऊर्जा आपूर्ति को बाधित किया है, विशेषकर एलपीजी जैसी ईंधन आपूर्ति को, जिसका बड़ा हिस्सा भारत आयात करता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अत्यधिक रूप से बाहरी स्रोतों पर निर्भर है, और यह निर्भरता अब संकट का कारण बन रही है। जब अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति प्रभावित होती है, तो उसका सीधा असर देश के सबसे कमजोर वर्ग पर पड़ता है। यही कारण है कि एलपीजी संकट केवल ऊर्जा संकट नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट में बदल जाता है।

इसका प्रभाव केवल मजदूरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे औद्योगिक ढांचे पर पड़ रहा है। छोटे और मध्यम उद्योग, जिन्हें एम एस एम ई कहा जाता है, इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। ये उद्योग उत्पादन के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं, और जैसे ही गैस की कीमत बढ़ी या आपूर्ति बाधित हुई, उत्पादन धीमा पड़ गया। कई जगहों पर फैक्ट्रियों को सप्ताह में दो दिन बंद रखना पड़ा, और काम के घंटे कम करने पड़े। इससे न केवल उत्पादन घटा, बल्कि मजदूरों की आय भी प्रभावित हुई। देश के विभिन्न हिस्सों से मिल रही खबरें इस संकट की व्यापकता को दर्शाती हैं। तेलंगाना में होटल और रेस्तरां उद्योग को भारी नुकसान हुआ है, जहां 50 प्रतिशत तक गैस की कमी के कारण कई इकाइयों को बंद करना पड़ा और हजारों मजदूर बेरोजगार हो गए। मध्य प्रदेश में पारंपरिक खाद्य उद्योगों का उत्पादन 50 प्रतिशत तक गिर गया है, जबकि कर्नाटक और अन्य राज्यों में निर्माण कार्य रुकने लगे हैं क्योंकि मजदूरों के पास खाना बनाने की सुविधा नहीं है। यह दिखाता है कि एक ईंधन संकट कैसे पूरे आर्थिक तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि मजदूरों के पास औपचारिक एलपीजी कनेक्शन नहीं होते। अधिकांश प्रवासी मजदूर अस्थायी बस्तियों में रहते हैं, जहां उन्हें गैस कनेक्शन लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज नहीं मिल पाते। परिणामस्वरूप वे ब्लैक मार्केट पर निर्भर होते हैं, जहां कीमतें कई गुना अधिक होती हैं। यह व्यवस्था उन्हें हर संकट में सबसे कमजोर स्थिति में डाल देती है।

यदि इस स्थिति की तुलना कोविड-19 के समय से की जाए, तो कई समानताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। उस समय भी अचानक लॉकडाउन और रोजगार की कमी के कारण लाखों मजदूर शहरों से गांवों की ओर लौटे थे। आज भी स्थिति कुछ वैसी ही बनती दिख रही है, फर्क केवल इतना है कि इस बार कारण वायरस नहीं, बल्कि ईंधन और महंगाई है। लेकिन परिणाम वही है-पलायन, असुरक्षा और अनिश्चितता।एम एस एम ई क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है और निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इस संकट से जूझ रहा है। यह क्षेत्र लगभग 24 करोड़ लोगों को रोजगार देता है, लेकिन इसके पास संकट से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। जब लागत बढ़ती है और मांग घटती है, तो सबसे पहले यही छोटे उद्योग प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि हजारों इकाइयां पहले ही बंद हो चुकी हैं और लाखों नौकरियां जा चुकी हैं।ऊर्जा संकट के साथ-साथ सप्लाई चेन में भी भारी बाधा आई है। निर्यात के लिए तैयार माल बंदरगाहों पर अटका हुआ है या समय पर नहीं पहुंच पा रहा। इससे कंपनियों को महंगे विकल्प जैसे एयर फ्रेट का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे लागत और बढ़ जाती है। दूसरी ओर, घरेलू बाजार में भी मांग में गिरावट आई है क्योंकि महंगाई के कारण उपभोक्ता खर्च कम कर रहे हैं।

सरकार की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि सरकार ने आश्वासन दिया है कि आपूर्ति सामान्य हो रही है और कुछ कदम उठाए गए हैं, जैसे कि आधार के माध्यम से मजदूरों को गैस उपलब्ध कराने की योजना, लेकिन जमीनी स्तर पर अभी भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। उद्योग संगठनों का कहना है कि इस तरह के संकट के लिए पहले से तैयारी की जानी चाहिए थी, खासकर तब जब यह स्पष्ट था कि वैश्विक संघर्ष का असर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ेगा।

इस पूरे संकट का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह केवल एक अस्थायी समस्या नहीं, बल्कि एक गहरे ढांचागत संकट का संकेत है। भारत की ऊर्जा पर बढ़ती आयात निर्भरता, कमजोर सामाजिक सुरक्षा तंत्र, और असंगठित श्रम पर अत्यधिक निर्भरता ये सभी कारक मिलकर इस स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं।

जब तक इन मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक ऐसे संकट बार-बार सामने आते रहेंगे। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रवासी मजदूरों का यह पलायन केवल आर्थिक घटना नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। यह हमें यह याद दिलाता है कि विकास केवल बड़े शहरों और उद्योगों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन लोगों तक भी पहुंचना चाहिए जो इन शहरों को चलाते हैं। जब एक मजदूर शहर छोड़ने को मजबूर होता है क्योंकि वह खाना नहीं पका सकता, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की विफलता का प्रतीक है।

हॉर्मुज की आँच में जल सकती है भारत की विकास यात्रा

आरके जैन

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज एक पतली समुद्री रेखा पर टिकी है-हॉर्मुज। केवल चालीस किलोमीटर चौड़ा यह जलडमरूमध्य, जहाँ से दुनिया का हर पाँचवाँ तेल टैंकर गुजरता है, अब युद्ध का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे की चेतावनी दी है-हॉर्मुज खोलो, समझौता करो, वरना "नरक टूट पड़ेगा।" तेहरान ने जवाब दिया-"फॉरएवर वॉर"। यह केवल दो देशों की बयानबाजी नहीं, बल्कि उस वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था पर सीधा प्रहार है, जिसके सहारे भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएँ चलती हैं। भारत के लिए यह संकट कोई दूर की घटना नहीं, बल्कि पेट्रोल पंप, रसोई गैस, खेत, फैक्टरी और बाजार तक पहुँचने वाला आर्थिक भूचाल है। ट्रंप की धमकी और ईरान की चुनौती ने साफ कर दिया है कि हॉर्मुज अब केवल जलडमरूमध्य नहीं, भारत की ऊर्जा सुरक्षा की सबसे कमजोर नस बन चुका है।

48 घंटे की चेतावनी के पीछे कई हफ्तों से सुलगता तनाव था। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा था। अमेरिकी लड़ाकू विमान, ड्रोन हमले, परमाणु कार्यक्रम और खाड़ी में बढ़ती सैन्य हलचल ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर 48 घंटे में हॉर्मुज नहीं खुला, तो ईरान के ऊर्जा ढाँचे पर हमला होगा। लेकिन ईरान जानता है कि उसकी सबसे बड़ी ताकत हथियार नहीं, हॉर्मुज की वही संकरी समुद्री पट्टी है, जहाँ से दुनिया की ऊर्जा गुजरती है। तेहरान के पास मिसाइलें, समुद्री सुरंगें और ऐसे प्रॉक्सी नेटवर्क हैं, जो कुछ ही घंटों में जहाजरानी रोक सकते हैं। 1980 के दशक का "टैंकर वॉर" फिर लौटता दिख रहा है। फर्क बस इतना है कि तब दांव पर तेल था, आज पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था है। इसलिए ईरान का "फॉरएवर वॉर" केवल सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि तेल के सहारे दुनिया को झुकाने की रणनीति है।

हॉर्मुज में उठी एक रुकावट भारत की अर्थव्यवस्था को भीतर तक हिला सकती है। भारत इस युद्ध में नहीं है, फिर भी सबसे बड़ी मार उसी पर पड़ सकती है। देश अपनी तेल जरूरत का 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और उसका करीब 40 प्रतिशत हॉर्मुज के रास्ते आता है। यदि यह मार्ग कुछ हफ्तों के लिए भी बंद हुआ, तो भारत सीधे ऊर्जा संकट में फँस जाएगा। तेल की कीमतें सबसे पहले बढ़ेंगी। भारतीय क्रूड बास्केट पहले ही 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है; हॉर्मुज बंदी लंबी खिंची तो यह 130-150 डॉलर तक जा सकती है। फिर पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन, उर्वरक और परिवहन सब महँगे हो जाएंगे। महँगाई 7 से 9 प्रतिशत तक पहुँच सकती है, रुपया और कमजोर होगा, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा और करंट अकाउंट डेफिसिट फैल जाएगा। सबसे बड़ा असर किसान, ट्रक ऑपरेटर, छोटे उद्योग और मध्यम वर्ग पर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन महँगा होते ही अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ जाती है। हॉर्मुज का संकट सिर्फ तेल तक सीमित नहीं है। दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत पेट्रोलियम और 25 प्रतिशत एलएनजी आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती है। भारत के लिए इसका मतलब है कि रसोई गैस और औद्योगिक गैस, दोनों पर दबाव बढ़ेगा। यदि एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति रुकी, तो गैस सिलेंडर महँगे होंगे, बिजली उत्पादन की लागत बढ़ेगी और गैस आधारित उद्योगों की रफ्तार टूट जाएगी। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है, लेकिन वह केवल 5-10 दिन की राहत देता है। कुल मिलाकर (रिफाइनरी स्टॉक सहित) यह 60-74 दिन का बफर उपलब्ध है, जबकि विकसित देशों के पास 180 दिन तक का सुरक्षा कवच है। यही अंतर बताता है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को अब तक आर्थिक मुद्दा माना, राष्ट्रीय सुरक्षा का नहीं। 1973 का तेल संकट चेतावनी था, लेकिन आज भारत पहले से अधिक ऊर्जा पर निर्भर है। इसलिए यदि हॉर्मुज लंबे समय तक बंद रहा, तो असर सिर्फ तेल बिल पर नहीं, बल्कि विकास दर, रोजगार और सामाजिक स्थिरता पर भी पड़ेगा।

भारत के पास रास्ते हैं, लेकिन कोई भी आसान नहीं। रूस से तेल आयात पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ा है और अब कुल आयात का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। इससे कुछ राहत मिलती है, क्योंकि रूसी तेल हॉर्मुज से नहीं गुजरता। लेकिन इसकी अपनी मुश्किलें हैं—लंबी दूरी, महँगा बीमा, कठिन परिवहन और कीमतों में उतार-चढ़ाव। अफ्रीका, अमेरिका और लैटिन अमेरिका से तेल लाया जा सकता है, लेकिन ये रास्ते अधिक महँगे और धीमे हैं। समुद्री भाड़ा 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। उधर, ईरान से जुड़ा चाबहार बंदरगाह भी संकट की चपेट में आ सकता है। भारत जिस अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे और पश्चिम एशिया कॉरिडोर पर भरोसा कर रहा है, वे अभी पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इसलिए सच यही है कि भारत के पास विकल्प तो हैं, लेकिन वे तुरंत राहत देने की स्थिति में नहीं।

इस संकट का समाधान केवल तात्कालिक फैसलों में नहीं, दूरगामी तैयारी में छिपा है। भारत को अपनी ऊर्जा नीति की दिशा बदलनी होगी। सबसे पहले रणनीतिक भंडार को तेजी से भरकर और कुल भंडारण क्षमता को बढ़ाकर 180 दिन तक ले जाना होगा। फिर तेल आयात के स्रोत इतने फैलाने होंगे कि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता न रहे।

सपनों का प्रबंधन

डॉ. सुरेश कुमार

नीम का थान गांव में जब 'चतुरसेन' ने प्रधानी का पर्चा भरा, तो उन्होंने सड़कों और नालियों की घिसी-पिटी बातों को कूड़ेदान में डाल दिया। उनका चुनावी मुद्दा था-'सपनों का प्रबंधन'। चतुरसेन का तर्क था कि गरीब आदमी इसलिए गरीब है क्योंकि वह सपने भी फटे-पुराने देखता है।

उन्होंने घोषणा की कि जो उन्हें वोट देगा, उसके सपनों को सीधे 'क्लाउड सर्वर' से जोड़ दिया जाएगा ताकि सोते समय उन्हें कम से कम प्रधानमंत्री बनने का सुख तो मिल सके। गांव के लोग, जो दिन भर धूप में गदहों की तरह खटते थे, इस 'रंगीन नींद' के वादे पर फिदा हो गए। चतुरसेन ने गांव के खंडहर हो चुके पंचायत भवन को 'ड्रीम लैब' घोषित कर दिया और वहां तीन पुराने कंप्यूटर मॉनिटर रखवा दिए, जिनमें केवल बिजली की स्पार्किंग दिखती थी। उनका कहना था कि यह 'मेटावर्स' का गांव संस्करण है, जिसे समझने के लिए उच्च कोटि की मूर्खता चाहिए।

प्रचार के अंतिम दिन चतुरसेन ने गांव के मंदिर के पास एक 'इच्छा-मशीन' लगाई, जो वास्तव में एक पुराना आटा चक्की का डिब्बा था जिस पर ढेर सारी चमकीली पन्नियां चिपकी थीं।

उन्होंने दावा किया कि जो भी इस मशीन के पास अपनी नाक रगड़कर वोट की प्रतिज्ञा करेगा, उसे रात को सपने में गुप्त धन का पता चलेगा। पूरे गांव में होड़ मच गई; लोग अपनी आधी नींद और पूरा होश चतुरसेन के चरणों में चढ़ाने लगे। विपक्षी उम्मीदवार 'भोलेनाथ' ने चिल्ला-चिल्लाकर कहा कि यह केवल एक डिब्बा है, लेकिन चतुरसेन ने पलटवार किया कि भोलेनाथ का 'वाई-फाई' कमजोर है, इसलिए उन्हें ईश्वरीय संकेत नहीं मिल रहे। जनता को लगने लगा कि अब हल चलाने की जरूरत नहीं है, बस चतुरसेन की कृपा से सपनों में ही फसल कट जाएगी और बैंक बैलेंस बढ़ जाएगा। गाँव का हर व्यक्ति सोते समय खर्राटे नहीं, बल्कि 'विकास' के मंत्र जपने लगा।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और चतुरसेन रिकॉर्ड मतों से जीत गए, पूरा गांव 'इच्छा-मशीन' से गुप्त धन का पता पूछने पहुंचा। चतुरसेन ने एक लंबा सा रिमोट दबाया (जो वास्तव में टीवी का खराब रिमोट था) और मशीन का ढक्कन खोल दिया।

लोग हक्के-बक्के रह गए; मशीन के अंदर केवल एक पुरानी फटी हुई चप्पल और एक कागज का टुकड़ा था जिस पर लिखा था-प्रिय ग्रामवासियों, सपना खत्म हुआ, अब जाग जाइए!

गुप्त धन तो वह था जो मैंने आपसे चंदे के नाम पर वसूला और 'सपनों का बीमा' वह है जो मैंने अगले पांच साल के लिए अपनी कुर्सी का कर लिया है। जनता सन्न खड़ी एक-दूसरे का मुंह ताक रही थी, तभी चतुरसेन अपनी नई एसयूवी पर सवार होकर 'ड्रीम प्रोजेक्ट' की फाइल जमा करने शहर की ओर निकल पड़े। पीछे रह गई तो बस वही चक्की वाली मशीन, जो अब बिना बिजली के भी गांव की सादगी का मजाक उड़ा रही थी।

गर्मियों में चाहिए स्टाइल के साथ कंफर्ट तो मैक्सी ड्रेसेस ट्राई करें

चिपचिपे मौसम में हमें उन कपड़ों की तलाश होती है जो आरामदायक होने के साथ- साथ स्टाइलिश भी हों। गर्मियों में अकसर लड़कियां लाइटवेट यानि कि हल्के-फुल्के, हवादार और ढीले-ढाले कपड़े पहनना पसंद करती हैं, अगर आप भी कुछ इस तरह के आउटफिट्स की तलाश में हैं तो मैक्सी ड्रेसेस बेस्ट ऑप्शन रहेगा। इन दिनों इसका चलन कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रहा है। आज आपको मैक्सी ड्रेसेस की कुछ लेटेस्ट डिजाइन्स बताने जा रहे हैं जिसे पहनकर आप आरामदायक महसूस तो करेंगी ही साथ में स्टाइलिश भी दिखेंगी।

फ्लोरल मैक्सी ड्रेस

फ्लोरल प्रिंट का ट्रेंड तो कभी पुराना ही नहीं होता। फ्लोरल प्रिंट में लाइट ब्लू, पिंक, येलो और व्हाइट कलर की मैक्सी ड्रेस आपको बड़ी ही आसानी से मिल जाएगी। इन्हें ऑफिस, कॉलेज, कैज़ुअल डे आउट, ट्रैवलिंग और रोज़मर्रा के कामों के लिए भी पहना जा सकता है।

हाफ स्लीव शॉर्ट मैक्सी

मैक्सी ड्रेस में ही अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो हाफ स्लीव शॉर्ट मैक्सी भी सही रहेगी। ईज़ी-ब्रीज़ी होने के चलते इसमें फुल कंफर्ट मिलता है। इसमें लाइट रंग ही चूज करें जिसे आसानी से पहनकर आप बाहर निकल सकें।

लॉन्ग बैक मैक्सी ड्रेस

अगर आप कुछ बोल्ड ट्राई करना चाहती हैं, तो लॉग बैक मैक्सी ड्रेस को अपने वॉडरोब का हिस्सा बना सकती हैं। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो सभी बॉडी टाइप पर सूट करता है और इसे फैमिली फंक्शन या छोटी- मोटी पार्टी में कैरी कर कोई भी खूबसूरत और यूनिक लग सकता है। इसके साथ सिंपल फ्लैट फुटवियर कैरी कर आप अपने लुक को और भी शानदार बना सकते हैं।

ऑफ शोल्डर मैक्सी ड्रेस

आप खुद को भीड़ में सबसे अलग दिखने की चाहत रखती है तो इस सीजन ऑफ शोल्डर मैक्सी ड्रेस को अपने फैशन का हिस्सा जरूर बनाएं। गर्मियों के लिए थोड़ी लूज फिटिंग वाले ड्रेस ही चुनें तो बेहतर होगा। आप चाहें तो इसके साथ हल्की एक्सेसरीज कैरी भी कर सकती हैं।

पेस्टल मैक्सी ड्रेस

पेस्टल कलर भी गर्मियों के लिए बहुत बेहतरीन होता है। आप पेस्टल कलर्स की सिंपल सी मैक्सी ड्रेस को हाई हिल्स के साथ पेयर कर सकती हैं। डेट नाइट के लिए यह आरामदायक और स्टाइलिश आउटफिट साबित होगा

मैक्सी ड्रेस की खूबसूरती मिनीमल ज्वेलरी में ज्यादा निखर कर आती है, इसलिए मैक्सी ड्रेस के साथ ज्यादा एक्सेसरीज कैरी न करें। जितना हो सके एक्सेसरीज कम रखें और मेकअप भी लाइट रखें।

डीआरडीओ में ग्रेजुएट और डिप्लोमा वालों के लिए पेड अप्रेंटिस भर्ती; 12,300 तक स्टाइपेंड

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज , दिल्ली में अप्रेंटिस पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह भर्ती अभियान खास तौर पर इंजीनियरिंग और विज्ञान पृष्ठभूमि के युवाओं को रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं।

कौन कर सकता है आवेदन?

इस भर्ती के तहत ग्रेजुएट अप्रेंटिस और टेक्नीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिस के पद भरे जाएंगे। ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए उम्मीदवार के पास बी.ई./बी.टेक या समकक्ष डिग्री होना अनिवार्य है, जबकि टेक्नीशियन पदों के लिए संबंधित इंजीनियरिंग डिप्लोमा जरूरी है। आमतौर पर हाल ही में पास हुए उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाती है। न्यूनतम आयु 18 वर्ष रखी गई है, जबकि आरक्षित वर्ग को नियमानुसार छूट मिलेगी।

ट्रेनिंग अवधि और स्टाइपेंड

चयनित उम्मीदवारों को लगभग 12 महीने की अवधि के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान ग्रेजुएट अप्रेंटिस को 12,000 से 12,300 तक और डिप्लोमा धारकों को 10,000 से 11,000 तक मासिक स्टाइपेंड दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण उन्हें वास्तविक प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अवसर देगा।

कैसे होगा चयन

चयन प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट आधारित होगी। उम्मीदवारों के शैक्षणिक अंकों के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल फिटनेस जांच के लिए बुलाया जा सकता है।

आवेदन कैसे करें?

उम्मीदवारों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा, जो ईमेल या ऑफलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन के साथ सभी जरूरी दस्तावेज जैसे शैक्षणिक प्रमाणपत्र, पहचान पत्र आदि जमा करना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी DRDO की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नोटिफिकेशन में दी गई है।

मप्र में नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर के 2317 पदों पर आज से आवेदन

भोपाल सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर के पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है। जो उम्मीदवार मध्य प्रदेश में बतौर नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर के पदों पर नौकरी करना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों के लिए यहां एक सुनहरा मौका है। इन पदों पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 06 अप्रैल, 2026 से शुरू हो जाएगी। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार **20 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं।** इसके साथ ही फॉर्म में सुधार करने के लिए उम्मीदवारों को 25 अप्रैल तक का मौका जाएगा।

इस दिन होगी परीक्षाः

एमपीईएसबी की ओर से नर्सिंग ऑफिसर और सिस्टर ट्यूटर के पदों पर भर्ती परीक्षा का आयोजन 15 मई, 2026 को किया जाएगा। परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित कराई जाएगी। पहली शिफ्ट सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक आयोजित कराई जाएगी।

आवेदन शुल्कः

आवेदन करने के लिए आवेदन शुल्क कैटेगरी वाइज निर्धारित किया गया है। अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये और आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये निर्धारित किया गया है।

परीक्षा पैटर्नः

इस परीक्षा में उम्मीदवारों से सामान्य ज्ञान, सामान्य हिंदी, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य अभिरुचि और संबंधित विषय पर आधारित विषय से 100 अंकों के सवाल पूछे जाएंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित की गई है।

शैक्षणिक योग्यताः

आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान विषय से कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण की हो। इसके अलावा, उम्मीदवारों के पास उम्मीदवारों के पास चार वर्षीय बीएससी डिग्री होनी चाहिए।

आयु-सीमाः

उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 जनवरी, 2026 के आधार पर की जाएगी। उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके अलावा, उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी।

लाखों में करनी है कमाई तो करें ये कोर्स

अच्छी नौकरी करना चाहते हैं तो ऐसा कोर्स करे जिसमें आपको सीखने के साथ कमाई भी अच्छी हो सक. अनुभवी लोगों की

जरूरत तो हमेशा से ही मार्केट में होती है. इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे कोर्स के बारे में बताने जा रहे है जो आपके बेहतर भविष्य के लिए सही साबित हो सकते हैं.

इंटीग्रेशन विथ जॉब मार्केटः आज के समय में पढ़ाई को थ्योरी में बदल दिया गया है जिससे जॉब मार्केट के हिसाब से नई सोच और विषयों पर कम ध्यान दिया जा रह है. जिसकी वजह से जॉब न मिलने के भी आसार नजर आ रहे हैं. इन्हीं सब कमियों को देखते हुए आज के समय में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाये जा रहे हैं. जो छात्रो को आज के हिसाब से जरूरी स्किल सीखने में मदद कर सकते हैं.

मेडिकल कोडरः इस कोर्स के लिए हाई स्कूल डिप्लोमा पास हो. एक कोडिंग प्रमाण के साथ आप इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं. इस क्षेत्र में डॉक्टरों के कार्यालयों, अस्पतालों और पुनर्वसन सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर मेडिकल कोर्स रिपोर्ट और बिल बीमा बनाने का काम किया जाता है.

एयर ट्रैफिक कंट्रोलरः एयर ट्रैफिक कंट्रोलर का प्राथमिक उद्देश्य टकरावों को रोकना, हवाई यातायात के प्रवाह को व्यवस्थित और तेज करना होता है. इसके अलावा पायलटों के लिए सूचना और अन्य सहायता प्रदान करना है. कुछ देशों में, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर एक सुरक्षा या रक्षात्मक भूमिका निभाता है. इस क्षेत्र में जाने के लिए 12वीं विज्ञान से पास हो. साथ ही हर साल भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा आयोजित हवाई यातायात नियंत्रक प्रवेश परीक्षा को पास करना होता है.

रियल एस्टेट : रियल एस्टेट ब्रोकर बनने के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, जिसमें एक परीक्षा पास करनी होगी. इस परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रो को सर्टिफिकेट प्रोग्राम में शामिल हो सकते हैं. इसके पाठ में रियल एस्टेट सिद्धांत, व्यापार कानून, संपत्ति प्रबंधन जैसे नाम शामिल हैं. खासतौर पर रियल एस्टेट का काम बड़ी बिल्डिंग बनवाकर इसे मोटी कीमत में बेचने का काम करता है. **साइबर सुरक्षा :** साइबर सिक्योरिटी के अंतर्गत एथिकल हैकर्स की एक बड़ी टीम होती है, जो आपका डेटा चोरी होने, डेटा डिलीट होने या आपके किसी भी डिवाइस को नुकसान होने से बचाते हैं. इसे इनफार्मेशन सिक्योरिटी और टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी के नाम से भी जाना जाता है.**फ्लाइट अटेंडेंड :** एक फ्लाइट अटेंडेंट की भूमिका यात्री जहाजों या यात्री ट्रेनों में समान स्थिति से प्राप्त होती है. इसके अतिरिक्त, एक फ्लाइट अटेंडेंट का काम परिवहन के अन्य रूपों पर समान कर्मचारियों की तुलना में काफी हद तक सुरक्षा के इर्द-गिर्द घूमता है. फ्लाइट में सवार फ्लाइट अटेंडेंट सामूहिक रूप से एक केबिन क्रू बनाते हैं, जो कॉकपिट में पायलटों और इंजीनियरों से अलग होता है.

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन में असिस्टेंट और असिस्टेंट मैनेजर के पदों पर निकली भर्ती

नई दिल्ली रेलवे नौकरी करने के लिए तैयारी कर रहे युवाओं के अच्छी खबर है। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने असिस्टेंट और असिस्टेंट मैनेजर (फाइनेंस) के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस भर्ती के तहत कुल 23 पदों को भरा जाएगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 4 अप्रैल 2026 से शुरू होगी और 1 मई 2026 तक जारी रहेगी।

इतने पदों पर होगी भर्तीः

इस भर्ती अभियान के तहत असिस्टेंट (NE5 लेवल) के 16 पद और असिस्टेंट मैनेजर (E1 लेवल) के 7 पद शामिल हैं। उम्मीदवारों की आयु 18 से 30 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी, जिसमें ओबीसी को 3 वर्ष, एससी/एसटी को 5 वर्ष और पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट मिलेगी।

शैक्षणिक योग्यताः

असिस्टेंट पद के लिए उम्मीदवार के पास कॉमर्स में कम से कम 60% अंकों के साथ स्नातक डिग्री होना जरूरी है, साथ ही आईसीएआई या आईसीएमएआई से इंटरमीडिएट परीक्षा पास होना अनिवार्य है। वहीं, असिस्टेंट मैनेजर (फाइनेंस) पद के लिए कॉमर्स में स्नातक के साथ सीए/सीएमए क्वालिफाइड होना या किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से फाइनेंस में दो वर्षीय नियमित एमबीए होना आवश्यक है।

चयन प्रक्रियाः

कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद दस्तावेज सत्यापन होगा, जबकि असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए इंटरव्यू भी लिया जाएगा। अंतिम चयन इन सभी चरणों के आधार पर किया जाएगा।

इतना मिलेगा वेतनः

वेतनमान की बात करें तो असिस्टेंट पद के लिए 21,000 से 74,000 रुपये तक का पे-स्केल निर्धारित है, जिसका अनुमानित सीटीसी करीब 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष है। वहीं, असिस्टेंट मैनेजर के लिए 40,000 से 1,40,000 रुपये तक का वेतनमान है और इसका सीटीसी लगभग 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष बताया गया है।

बनानी है अपनी अलग पहचान तो जल्द से जल्द अपनाएं ये टिप्स

आज के समय में हर कोई अलग पहचान बनाना चाहता है. इसके लिए जिसके बहुत सी ऐसी आदतें है जिन्हे अपनाकर अलग पहचान बनाते हैं. यही कुछ आदतें हैं जो लोगों को खास बनाती हैं. आज हम आपको उन्हीं आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं. हम रोज बहुत से लोगों से मिलते हैं लेकिन उनमें से बहुत ही कम लोग होते हैं जो हमें याद रहते हैं. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कुछ खास आदत जो आपको उनकी अच्छी लग जाती है.

कुछ व्यक्ति कई लोगो से अलग होते हैं ऐसे लोगो को सब याद रखते हैं. क्योंकि ऐसे लोग पर्सनल लाइफ में भी काम आ सकते हैं जिसका फायदा भी आप लें सकते हैं. करियर में ऐसे बहुत से मौके आते हैं जिनके लिए आपको इन लोगो की जरूरत पढ़ सकती है, जो आपको सफलता की ओर ले जा सकते हैं. कौन सी हैं वो बातें जिन्हें फॉलो करके या अपनी आदत में शुमार करके बेहतर इंसान बना जा सकता है.

अपनी खुद की राय देना : बहुत से लोग ऐसे हैं जो दूसरों के दबाव में न आ कर अपनी खुद की राय देते हैं. अगर सारी जनता किसी एक बात के लिए सहमति दिखाती है तब भी वो उनसे अलग अपना निर्णय लेते हैं. यह हिम्मत हर किसी में नहीं होती क्योकि जनता के सामने उनकी परवाह किए बिना अपने विचार रखना बहुत बड़ी बात मानी जाती है.

दूसरों के लिए जजमेंटल न होनाः बहुत अच्छी बात जब लोग किसी और को जज नहीं करते. यह खूबी हर किसी में नहीं होती. यही वजह है कि दूसरे क्या कर रहे हैं, कैसे कर रहे हैं, इस पर अपनी राय नहीं देते हैं, ऐसे लोग समझदार होने के साथ दूसरों को भी समझते हैं.

किसी और पर नहीं निर्भर करती अपनी खुशी : आपकी खुशी दूसरों की राय पर निर्भर नहीं होनी चाहिए. जब अपने हिसाब से रहना हो आप रहें, लाइफ एंजॉय करें. ऐसे लोग अपने में खुश रहना जानते हैं. अगर आप भी ऐसे हैं तो मुमकिन है कि आप दूसरों से अलग हैं.

आज के लिए जीना : जो लोग दूसरों से अलग होते हैं अक्सर वो आज में जीते हैं. ज़्यादातर लोग या तो अपने पास्ट को लेकर परेशान होते हैं या अपने भविष्य की चिंता करते हैं. लेकिन बहुत कम लोग ऐसे हैं जो आज में जीते हैं. आप भी ऐसे बनिए, दूसरों से अलग दिखेंगे. खुश रहेंगे.

डिजिटल दौर में फोटोग्राफरों की मांग

पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों में लोग अपने विवाह समारोह के पलों को फिल्मों के फोटो में कैद करना चाहते हैं। इससे कैमरे पर तस्वीरें खींचने वाले फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है। डिजिटल के मुकाबले फिल्म पर शूट की गई फोटो सॉफ्ट होती है।

यह धीमी और अधिक एनालॉग प्रक्रिया कई जोड़ों को पुराने जमाने के मीडियम की ओर आकर्षित कर रही है। अब कई जोड़ों को अपने विवाह के फोटो तत्काल की बजाय कुछ दिन बाद मिलते हैं। एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में स्थित वेडिंग फोटोग्राफर अन्ना अर्बन का कहना है, पिछले एक वर्ष से फिल्म फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है।

वैसे,वे अब भी डिजिटल कैमरे इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने सितंबर 2022 में बढ़ती मांग के कारण अपने क्लाइंट्स को फिल्म फोटोग्राफी ऑफर करना शुरू किया है। वे एक फिल्म रोल के लिए लगभग दस हजार रुपए लेती हैं। उनके पांच फीसदी वेडिंग क्लाइंट अपने पैकेज में फिल्म फोटोग्राफी शामिल करते हैं। वे बताती हैं, लोग कुछ अलग करना चाहते हैं। लंदन की फोटोग्राफर केट हेंपसन ने मई 2022 में सभी शादियों की तस्वीरें फिल्म पर खींचना शुरू किया है। उन्होंने अपने करिअर के शुरुआती वर्षों में डिजिटल फोटोग्राफी की है। वे डिजिटल फोटो के नतीजों से खुश नहीं हैं। बैकअप के तौर पर डिजिटल कैमरा साथ रखती हैं।

सैनफ्रांसिस्को की वेडिंग फोटोग्राफर जिलियन मिशेल न्यूयॉर्क और लॉसएंजिलिस में ज्यादा काम करती हैं। उन्होंने अधिकतर शादियों को फिल्म पर शूट किया है। 2009 में वेडिंग फोटोग्राफर के रूप में काम शुरू करने वाली मिशेल सभी फोटो डिजिटल कैमरे से खींचती थीं। लेकिन, वे जल्द ही फिल्म की तरफ मुड़ गईं। वैसे, मिशेल कम रोशनी वाले फोटो डिजिटल कैमरे से लेती हैं। उनका कहना है, डिजिटल इमेज की तुलना में फिल्म की फोटो ज्यादा खूबसूरत लगती है। कुछ फोटोग्राफर फिल्म फोटो का लुक डिजिटल फार्मेट जैसा बनाना चाहते हैं।

आर्टिस्टिक तस्वीरें

एक फोटोग्राफर कहती हैं, फिल्म के फोटो डिजिटल से बेहतर नजर आते हैं। वे फिल्म पर फोटो उतारने की तुलना आयल पेंटिंग से करती हैं। फिल्म से अच्छी आर्टिस्टिक तस्वीरें बनती हैं।

शिल्पा शेट्टी को आई 90 के दशक की याद 'बाजीगर' के खौफनाक सीन पर खुद लिए मजे

सोशल मीडिया के दौर में कुछ भी ट्रेंड करने लगता है। कभी कोई पुरानी फिल्मों के संवाद लोगों की जुबान पर चढ़ जाते हैं, तो कभी किसी का लिखा हुआ कोट ट्रेंड करने लगता है। इन दिनों एक नया ट्रेंड लोगों का ध्यान खींच रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर '90 के दशक में आप कैसी थीं?' काफी पॉपुलर हो रहा है। यह भारत समेत कई देशों में वायरल हो रहा है और हर कोई इस ट्रेंड को फॉलो कर रहा है। लोग अपने पुराने फोटो या क्लिप शेयर करके 90 के दशक की यादें ताजा कर रहे हैं। इसी ट्रेंड में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी भी शामिल हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार रील शेयर की। इस वीडियो में 90 के दशक की कई बॉलीवुड फिल्मों के क्लिप दिखाए गए हैं। इनमें 'बाजीगर', 'पृथ्वी' और 'इंसाफ' जैसी फिल्मों के सीन शामिल हैं। सबसे खास क्लिप फिल्म 'बाजीगर' की है। रील में फिल्म का वो सीन लिया गया है, जिसमें शाहरुख खान शिल्पा के किरदार को छत से नीचे फेंक देता है।

यह सीन लोगों को आज भी याद है और सोशल मीडिया पर इसके कई मीम्स बनते रहते हैं। शिल्पा ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, आपको इसकी उम्मीद नहीं थी और न ही दोबारा होगी। 90 के दशक की यादें, नॉस्टेल्जिया, कुछ अलग ही होती हैं।

90 के दशक में बॉलीवुड फिल्मों का अपना अलग जादू था। उस समय की कहानियां, गाने और डायलॉग आज भी दिल को छू लेते हैं। शिल्पा शेट्टी 90 के दशक में ही फिल्मों में आईं थीं। 'बाजीगर' उनके करियर की शुरुआती बड़ी फिल्म थी। उस दौर में वे अपनी खूबसूरती और डांस से सबको प्रभावित करती थीं। आज भी वे फिटनेस और एक्टिंग दोनों में सक्रिय हैं। इस रील के जरिए उन्होंने यादों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है।

फिल्म 'बाजीगर' में शाहरुख खान को उनके करियर की शुरुआत में ही एक नेगेटिव मुख्य भूमिका में लिया गया था। यह अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित एक ब्लॉकबस्टर हिंदी थ्रिलर फिल्म थी, जिसने शाहरुख खान को बॉलीवुड में एक प्रमुख स्टार के रूप में स्थापित किया था। यह फिल्म प्रतिशोध की कहानी थी।

रश्मिका को पहली ही फिल्म से मिला हिट करियर और लाइफ पार्टनर, ऐसे टूटा था रिश्ता कि बैन होने की आ गई थी नौबत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने 80 के दशक से लेकर अब तक हिंदी सिनेमा की तरफ रुख किया है। श्रीदेवी, जय प्रदा, हेमा मालिनी और रेखा समेत कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिनके करियर की नींव दक्षिण भारत में रखी गई लेकिन सफलता उन्हें हिंदी सिनेमा से मिली। आज के दौर की ऐसी ही अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। 5 अप्रैल को जन्मी रश्मिका तेलुगू और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में जाना-माना नाम बन चुकी हैं। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे।

आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के

बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कन्नड़ सिनेमा से बैन करने की धमकी भी दी।

रश्मिका पर रक्षित को करियर की सीढ़ी बनाने का आरोप लगा। मामले को संभालने के लिए खुद रक्षित ने आकर अपने फैंस को अभिनेत्री के सामने कुछ भी न बोलने की अपील की क्योंकि अलग होने का फैसला दोनों का था। विवाद के बीच अभिनेत्री ने तमिल फिल्मों में कदम रखा और साल 2018 में उनकी 'चलो' फिल्म रिलीज हुई, जिसके बाद उन्हें 'गीता गोविंदम', 'डियर कॉमरेड,' 'भीष्म, सुल्तान' (तमिल), 'सरिलरु नीकेवरु' और 'सीता रामम' में देखा गया।

दक्षिण भारत में सिक्का जमाने के बाद साल 2018 में पैन इंडिया फिल्म 'पुष्पाः द राइज' ने अभिनेत्री के करियर को ग्लोबल लेवल पर पहचान दिलाई और वे नेशनल क्रश बनकर उभरीं, जिसके बाद अमिताभ बच्चन के साथ बॉलीवुड में 'गुडबाय' से डेब्यू किया। उन्होंने रणबीर कपूर के साथ एनिमल, सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिशन मजनूं और विक्की कौशल के साथ छांवा में बेहतरीन रोल प्ले किया।

क्यों हो रही करिश्मा और सारा अर्जुन की तुलना?

करिश्मा कपूर 90 के दशक के चोटी के सितारों में शामिल रही हैं। कपूर खानदान की लाडली लोलो ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। लुक और स्टाइल के मामले में आज भी उनका जवाब नहीं। हाल ही में वे रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 16' के गोल्डन जुबली एपिसोड (50वां एपिसोड) में पहुंचीं। गोल्डन ड्रेस में वे खूबसूरत लगीं। उनके इस लुक की तुलना यूजर्स सारा अर्जुन के लुक से कर रहे हैं। जानिए क्यों?

करिश्मा कपूर ने आज रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ दिलकश फोटोज शेयर की हैं। उन्होंने फोटोज के साथ कैप्शन लिखा है, 'गोल्डन जुबली स्पेशल एपिसोड के गोल्डन मूमेंट्स'। नेटिजंस करिश्मा के लुक की दिल खोलकर तारीफ तो कर रहे हैं, मगर साथ ही लिख रहे हैं कि उन्होंने सारा अर्जुन जैसी ड्रेस पहनी है। कुछ यूजर्स एक्ट्रेस की तुलना भी 'धुरंधर' की यलीना से कर रहे हैं।

क्या करिश्मा ने पहनी सारा अर्जुन जैसी ड्रेस?

करिश्मा की तुलना सारा अर्जुन से किए जाने के पीछे दरअसल, वजह यह है कि बीते दिनों 'धुरंधर द रिवेंज' की सक्सेस पार्टी में सारा अर्जुन जो ड्रेस पहनकर पहुंची थीं, वह कुछ-कुछ वैसी थी, जैसी करिश्मा कपूर 'इंडिया आइडल' शो में पहनकर पहुंचीं। अगर, डिजाइन के थोड़े-बहुत अंतर को छोड़कर दोनों एक्ट्रेस की ड्रेस लगभग एक जैसी है। रंग भी एक जैसा है। यलीना की ड्रेस कॉलर वाली है। वहीं, करिश्मा कपूर की ड्रेस 'वी' शेप नेक वाली है।

नेटिजन ने लिखा- 'आप सारा वाले किरदार के लिए परफेक्ट होतीं'

करिश्मा की फोटोज पर नेटिजंस लिख रहे हैं, 'आपकी ड्रेस सारा अर्जुन जैसी लग रही है'। एक यूजर ने लिखा, 'आप 20-25 साल की होतीं तो सारा अर्जुन के रोल के लिए परफेक्ट होतीं'। एक यूजर ने लिखा, 'आपने बिल्कुल सारा जैसी ड्रेस पहनी है, लेकिन उनसे भी बेहतर लग रही हो'। कुछ नेटिजंस उन्हें 90 के दशक की क्वीन बता रहे हैं।

चंकी पांडे के बॉलीवुड सफर को 39 साल पूरे, डेब्यू फिल्म 'आग ही आग' को किया याद

अभिनेता चंकी पांडे अपने मजाकिया अंदाज के लिए फैंस के बीच लोकप्रिय रहते हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म 'आग ही आग' से डेब्यू किया था। इस फिल्म को रिलीज हुए अब 39 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर चंकी पांडे ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म की एक सीन पोस्ट कर यादों को फिर से ताजा किया। उन्होंने लिखा, फिल्म 'आग ही आग' से मैंने अभिनय की दुनिया में पहला कदम रखा था। आज इस फिल्म को रिलीज हुए 39 साल हो गए हैं। फिल्म 'आग ही आग' साल 1987 में रिलीज हुई थी। इस मल्टी-स्टारर फिल्म में चंकी पांडे के साथ कई बड़े कलाकार नजर आए थे। इस फिल्म ने चंकी को बॉलीवुड में एक नई पहचान दी। 'आग ही आग' (1987) एक सुपरहिट बॉलीवुड एक्शन-ड्रामा फिल्म थी, जिसका निर्देशन शिबू मित्रा ने किया था। इस मल्टी-स्टारर फिल्म में धर्मेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, चंकी पांडे, नीलम, मौसमी चटर्जी और डैनी डेन्जोंगपा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ एक फौजी की लड़ाई और बाप-बेटे के रिश्तों पर आधारित थी।

यह फिल्म की कहानी सेना अधिकारी बहादुर सिंह (धर्मेंद्र) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बहन की दुष्कर्म और हत्या के बाद भ्रष्ट पुलिस से निराश होकर डाकू बन जाता है और अपना नाम शेर सिंह रख लेता है। कहानी में तब मोड़ आता है, जब उसका बेटा विजय अपने पिता के अतीत से टकराता है।

फिल्म का संगीत बप्पी लहिरी ने दिया था। इसमें 'हर कोई चाहता है' और 'आसमान तू मेरी जिंदगी है' जैसे गाने सुपरहिट रहे थे। यह 1987 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी, जिसने चंकी पांडे को बॉलीवुड में स्थापित किया। फिल्म में जोरदार डायलॉग और एक्शन दृश्यों का मिश्रण था, जिस वजह से फिल्म को अच्छी सफलता मिली थी।

थिएटर एक आईना है, जहां लोग मुझे नहीं अपनी संभावनाओं को देखते हैं : अनुपम खेर

अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्मों के अलावा रंगमंच पर भी अलग पहचान बनाई है। उनका लोकप्रिय नाटक 'कुछ भी हो सकता है' को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। हाल ही में इस नाटक के एक शो में अनुपम खेर को दर्शकों की तरफ से स्टैंडिंग ओवेशन मिली। इस माहौल में अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। अनुपम ने खुश होकर लिखा, मंच पर खड़ा होना और पूरे हॉल का खड़ा होकर तालियां बजाना हमेशा दिल को छू लेता है लेकिन इतने सालों के अनुभव के बाद मैंने एक बड़ी बात समझ ली है। 'कुछ भी हो सकता है' के लिए मिली ये तालियां सिर्फ मेरे अभिनय या कहानी सुनाने के लिए नहीं हैं। ये शायद मेरी पूरी जिंदगी के लिए भी हैं। अनुपम ने आगे लिखा, मेरी मुश्किलों, मेरी असफलताओं और उन जोखिमों के लिए जो मैंने कदम उठाए और सबसे बड़ी बात उस हिम्मत व रवैए के लिए जिससे मैंने सबका सामना किया। जब लोग खड़े होकर तालियाँ बजाते हैं, तो वे सिर्फ मुझे नहीं सराह रहे होते। वे एक संभावना की सराहना कर रहे होते हैं।

अनुपम का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति सब कुछ सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा हो सकता है, तो शायद मैं भी कर सकता हूं। उस पल में तालियां बहुत व्यक्तिगत हो जाती हैं। वे दर्शकों के अपने

साहस, सपनों और अधूरी कहानियों का जश्न बन जाती हैं।

उन्होंने लिखा, तब थिएटर सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं रह जाता, यह एक आईना बन जाता है। एक ऐसा आईना जिसमें लोग सिर्फ मुझे नहीं देखते बल्कि खुद को देखते हैं। और शायद अपने दिल से फुसफुसाते हैं- 'कुछ भी हो सकता है। अनुपम को रंगमंच की दुनिया से बेहद प्यार है, यह उनके शो से ही पता चलता है। अभिनेता ने एक बार थिएटर में अभिनय करने के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था, यह मेरे अंदर के अभिनेता को जिंदा रखता है। इसके जरिए मैं अपने अभिनय को बेहतर बनाता हूं।

दौड़ने और दिखावे की दुनिया में अनु अग्रवाल ने सिखाया 'ठहरने' का हुनर

जिंदगी में कुछ हादसे इंसान को पूरी तरह से बदलने के लिए होते हैं, तो कुछ नए सबक सिखाकर उसे और मजबूत बना देते हैं। एक कार एक्सीडेंट के बाद अभिनेत्री अनु अग्रवाल ने भले ही सिनेमा की दुनिया से थोड़ी दूरी बना ली है, लेकिन अब वह कई लड़कियों के जीवन की मोटिवेशन हैं।

अनु अग्रवाल ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में अपने अनुभव से मिले गहरे सबक को शेयर किया। अभिनेत्री ने लिखा, जिस तरह आप चलते हैं, वैसे ही आप जीवन जीते हैं। ज्यादातर लोग भागते रहते हैं, ज्यादातर लोग दिखावा करते हैं। मैंने भी ये दोनों सीखा, फिर मैंने ठहरना

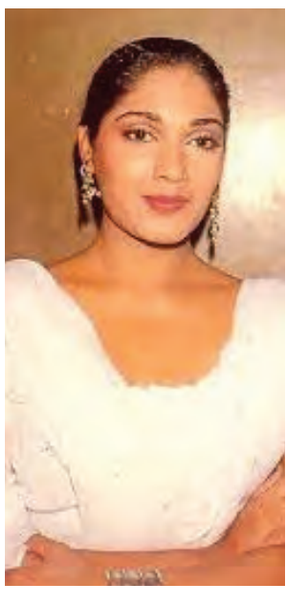

सीखा और उसी ने सब कुछ बदल दिया। अनु ने आगे लिखा, क्या आप अपने दिन को जी रहे हैं या बस उसे जल्दी-जल्दी पार कर रहे हैं? यह पोस्ट उनके 1999 के उस घातक एक्सीडेंट की याद दिलाती है, जिसमें उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई थी।

उस हादसे के बाद अनु अग्रवाल लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहीं। कई सर्जरी हुईं और रिकवरी का लंबा सफर तय करना पड़ा। फिल्मी करियर बीच में ही रुक गया। लेकिन, इस मुश्किल समय ने उन्हें जीवन के सच्चे मतलब को समझने का मौका भी दिया।

अनु अग्रवाल ने 90 के दशक में 'आशिकी' जैसी सुपरहिट फिल्म की थी। उनकी खूबसूरती और अभिनय को खूब सराहा गया था। अनु अग्रवाल ने जितनी जल्दी अपने करियर की ऊंचाइयों को छुआ, वैसे ही उनके जीवन से सब कुछ चला भी गया था।

जब अभिनेत्री अपने करियर के पीक पर थीं, उसी दौरान उनका कार एक्सीडेंट हो गया था, जिस वजह से उनकी हालत बहुत खराब हो गई थी। लगभग एक महीने तक कोमा में रहने के बाद काफी लंबे समय तक उनका इलाज चला था। इसके बाद उन्होंने योग, ध्यान और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। योग ने उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरफ से मजबूती दी।

मोनालिसा ने उठाए रजत दलाल की परवरिश पर सवाल, कहा फेम पाने के लिए कर रहे घटिया हरकत

रियलिटी शो द 50 खत्म हो गया है लेकिन इस शो से शुरू हुए विवाद शांत नहीं हो रहे हैं। इन दिनों रजत अपनी शादी के साथ मोनालिसा के साथ हुए विवाद पर भी खुलकर बात कर रहे हैं, हालांकि अब बिना नाम लिए मोनालिसा ने रजत दलाल पर पलटवार किया है और अपने करियर की अचीवमेंट के बारे में बात की। एक्ट्रेस मोनालिसा का कहना है कि कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया,जिसमें वो बिना नाम लिए रजत दलाल पर निशाना साध रही हैं। रजत दलाल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मोनालिसा की कही किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता है। अब अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर कहा, कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं, क्योंकि उनकी असली जिंदगी भी फेक है। जब ऐसी हरकत करेंगे, तभी तो दिखेंगे।

उन्होंने आगे कहा, किसी को मेरे गुस्से से क्यों फर्क पड़ेगा, क्योंकि शो के अंदर हमने उनकी तरह गाली नहीं दी। अब शो के बाहर भी वो कुछ भी बोल रहे हैं और उनके पेड पीआर करने वाले लोगों की कोई सीमा नहीं है। हमें एक से बढ़कर एक घटिया बातें सुनने को मिल रही हैं। मेरी मां और परिवार को लेकर गलत बातें की जा रही हैं। अगर मेरी वजह से किसी और के साथ ऐसा होता तो मैं खुद उस मामले को रोकती, क्योंकि मेरी परवरिश ऐसी नहीं है। यहां लोग फैन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने बहुत बड़ा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने रजत दलाल और उनके फैंस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया है कि उन्हें फेम की जरूरत नहीं है क्योंकि वे वर्षों से इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं। मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, कुछ बातें बोलना जरूरी था। द-50, 100 से ऊपर भोजपुरी फिल्में, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ फिल्में, बिग बॉस-10, नच बलिए 8, नजर सबसे लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो और भी बहुत कुछ, जिसे मैं भी भूल रही हूं। लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया। इसके बाद भी मुझे आपके जरूरी फेम नहीं चाहिए भाई।

कविता कौशिक ने बताया 'कप्तान' के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है।

कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।

अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।

अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।

पैगंबर से मिलने के बाद हिंदू राजा ने भारत की पहली मस्जिद बनवाई

पैगंबर को अदरक का अचार देकर मुसलमान बने; मस्जिद का 13 सीटों पर खास असर

कोच्चि, 5 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 7वीं सदी का एक किस्सा है। एक रात मालाबार के राजा चेरामन को सपना आया। उन्होंने देखा कि आसमान में चांद के दो टुकड़े हो गए हैं। अगले दिन राजा ने दरबार में ज्योतिषियों को बुलवाया और सपना समझने की कोशिश की, लेकिन वे संतुष्ट नहीं हुए। तभी अरब से आए कुछ मुस्लिम व्यापारी उनसे मिलने आ गए। राजा ने उन्हें अपने सपने के बारे में बताया। व्यापारियों ने राजा को मक्का-मदीना के पैगंबर मोहम्मद के बारे में बताया और कहा कि यह उन्हीं का चमत्कार होगा। राजा ने कहा, 'मैं पैगंबर से मिलना चाहता हूं।'

मुस्लिम व्यापारी ये सुन काफी खुश हुए और मक्का-मदीना जाने की तैयारी करने लगे। राजा ने भी अपने दरबारियों को राज-पाट का काम सौंप दिया। इसके बाद राजा, व्यापारियों के साथ समुद्र के रास्ते नाव पर सवार होकर मक्का के लिए निकल पड़े। मक्का-मदीना पहुंचकर राजा पैगंबर मोहम्मद से मिले। कुछ समय उनके साथ रहे। वे यहां मौजूद दुनिया की पहली मस्जिद 'अल-हरम' में गए। पैगंबर से प्रभावित होकर राजा चेरामन ने इस्लाम अपना लिया और मुस्लिम बन गए। पैगंबर ने उन्हें नया नाम दिया- 'ताजुद्दीन'। यानी 'धर्म का मुकुट'। राजा चेरामन अपने देश लौटने के लिए जमीनी रास्ते से रवाना हुए। लेकिन बीच रास्ते में ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। ओमान पहुंचते ही उनकी मृत्यु हो गई।

बीमारी के दौरान राजा को पहले ही एहसास हो गया था कि वे जिंदा नहीं बचेंगे। इसलिए उन्होंने एक खत लिखा और इस्लामिक विद्वान मलिक बिन दीनार को सौंप दिया। दीनार कुछ वक्त बाद मालाबार पहुंचे। उन्होंने राजा चेरामन के अधिकारियों को खत सौंपा। खत में राजा का आदेश था- 'कोडंगलूर में वीरान पड़े एक बौद्ध विहार की जगह पर मस्जिद बनाई जाए।'

अधिकारियों और दीनार ने राजा के नाम पर 629 ईस्वी में चेरामन जुमा मस्जिद बनवाई। यानी आज से 1400 साल पहले एक हिंदू राजा ने केरलम में भारत की पहली और दुनिया की दूसरी मस्जिद बनवाई थी और यहीं से केरलम में इस्लाम धर्म फैला।

अभी केरलम में चुनाव है और यहां की 140 में से 32 सीटों पर मुस्लिम विधायक हैं। यहां की 26.5% आबादी मुस्लिम है। यानी केरलम के चुनाव में मुस्लिम एक अहम कड़ी है। आज भारत की इसी पहली मस्जिद की कहानी... ...।

हिंदू राजा ने पैगंबर को अदरक का अचार दिया

चेरामन जुमा मस्जिद के वाइस प्रेसिडेंट बशीर भी हिंदू राजा चेरामन के मस्जिद बनवाने और पैगंबर मोहम्मद से मिलने की यही कहानी बताते हैं। राजा की इस यात्रा का जिक्र अरबी पांडुलिपि 'किस्सत शकरवती फार्माद' में भी मिलता है, जिसे 'महान चेरा शासक की कहानी' माना जाता है। त्रावणकोर राजवंश की राज्यभिषेक परंपरा में भी चेरामन की मक्का-मदीना यात्रा के सबूत हैं। राज्याभिषेक में एक वाक्य बोला जाता रहा है- 'मैं यह तलवार तब तक रखूंगा, जब तक मक्का गए चाचा वापस नहीं आ जाते।' यहां चाचा राजा चेरामन को कहा गया है।

राजा की पैगंबर से मुलाकात का एक और दिलचस्प किस्सा है। पैगंबर के साथ रहने वाले इस्लामिक विद्वान अबू सईद अल खुदरी ने अपनी किताब 'अल मुस्तदरक' में इसका जिक्र किया- 'भारत के एक राजा ने पैगंबर मोहम्मद को एक मर्तबान, यानी चीनी मिट्टी का बर्तन भेंट किया। इसमें अदरक का अचार था। पैगंबर ने इसे अपने साथियों में बांटा और मुझे भी एक टुकड़ा खाने को मिला।'

इस्लाम से पहले ईसाई धर्म पहुंचा केरलम

करीब दो हजार साल पहले रोम के व्यापारियों को पता चला कि जून में अगर कोई नाव लाल सागर से निकले, तो भारत की ओर बहने वाली हवाएं उसे केवल 6 हफ्तों में मलाबार तट तक पहुंचा देती हैं। इससे पहले यही यात्रा कई महीनों में पूरी होती थी। दिसंबर आते-आते हवाएं दिशा बदल लेतीं और भारत से अरब की ओर बहने लगतीं।

व्यापारियों को अपने देश लौटने के लिए 3 महीने का इंतजार करना पड़ा। इसी इंतजार के दौरान कई व्यापारियों ने यहीं बसना शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों से रिश्ते बनाए। उनकी धार्मिक आस्था भी जड़ पकड़ने लगी। यानी ईसाई धर्म फैलने लगा। कुछ ही साल बाद 52 ईस्वी में केरलम में पहला चर्च 'सेंट थॉमस साइरो मालाबार चर्च' बना, जो आज के त्रिशूर जिले में मौजूद है।

मानसून पर सवार होकर केरलम पहुंचा इस्लाम

7वीं सदी की शुरुआत में पैगंबर मोहम्मद ने अरब में इस्लाम धर्म शुरू किया। धीरे-धीरे ये दुनिया के कई इलाकों तक पहुंचा। भारत भी इस्लाम पहुंचा, लेकिन घोड़े पर सवार होकर नहीं, बल्कि समुद्र के रास्ते नाव में बैठकर पहली बार भारत आया। जैसे ईसाई धर्म भारत पहुंचा। इतिहासकार सेबेस्टियन प्रेंज इस प्रक्रिया को 'मानसून इस्लाम' कहते हैं। उनके मुताबिक, यह वह इस्लाम था जो तलवार से नहीं, बल्कि हवाओं, व्यापार और रिश्तों के सहारे फैला। दरअसल, केरलम के मालाबार तट में मुस्लिम व्यापारी आने लगे। यहां वे व्यापार करते और कुछ वक्त ठहरते। धीरे-धीरे वे यहां रिश्ते भी बनाने लगे और बसने लगे। यहां बने नए समुदाय को आज मपिल्ला कहा जाता है। माना जाता है कि मपिल्ला शब्द 'महा' और 'पिल्ला' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ 'सम्मानित अतिथि' या 'दामाद' होता है।

मुस्लिम महिलाएं भी पहनती हैं मंगलसूत्र

उत्तर मालाबार में रहने वाले मपिल्ला समुदाय में 'मरुमक्कथयम' यानी मातृसत्तात्मक व्यवस्था थी, जहां परिवार और विरासत का फैसला महिला के वंश से होता था। 'तरावड' यानी पैतृक घर का मुखिया 'करणवर' होता था, जो आमतौर पर मामा होता था। विवाह के बाद भी महिला अपने मायके में रहती थी, जबकि उसका पति मेहमान की तरह आता-जाता था। धीरे-धीरे मपिल्ला समुदाय ने कुछ स्थानीय परंपराएं अपना ली, जो आज भी बरकरार हैं। यहां मुस्लिम महिलाएं मंगलसूत्र पहनती हैं। शादी के समय 'कबूल' दोहराने की रवायत भी नहीं है। निकाह से एक दिन पहले काजी लड़की के घर जाकर उसकी रजामंदी लेता है। निकाह वाले दिन केवल दूल्हा और दुल्हन के परिवार आमने-सामने होते हैं।

दुल्हन के पिता कहते हैं कि मैं बेटी का इतनी मेहर के बदले में फलां से निकाह करवा रहा हूं, दूल्हा बोलता है कि इतनी मेहर के बदले मैं आपकी बेटी को स्वीकार करता हूं। इसके बाद दुआ होती है। इस तरह शादी हो जाती है।

मुस्लिम महिलाएं आमतौर पर बुर्के नहीं पहनतीं। हालांकि हिजाब में या सिर पर दुपट्टा लिए रहती हैं। वे दुकानें भी चलाती हैं और रात में अकेले आ-जा भी सकती हैं। जैसे उत्तर भारत में बच्चों की शिक्षा की शुरुआत एक संस्कार से होती है, वैसे ही यहां भी एक परंपरा है। गैर-मुस्लिम बच्चे भी स्कूल शुरू करने से पहले चेरामन मस्जिद में आकर इमाम का आशीर्वाद लेते हैं। इसे विद्यारंभम कहा जाता है। अरक्कल परिवार केरलम का पहला मुस्लिम राजवंश है। इसमें पुरुषों से ज्यादा महिलाएं शासक हुई हैं। जैसे- 1921-31 तक सुल्तान आयशा बीबी, 1946-57 तक सुल्तान आदिराज मरियम्मा बीबी, 1957-80 तक सुल्तान अमीना बीबी, 1998-06 तक सुल्तान आयशा मुत्थु...।

घोड़ों पर सवार होकर मुस्लिम उत्तर भारत पहुंचे

जैसे दक्षिण भारत में इस्लाम समुद्र के रास्ते व्यापार के मकसद से आया, वैसा उत्तर भारत में नहीं हुआ। यहां इस्लाम घोड़ों पर सवार सेनाओं और युद्धों के जरिए आया।

इतिहासकार रिचर्ड ईटन अपनी किताब 'द राइज ऑफ इस्लाम एंड बेंगॉल फ्रंटियर' में 'कैवेलरी इस्लाम' की थ्योरी देते हैं। इसके मुताबिक, यह ऐसा इस्लाम था, जो घुड़सवार सेनाओं के साथ आगे बढ़ा। 8वीं सदी की शुरुआत में इराक के गवर्नर हज्जाज ने दो सेनापतियों को अलग-अलग दिशाओं में भेजा। एक उत्तर-पूर्व की ओर और दूसरा दक्षिण-पूर्व की ओर। दक्षिण पूर्व की दिशा में भेजा गया सेनापति मुहम्मद बिन कासिम था। उसका लक्ष्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि सत्ता पर काबिज होना भी था।

साल 711 में मुहम्मद बिन कासिम लगभग 15 हजार घुड़सवारों के साथ सिंध की सीमा पर पहुंचा। यहां के राजा दाहिर से उसने जंग लड़ी। सिंध की लड़ाई में राजा दाहिर की मृत्यु हो गई। इसके साथ ही इस्लामिक शासन ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी पहली मौजूदगी दर्ज की और यहीं उत्तर भारत में इस्लाम ने जड़े जमाईं।

पहली मस्जिद का केरलम की राजनीति पर असर

चेरामन जुमा मस्जिद का असर आज भी केरलम की राजनीति, समाज और कारोबार में दिखता है। राज्य की आबादी में 55% हिंदू, 26.5% मुस्लिम और 18.4% ईसाई हैं। इस कॉम्बिनेशन के चलते यहां की राजनीति कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी यूडीएफ और लेफ्ट के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट, यानी एलडीएफ के बीच झूलती है। 1982 से बीजेपी यहां चुनाव लड़ रही है। लेकिन कोई खास हासिल नहीं कर पा रही। 2016 में एक विधानसभा सीट और 2024 में एक लोकसभा सीट जीत सकी। वोट शेयर मुश्किल से 16% पहुंचा। जिस कोडंगलूर इलाके में चेरामन जुमा मस्जिद है, वहां करीब 30% मुस्लिम आबादी है। यहां की 13 में से 12 सीटों पर एलडीएफ काबिज है।

सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च के मुताबिक, राज्य की 50 से 55 सीटों पर मुस्लिम वोटर्स निर्णायक हैं। इनमें से 25 से 30 सीटों पर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के कैंडिडेट उतरते हैं। 2021 में मुस्लिम लीग के 15 कैंडिडेट जीते थे।

केरल में लंबे समय से बाइपोलर चुनाव हो रहा है। बीजेपी इस बाइनरी को तोड़ना चाहती है, लेकिन अब तक वो असफल रही है। इसकी एक वजह मुस्लिम फैक्टर है। 'केरल के लोगों को धर्म के आधार पर बांटना मुश्किल है, क्योंकि यहां इस्लाम आक्रांता के रूप में नहीं आया। यहां इस्लाम समुद्र के रास्ते व्यापार के लिए आया था।'

हालांकि, हाल के दिनों में मुस्लिम पॉलिटिक्स में बदलाव हुआ है। वीकली ओपन मैगजीन के मुताबिक अब ज्यादातर मुस्लिम सीपीएम से अलग होकर कांग्रेस की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। क्योंकि उन्हें लगता है कि सीपीएम हिंदुओं पर फोकस कर रही है। केरल के गरीब हिंदू खुद में और मुस्लिमों के बीच गैप देख पा रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि मुस्लिमों की स्थिति बेहतर है। इसलिए वे आरएसएस की आइडियोलॉजी की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं। लव जिहाद, केरल फाइल्स और हिजाब जैसे मुद्दों के बाद केरल के स्कूल-कॉलेजों में हिंदू-मुस्लिम पॉलिटिक्स पनप रही है। इसमें जेन Z वर्ग के स्टूडेंट्स शामिल हैं।

डिप्टी सीएम अरुण साव का पूर्व सीएम पर हमला

बोले- भूपेश बघेल कभी नहीं चाहते थे की खत्म हो नक्सलवाद

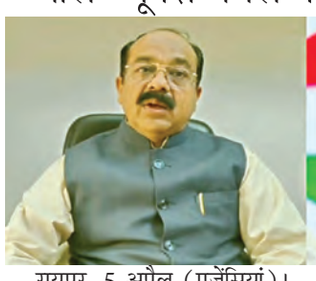

रायपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद और सुरक्षाबलों की तैनाती को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बस्तर से सुरक्षाबलों की वापसी पर उठे सवालों के बीच उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा है कि भूपेश बघेल कभी नहीं चाहते थे कि छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म हो। इन्हें प्रदेश के विकास और खुशहाली से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जब समय आएगा तो सुरक्षा जवान भी लौटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भूपेश ने अपनी सरकार में पुलिस और जवानों के हाथ बांध दिए थे। सुरक्षाबलों को पूरी स्वतंत्रता नहीं दी गई। जब इनकी सरकार बनी तो नक्सलियों ने खुशी मनाई थी। आज भी इनकी मंशा बार-बार स्पष्ट हो रही है।

सुरक्षाबलों की वापसी को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय परिस्थितियों के अनुसार लिया जाएगा। जब हालात पूरी तरह नियंत्रण में होंगे, तब ही जवानों की वापसी पर विचार किया जाएगा। वहीं नक्सल प्रभावित लोगों के पुनर्वास को लेकर सरकार की योजना पर भी उन्होंने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के लिए बेहतर पुनर्वास नीति तैयार की है, ताकि वे मुख्यधारा से जुड़ सकें। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

खनिज विभाग की सख्त कार्रवाई अवैध

चार क्रेशर को किया गया सील

रायपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर जिले में अवैध खनन और नियमों की अनदेखी पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। इसी कड़ी में धरसींवां क्षेत्र में खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार क्रेशर इकाइयों को सील कर दिया। यह अभियान कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर चलाया गया।

खनिज विभाग की टीम ने खरोरा ब्लॉक के धनसुली और मुरा गांव में अचानक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई खदानों और क्रेशर इकाइयों में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अधिकारियों ने पाया कि कुछ स्थानों पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करते हुए खनन किया जा रहा था, वहीं कई जगहों पर निर्धारित सीमा से अधिक खनिज का भंडारण भी किया गया था।

जांच के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित चार क्रेशर इकाइयों को बंद कर दिया और संचालकों को नोटिस जारी किए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों के खिलाफ किसी भी तरह की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भी खनिज विभाग ने मंदिरहसौद क्षेत्र में इसी तरह की कार्रवाई की थी।

लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से साफ है कि प्रशासन अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए सख्ती से कदम उठा रहा है।

खनिज राजस्व में 14 फीसदी की वृद्धि

16 हजार 625 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित

रायपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में वित्तीय वर्ष 2025–26 में खनिज क्षेत्र से होने वाली आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य ने कुल 16 हजार 625 करोड़ रुपये का खनिज राजस्व अर्जित किया है। यह राशि तय लक्ष्य के करीब 98 फीसदी है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

खनिज विभाग के अनुसार, इस साल राजस्व में 14 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि पिछले पांच वर्षों की औसत वृद्धि दर से भी अधिक है। खनिज विभाग के सचिव पी दयानंद ने इस वृद्धि के कई कारण बताए हैं। इनमें एनएमडीसी व अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के परिवहन मार्गों का बेहतर प्रबंधन शामिल है। इससे खनिज परिवहन की दक्षता

बढ़ी और राजस्व संग्रह में सुधार आया। 'खनिज 2.0' जैसे अंकीय प्लेटफॉर्म ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस प्लेटफॉर्म ने खनन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया है। पारदर्शिता बढ़ने से अवैध खनन पर रोक लगी और राजस्व रिसाव कम हुआ।

परिवहन मार्गों के बेहतर प्रबंधन से खनिज ढुलाई सुगम हुई है। एनएमडीसी जैसे बड़े सार्वजनिक उपक्रमों को इसका सीधा लाभ मिला। 'खनिज 2.0' ने खनन लाइसेंसिंग और निगरानी को सरल बनाया। यह अंकीय प्लेटफॉर्म खनन गतिविधियों को व्यवस्थित करने में सहायक रहा। इन प्रयासों से राजस्व संग्रह में दक्षता और पारदर्शिता आई है।

सरकार अब गौण खनिजों को भी अंकीय प्रणाली से जोड़ने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य पूरी खनन व्यवस्था को एकीकृत और अधिक प्रभावी बनाना है। खनिज परिवहन पर निगरानी बढ़ाने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल होगा। वीटीएस, आई-चेक गेट्स और ड्रोन तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाएगा। ये कदम भविष्य में राजस्व वृद्धि और पारदर्शिता को और मजबूत करेंगे।

धनबाद में गैस लीक से तीन की मौत

कबाड़ चोरी के दौरान हुआ हादसा, मचा हड़कंप

रांची, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले में रविवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां गैस लीक होने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह घटना कथित तौर पर कबाड़ चोरी के दौरान हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना धनबाद के मुनीडीह इलाके में रविवार तड़के करीब 1 बजे हुई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। मुनीडीह थाना प्रभारी मणिका तिवारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ लोग लोहे का कबाड़ चोरी करने के लिए वहां पहुंचे थे। ऐसा लग रहा है कि उन्होंने एक भरे हुए गैस सिलेंडर को काट दिया, जिससे गैस लीक होने लगी। गैस की गंध इतनी तेज थी कि मौके पर मौजूद लोग बेहोश हो गए। धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधीक्षक दिनेश कुमार गिंदोरिया ने बताया कि कुल पांच लोगों को अस्पताल लाया गया था।

नशे के खिलाफ दुर्ग पुलिस की कार्रवाई

पहली बार हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने हाइड्रोपोनिक गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के आरोपियों के पास से 2 किग्रा सामान्य गांजा और 2.3 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा, नगदी समेत अन्य सामग्री बरामद की है। प्रकरण में मादक पदार्थ के स्रोत एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

पुलिस प्रवक्ता एएसपी मणिशंकर चन्द्रा ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि बोरसी रोड स्थित बीज विकास निगम के पास रुआबांधा क्षेत्र में कुछ व्यक्ति गांजा बेच रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया। युवकों की तलाशी में उनके पास से हाइड्रोपोनिक गांजा और सामान्य गांजा समेत अन्य सामग्री बरामद किया है।

पुलिस ने विक्रम साहू निवासी तालपुरी और यश विश्वकर्मा निवासी हुडको को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 2 किग्रा गांजा और 2.3 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा, 40 हजार नगदी व अन्य सामग्री बरामद की है।

पुलिस ने दो युवकों को एनडीपीएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। हाइड्रोपोनिक गांजा की कीमत एक लाख और सामान्य गांजा की कीमत एक लाख रुपये आंकी गई है।

'राजद को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा', तेजस्वी यादव का बड़ा बयान

रांची, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची के कार्निवल हॉल में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यभर से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक सशक्त बनाना बेहद जरूरी है। इसके लिए हर कार्यकर्ता को रोज कम से कम

एक घंटा संगठन के लिए देना होगा और जनता की समस्याओं को उठाना होगा।

उन्होंने आगामी परिसीमन का जिक्र करते हुए कहा कि झारखंड में सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना है। ऐसे में राजद को अभी से सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में पार्टी पूरे राज्य में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी।

केंद्र की राजनीति पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अगली सरकार राजद के नेतृत्व में बनने की संभावना है। बिहार के संदर्भ में उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का जनादेश उनके पक्ष में था, लेकिन सरकारी तंत्र के दुरुपयोग से एनडीए ने सत्ता हासिल की। झारखंड की राजनीति पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यहां राजद, हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में सहयोगी की भूमिका निभा रही है और गठबंधन मजबूत है।

कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें शक्ति सिंह यादव, संजय सिंह यादव, जयप्रकाश यादव, सुरेश पासवान, संजय प्रसाद यादव, सत्यानंद भोक्ता, रंजन यादव, अनिता यादव और रश्मि सिंहा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल थे।

मध्यप्रदेश के 126 अस्पतालों की आयुष्मान मान्यता खत्म

इनमें भोपाल के 51, इंदौर के 30 अस्पताल; एनएबीएच सर्टिफिकेट नहीं दिया, फ्री इलाज बंद

भोपाल, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 126 अस्पतालों की मान्यता खत्म कर दी है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में यह कदम उन अस्पतालों पर उठाया गया है, जिन्होंने एनएबीएच सर्टिफिकेट की जानकारी तय समय में नहीं दी।

आयुष्मान कार्यालय ने पहले अस्पतालों को नोटिस देकर मौका दिया था, लेकिन इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। रविवार 12 बजे इन अस्पतालों को नोटिस देकर जानकारी दी जाएगी। अब इन अस्पतालों में आयुष्मान के तहत मुफ्त इलाज नहीं मिलेगा। प्रदेश के चार बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में कुल 398 अस्पताल योजना से जुड़े हैं। इनमें से 126 अस्पताल एनएबीएचसर्टिफिकेट की जानकारी नहीं दे सके, जिस कारण उन पर कार्रवाई हुई। इनमें भोपाल के 51, इंदौर-30, ग्वालियर-33 और जबलपुर के 12 अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश के सीईओ डॉ. योगेश भरसट ने कहा, यह कदम अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, ताकि मरीजों को सुरक्षित और बेहतर इलाज मिल सके। एनएबीएच सर्टिफिकेट न देने वाले अस्पतालों की आयुष्मान संबद्धता रद्द कर दी गई है। कई नोटिस देने के बावजूद डॉक्यूमेंट नहीं जमा हुए। निजी अस्पतालों का कहना है कि सर्टिफिकेट प्रक्रिया महंगी और लंबी है, इसलिए छोटे अस्पताल समय पर पूरा नहीं कर पाए।

कानपुर-मथुरा समेत 5 जिलों में ओले गिरे, 10 में बारिश

आंधी-बिजली से 15 मौतें; बर्बाद फसल देख किसान सिर पकड़कर बैठा

कानपुर/वाराणसी/लखनऊ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 72 घंटे में 15 लोगों की मौत हो गई। शनिवार शाम को शुरू हुई बारिश रविवार को भी जारी रही। काशी, गोंडा, सल्तानपुर समेत 10 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई। 40-50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चली।

कानपुर, मथुरा, संभल और हाथरस में ओले गिरे। जालौन में 24 घंटे में दूसरी बार ओलों की बारिश हुई। सड़क और खेतों में बर्फ की चादर बिछ गई। इससे गेहूं और सरसों की फसल को नुकसान हुआ है। एक किसान अपनी बर्बाद फसल देखकर सिर पकड़कर खेत में बैठ गया। उसने कहा, "मर गए... पूरी फसल बर्बाद हो गई। कुछ नहीं बचा। अब क्या खाएंगे।"

मौसम विभाग ने आज 23 जिलों में बारिश और 15 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। शनिवार की बात करें तो 15 जिलों में बारिश हुई। जालौन-कानपुर समेत 5 जिलों में ओले गिरे। कानपुर में आंधी से 200 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। चलते ऑटो पर बरगद का पेड़ गिर पड़ा। ड्राइवर और 60 साल की महिला की मौत हो गई।

सोने, चांदी, प्लैटिनम से बनी सभी चीजों के आयात पर पाबंदी

इनका मकसद मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के दुरुपयोग को रोकना है

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। इसके तहत उसने तत्काल प्रभाव से सोने, चांदी और प्लैटिनम से बनी सभी तरह की चीजों के आयात पर सख्त पाबंदियां लगा दी हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने इन नई बंदिशों को जारी किया है। इनका मकसद उन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के दुरुपयोग को रोकना है, जिनका फायदा उठाकर कुछ आयातक चोरी-छिपे कीमती धातुएं देश में ला रहे थे।इस अधिसूचना में साफ किया गया है कि आयात पर लगी ये पाबंदियां सभी मामलों पर लागू होंगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पहले से कोई कॉन्ट्रैक्ट हुआ था या कोई ऐसा 'लेटर ऑफ क्रेडिट' जारी हुआ था जिसे रद्द नहीं किया जा सकता। या फिर कोई एडवांस पेमेंट किया गया था या माल पहले ही भेजा जा चुका था। ये नए नियम इन सभी पर भारी पड़ेंगे।सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि जो माल अभी रास्ते में है, उसके लिए किसी भी तरह की छूट या विशेष व्यवस्था नहीं की जाएगी। डीजीएफटी की अधिसूचना के अनुसार, आईटीसी (एचएस) कोड के 'चैप्टर 71' के तहत आने वाली सभी चीजों के लिए इंपोर्ट पॉलिसी और शर्तें तत्काल प्रभाव से बदल दी गई हैं।

किन-किन चीजों पर पड़ेगा असर?

इस चैप्टर में कई अलग-अलग तरह के उत्पादों का जिक्र किया गया है। इनमें बिना तराशे हुए मोती, तराशे हुए मोती, रत्न (कीमती और अर्ध-कीमती दोनों), कीमती और गैर-कीमती धातुएं, इन धातुओं से बनी चीजें, कीमती धातुओं की परत चढ़ी चीजें, नकली आभूषण और करेंसी शामिल हैं।

क्यों बेहद अहम है यह कदम?

देश में कीमती धातुओं की एंट्री को कंट्रोल करने के लिए सरकार की ओर से अब तक उठाया गया यह सबसे अहम कदम है।भारत में सोने की खपत दुनिया के किसी भी अन्य देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। लिहाजा, आयात पर लगी पाबंदियों में किसी भी बदलाव का सीधा असर आभूषण उद्योग पर पड़ेगा। साथ ही सराफा बाजार और आभूषणों की खुदरा कीमतों पर भी इसका असर देखने को मिलेगा।

सरकार ने यह कदम अभी क्यों उठाया?

कुछ व्यापारी एफटीए पार्टनर देशों के रास्ते सोने और चांदी को देश में ला रहे थे।

वे इन देशों से आने वाली धातुओं में बहुत मामूली बदलाव करते थे। फिर शुल्क में मिलने वाली छूट (ड्यूटी बेनिफिट्स) का दावा करते थे।

इससे देश के घरेलू उद्योग को भारी नुकसान पहुंच रहा था। सरकार के राजस्व पर भी बुरा असर पड़ रहा था।इन कमियों को दूर करके केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि देश में केवल वैध व्यापार ही हो। कीमती धातुओं के आयात को बेहतर ढंग से कंट्रोल किया जा सके।

कैसे पड़ सकता है इसका असर?

ज्वेलरी सेक्टर में देश भर में लाखों कारीगरों को रोजगार मिला हुआ है। इस फैसले का असर सेक्टर पर पड़ने की पूरी संभावना है। कई छोटे और मंझोले आभूषण निर्माता, आभूषण बनाने के लिए आयातित सोने और चांदी पर ही निर्भर रहते हैं।उम्मीद है कि उद्योग जगत के प्रतिनिधि जल्द ही सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे ताकि वे इस फैसले के सही मायने समझ सकें।

लगातार छठे हफ्ते बाजार को नुकसान

भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा चपत, टीसीएस फायदे में

नई दिल्ली,5 अप्रैल(एजेंसियां)। पिछले हफ्ते शेयर बाजार में दो दिन छुट्टी रही। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 263.67 अंक या 0.35 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 106.5 अंक या 0.46 प्रतिशत के नुकसान में रहा। यह लगातार छठा सप्ताह है जबकि बाजार नुकसान में रहा है। सेंसेक्स की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में कुल 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही जबकि टीसीएस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ।

इस दौरान भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार छठे हफ्ते रही गिरावट सेंसेक्स की टॉप 6 कंपनियों ने गंवाए 65,000 करोड़ एयरटेल को सबसे ज्यादा 29,993.07 करोड़ का घाटा टीसीएस को सबसे ज्यादा 22,359.78 करोड़ का फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

भारत का रेगिस्तान उगलने लगा तेल

ईरान युद्ध के बीच बड़ी सफलता, अब तक का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन

नई दिल्ली,5 अप्रैल(एजेंसियां)। सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। राजस्थान के थार रेगिस्तान से कच्चे तेल (क्रूड) का उत्पादन बढ़ाकर उसने ऐसा किया है। कंपनी ने जोधपुर सैंडस्टोन फॉर्मेशन से अब तक का सबसे ज्यादा आउटपुट दर्ज किया है। यह भारत की घरेलू ऊर्जा क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिश को दिखाता है। अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध से जुड़ी बढ़ती अनिश्चितताओं और ग्लोबल ऑयल मार्केट्स में उतार-चढ़ाव के बीच यह खबर राहत देने वाली है।

ऑयल इंडिया लिमिटेड ने उत्पादन बढ़ाकर 1,202 बैरल प्रतिदिन कर दिया है। यह पिछले साल के 705 बैरल प्रतिदिन की तुलना में भारी बढ़ोतरी है। लगभग 70 फीसदी की छलांग। जैसलमेर के बाघेवाला क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल को टैंकरों के जरिए गुजरात के मेहसाणा में स्थित ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) की सुविधाओं तक पहुंचाया जाता है। वहां से इसे पाइपलाइनों के जरिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की ओर से संचालित कोयली रिफाइनरी तक भेजा जाता है। इससे व्यवस्थित सप्लाई चेन सुनिश्चित होती है। कंपनी के सालाना उत्पादन आंकड़े भी इस बढ़ते ट्रेंड को दिखाते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उत्पादन 43,773 टन तक पहुंच गया। यह पिछले वर्ष के 32,787 टन से अधिक है। इससे लगातार बढ़ोतरी का पता चलता है। एक अधिकारी ने कहा, 'यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। खासकर थार क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण भूवैज्ञानिक स्थितियों को देखते हुए। भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में यह गैर-पारंपरिक संसाधनों की क्षमता को हाईलाइट करता है।'कंपनी ने 19 कुओं में सीएसएस संचालन किया है। पिछले वर्ष की तुलना में यह लगभग 72 फीसदी अधिक है। 13 नए कुएं खोदे हैं। जबकि पहले नौ कुएं खोदे गए थे। इन प्रयासों ने उत्पादन के ऊंचे स्तर को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।बीकानेर-नागौर उप-बेसिन में स्थित बाघेवाला तेल क्षेत्र भारत के कुछ ही ऑनशोर (जमीन पर स्थित) भारी तेल भंडारों में से एक है।

न पारसी और न मुंबईकर! टाटा ट्रस्ट में सामने आया नया विवाद, वेणु श्रीनिवासन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,5 अप्रैल(एजेंसियां)। टीवीएस मोटर के चेयरमैन एमिरेटस वेणु श्रीनिवासन ने टाटा के एक ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने बिजनेस में व्यस्तता का हवाला देते हुए बाई हीराबाई जमशेतजी टाटा नवसारी चेरिटेबल इंस्टीट्यूशन से रिजाइन दिया है। लेकिन उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है जब पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने ट्रस्टीशिप को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की है।

इसमें कहा गया है कि बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चेरिटेबल इंस्टीट्यूशन में गैर-पारसी और कोई ऐसा व्यक्ति ट्रस्टी नहीं बन सकता है जो मुंबई का निवासी न हो। मिस्त्री ने शुक्रवार को महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के समक्ष एक याचिका दायर की। उनकी दलील है कि ट्रस्ट की 1923 की डीड के मुताबिक इसमें गैर-पारसी और गैर-मुंबईकर ट्रस्टी नहीं बन सकता है। यह कंडीशन केवल बीएचआई पर लागू होती है और टाटा के नौ अन्य ट्रस्ट पर लागू नहीं होती। सूत्रों का कहना है कि श्रीनिवासन ने केवल बीएचआई से इस्तीफा दिया है और वह बाकी ट्रस्टों में बने हुए हैं। इस बारे में श्रीनिवासन ने उन्हें भेजे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

क्या है मामला?

बीएचआई के मौजूदा ट्रस्टीज में नोएल टाटा, जिम्मी टाटा, जहांगीर , डेरियस खंबाटा और विजय सिंह शामिल हैं। अभी यह साफ नहीं है कि पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी विजय सिंह अपनी पोजीशन पर पुनर्विचार करेंगे या नहीं। उन्होंने मिस्त्री की याचिका पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

मिस्त्री का कहना है कि श्रीनिवासन और सिंह न तो पारसी हैं और न ही मुंबई के निवासी। इसलिए वे बीएचआई के ट्रस्टी नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी ट्रस्टियों से यह हलफनामा देना चाहिए कि वे ट्रस्टी बनने के लिए सभी शर्तों पर खरे उतरते हैं। अगर कोई भी ट्रस्टी अयोग्य पाया जाता है तो बीएचआई के बोर्ड में सदस्यों की संख्या मिनिमम नंबर 5 से कम हो जाएगी। ट्रस्ट की डीड के मुताबिक ट्रस्टियों की संख्या 8 से अधिक और 5 से कम नहीं हो सकती। वेणु श्रीनिवासन चार साल के अंतराल के बाद फिर से टीवीएस ग्रुप की कंपनी सुंदरम क्लेटन के चेयरमैन बने हैं। बीएचआई का गठन टाटा ग्रुप के फाउंडर जमशेदजी टाटा के छोटे बेटे सर रतनजी टाटा की वसीयत के मुताबिक गठित किया गया था। इस ट्रस्ट के पास गुजरात के नवसारी में प्रॉपर्टीज है। इसमें एक अग्नि मंदिर और एक स्कूल शामिल है।

सामाजिक न्याय: एक साल में 11,810 करोड़ खर्च

नशा मुक्ति जैसी कई योजनाओं पर जोर; इस रिकॉर्ड व्यय का मकसद क्या?

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)।केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सबसे अधिक खर्च दर्ज किया है। मंत्रालय ने इस दौरान कुल 11,810.82 करोड़ खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले करीब 14 प्रतिशत ज्यादा है। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह खर्च मंत्रालय के तहत आने वाले सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा किया गया है। सरकार का कहना है कि यह राशि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाती है। खास बात यह है कि अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए चल रही योजनाओं पर भी इस साल रिकॉर्ड स्तर पर खर्च किया गया है। इससे इन वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।इसके अलावा नशा मुक्ति (ड्रग डिमांड रिडक्शन), सफाई कर्मचारियों के कल्याण, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर समुदाय और भिक्षावृत्ति में लगे लोगों के पुनर्वास से जुड़े कार्यक्रमों पर भी पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि यह बढ़ा हुआ खर्च सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है।

अमेरिका के ट्रेड डेफिसिट में इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट, नौकरियों की बहार

वाशिंगटन,5 अप्रैल(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के लिए अच्छी खबर है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनकी आर्थिक नीतियों के कारण देश के ट्रेड डेफिसिट में 55 फीसदी गिरावट आई है। उन्होंने इसका श्रेय टैरिफ को देते हुए कहा कि यह अमेरिका के इतिहास में ट्रेड डेफिसिट में सबसे बड़ी गिरावट है। साथ ही जॉब ग्रोथ में मजबूती आई है। अमेरिका की इकॉनमी में मार्च में 178,000 नए जॉब्स क्रिएट हुए जो पिछले साल मार्च के बाद किसी एक महीने में जॉब एडिशन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी गिरकर 4.3 फीसदी रह गई। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि रोजगार में बढ़ोतरी और ट्रेड डेफिसिट में गिरावट इस बात का सबूत है कि उनकी टैरिफ की नीति काफी कारगर है। उन्होंने कहा, 'न केवल जॉब्स के नंबर ग्रेट थे बल्कि ट्रेड डेफिसिट में भी 55 फीसदी गिरावट आई है जो इतिहास में सबसे बड़ी गिरावट है। थैंक यू मिस्टर टैरिफ! इन उपलब्धियों के साथ-साथ हम न्यूक्लियर ईरान से भी मुक्ति पा रहे हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन।'

मार्च में जॉब के आंकड़े

यूएस ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स के मुताबिक मार्च में अमेरिका में 178,000 नई नौकरियां एड हुईं जबकि इस दौरान 8,000 सरकारी नौकरियों का नुकसान हुआ। ये आंकड़े अर्थशास्त्रियों की उम्मीद से कहीं बेहतर हैं और अनुमानों से करीब तीन गुना ज्यादा हैं। इससे पहले फरवरी में देश में 133,000 जॉब्स कम हुए थे। मार्च में लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट भी गिरकर 61.9 फीसदी रह गया जो नवंबर 2021 के बाद सबसे कम है। इससे पहले ट्रंप ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा था कि उनकी आर्थिक नीतियों ने देश में ग्रोथ का एक पावरफुल इंजन तैयार किया है जिसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, 'सभी को गुड फ्राइडे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! विशेष रूप से उन 186,000 अमेरिकन लोगों को, जिन्हें सिर्फ मार्च महीने में प्राइवेट सेक्टर में नौकरी मिली। मेरी आर्थिक नीतियों ने आर्थिक विकास का एक बेहद शक्तिशाली इंजन तैयार किया है और अब कोई इसकी रफ्तार धीमी नहीं कर सकता।'

अमेरिका का कर्ज

ट्रंप ने कहा कि टैरिफ की वजह से देश में ऑनशोरिंग और भारी निवेश आ रहा है। इससे फैक्ट्री निर्माण से जुड़ी नौकरियां तेजी से बढ़ रही हैं। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब एक ही साल में देश का ट्रेड डेफिसिट 52% तक कम हो गया है। हालांकि अमेरिका का कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। देश की फेडरल गवर्नमेंट यानी संघीय सरकार का कर्ज पहली बार 39 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है जो देश की जीडीपी का 124 फीसदी है।

ग्लोबल टेंशन के बीच रेपो रेट पर क्या होगा फैसला? एसबीआई रिपोर्ट का दावा

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कल यानी 6 अप्रैल से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की नई मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू होने जा रही है. जिस पर लोगों की खास नजर बनी हुई है. मौजूदा वैश्विक हालात, खासकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि आरबीआई फिलहाल रेपो रेट में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट भी यही संकेत देती है कि इस समय केंद्रीय बैंक सतर्क रुख अपनाते हुए ब्याज दरों को स्थिर रख सकती है. आइए जानते हैं, इस विषय में...

रेपो रेट पर क्या रह सकता है आरबीआई का फैसला?

मौजूदा हालात को देखते हुए आरबीआई इस बार रेपो रेट में बदलाव करने से बच सकती है. एसबीआई की रिसर्च के मुताबिक, दरें करीब 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रह सकती हैं. इसकी बड़ी वजह मिडिल ईस्ट में जारी तनाव है. जिससे वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है. खासकर होर्मुज स्ट्रेट में जारी रुकावट के चलते कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं.

भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर

वैश्विक स्तर पर बनी इन परिस्थितियों का असर भारत की अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है. भारतीय करेंसी रुपया लगातार कमजोर हो रही है. रुपया अब तक के अपने सबसे नीचले स्तर पर पहुंच गया था. ऐसे में आरबीआई रेपो रेट में बदलाव करने से दूरी बना सकती हैं.

महंगाई को लेकर आगे की राह कठिन

आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव कम होने की संभावना कम दिख रही है. भारतीय स्टेट बैंक की रिसर्च के अनुसार, अगले तीन तिमाहियों तक सीपीआई महंगाई 4.5 फीसदी से ऊपर बनी रह सकती है. इसके साथ ही संभावित सुपर अल नीनो का असर भी कीमतों को और बढ़ा सकता है. जिससे हालात और चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं.

पूरा बदल जाएगा अमृत भारत एक्सप्रेस का लुक

रेलवे ने तैयार किया आकर्षक सैंपल कोच

नई दिल्ली,5 अप्रैल(एजेंसियां)। अमृत भारत एक्सप्रेस में सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए रेलवे ने नए डिजाइन के कोच और बेहतर टॉयलेट्स के मॉडल तैयार किए हैं। इन कोचों को अलग-अलग इंटीरियर कलर थीम से सजाया गया है। अमृत भारत एक्सप्रेस एक आधुनिक नॉन-एसी सुपरफास्ट ट्रेन सेवा है। यह सस्ती लेकिन लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है। इसे 30 दिसंबर 2023 को लॉन्च किया गया था।

अभी देश में करीब नौ रूट्स पर अमृत भारत एक्सप्रेस चल रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत एक्सप्रेस के सैंपल कोचेज का निरीक्षण किया। अमृत भारत एक्सप्रेस एक आधुनिक और पूरी तरह नॉन-एसी लंबी दूरी की स्लीपर क्लास ट्रेन सर्विस है। इसे पीक माइग्रेशन और फेस्टिव सीजन के दौरान यात्रियों की भारी भीड़भाड़ को हैंडल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका 1000 किमी तक का किराया 500 रुपये है। हर ट्रेन में 11 जनरल कोच, 8 स्लीपर कोच, 1 पैंट्री कार और दो सेकेंड क्लास-कम-लगेज डिब्बे होते हैं। रेलवे अब अमृत भारत एक्सप्रेस के कोच में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसमें पीवीसी फ्लोरिंग, सीट और बर्थ की रेक्सिन, स्नैक टेबल, पर्दे और टॉयलेट जैसी मुख्य चीजों में एक जैसे शेड्स का इस्तेमाल किया गया है। इन कोचों में इस्तेमाल किया गया सारा मटीरियल एचएल3 फायर सेफ्टी स्टैंडर्ड के मुताबिक है। इससे यात्रियों की सुरक्षा का स्तर बढ़ेगा और साथ ही कोच देखने में भी ज्यादा आकर्षक लगेंगे।

रेलवे का कहना है कि यह कलर स्कीम एक आधुनिक, एलिगेंट और यूनिफॉर्म लुक देती है। साथ ही यह मजबूत है और इसका रखरखाव भी आसान है। यह पहल भारतीय रेल के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य रोलिंग स्टॉक का आधुनिकीकरण करना, ट्रेन के भीतर के माहौल को बेहतर बनाना और सभी श्रेणियों के यात्रियों को एक सुरक्षित, आरामदायक और विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति		
सूर्य	मीन	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मीन....	05-00 बजे
मेष.....	08-36 बजे
वृष.....	08-20 बजे
मिथुन..	10-21 बजे
कर्क....	12-33 बजे
सिंह----	14-45 बजे
कन्या---	16-52 बजे
तुला----	18-57 बजे
वृश्चिक.	21-07 बजे
धनु.....	23-20 बजे
मकर...	01-27 बजे
कुंभ....	03-17 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
सूर्योदय 06-11
सूर्यास्त. 18 -26
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष सोमवार 06 April 2026
तिथि - चतुर्थी 14-10 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - अनुराधा 02-56 रात तक उप ज्येष्ठा
योग - सिद्धि 15-25 तक उप व्यतिपात
करण - बालव 14-10 तक उप कौलव
विशेष: सर्वार्थ सिद्धि योग 06-28 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
07-41 से.
09-13 तक.

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		
चंचल	18-26 - 19-56	शुभ
रोग	19-56 - 21-24	अशुभ
काल	21-24 - 22-51	अशुभ
लाभ	22-51 - 00-18	शुभ
उत्पात	00-18 - 01-46	अशुभ
शुभ	01-46 - 03-13	शुभ
अमृत	03-13 - 04-40	शुभ
चंचल	04-40 - 06-10	शुभ

रात का चौघडिया		
चंचल	18-26 - 19-56	शुभ
रोग	19-56 - 21-24	अशुभ
काल	21-24 - 22-51	अशुभ
लाभ	22-51 - 00-18	शुभ
उत्पात	00-18 - 01-46	अशुभ
शुभ	01-46 - 03-13	शुभ
अमृत	03-13 - 04-40	शुभ
चंचल	04-40 - 06-10	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगी । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा ।आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा |यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है |आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

अपने वादों का सम्मान करें। आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन ग्रहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योंकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है ।आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़'

आखिर अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार से ऐसा क्यों कहा?

जयपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सीरीज 'इंतजारशास्त्र' के माध्यम से भाजपा सरकार की घेराबंदी जारी रखी है। रविवार 5 अप्रैल को जारी 'चैप्टर-14' में उन्होंने जोधपुर में निर्माणाधीन 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' के काम में हो रही देरी को मुद्दा बनाया है। गहलोत का आरोप है कि यह संस्थान राजस्थान के युवाओं को AI और साइबर सिक्योरिटी जैसी आधुनिक तकनीकों में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए मील का पत्थर साबित होना था, लेकिन वर्तमान सरकार की 'राजनीतिक द्वेष' की भावना ने इसे अधर में लटका दिया है।

अशोक गहलोत ने अपने पोस्ट में कहा कि जिस संस्थान का काम मार्च 2024 तक पूरा होकर युवाओं के लिए खुल जाना चाहिए था, वह आज भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण अधूरा पड़ा

है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इस संकल्प के साथ इसकी नींव रखी थी कि राजस्थान का युवा दुनिया की बदलती तकनीक के साथ कदम से कदम मिला सके।

गहलोत ने इस प्रोजेक्ट के अटकने के पीछे फंड की कमी का बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया किः केंद्र सरकार का रुखः 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के बावजूद केंद्र ने इस संस्थान के लिए 400 करोड़ का फंड देने से साफ इनकार कर दिया।

राज्य की भूमिकाः केंद्र से सहयोग न मिलने के बाद अब प्रदेश की भाजपा सरकार भी इस प्रोजेक्ट की गति धीमी कर रही है, जिससे युवाओं के कौशल विकास को नुकसान पहुँच रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सीधा सवाल किया है, 'आखिर भाजपा को प्रदेश की प्रगति और युवाओं के कौशल विकास से क्या आपत्ति है?' उन्होंने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन जनहित की परियोजनाओं को रोकना प्रदेश को पीछे धकेलने जैसा है। गहलोत ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस 'इंतजार' को तुरंत खत्म कर संस्थान का काम पूरा करवाया जाना चाहिए।

राजस्थान के युवाओं का भविष्य दांव पर

जोधपुर का यह फिनटेक इंस्टीट्यूट केवल एक इमारत नहीं, बल्कि राजस्थान को 'डिजिटल हब' बनाने का एक सपना है। गहलोत के अनुसार, यहाँ युवाओं को AI, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे आधुनिक विषयों में ट्रेनिंग मिलनी थी। देरी के कारण हजारों छात्र इन अवसरों से वंचित रह रहे हैं।

'इंतजारशास्त्र' सीरीज के हर नए चैप्टर के साथ जनता के बीच चर्चा तेज हो रही है। जोधपुर के युवाओं और आईटी सेक्टर से जुड़े लोगों ने भी इस प्रोजेक्ट की सुस्त रफ्तार पर चिंता जताई है। विपक्ष इसे सरकार की 'विफलता' के रूप में पेश कर रहा है, वहीं सरकार की ओर से अभी इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार

363 करोड़ का 'सुपर' एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा : नितिन गडकरी

उदयपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के दक्षिण द्वार कहे जाने वाले उदयपुर-रतनपुर-शामलाजी सेक्शन पर अब सफर और भी सुगम होने वाला है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए बताया कि उदयपुर के खेरवाड़ा कस्बे में एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 363.89 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी गई है। यह परियोजना न केवल खेरवाड़ा शहर के भीतर ट्रैफिक के दबाव को कम करेगी, बल्कि गुजरात-राजस्थान सीमा पर होने वाले सड़क हादसों पर भी लगाम लगाएगी।

खेरवाड़ा शहर एनएच-48 पर स्थित एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है। उदयपुर से अहमदाबाद जाने वाले भारी वाहनों और स्थानीय ट्रैफिक के एक ही सड़क पर होने के कारण यहाँ आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती थी।

स्थानीय नागरिक लंबे समय से यहाँ एक 'ऊंची संरचना' या एलिवेटेड रोड की मांग कर रहे थे। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि गडकरी ने स्पष्ट किया कि यह परियोजना जनता की इसी मांग को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। नेशनल हाईवे-48 का यह हिस्सा 'ब्लैक-स्पॉट्स' (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) के लिए भी जाना जाता है।

सुरक्षा में सुधारः एलिवेटेड कॉरिडोर बनने से स्थानीय ट्रैफिक और हाईवे का थ्रू-ट्रैफिक (बाहर से आने वाले वाहन) अलग-अलग हो जाएंगे।

हादसों में कमीः क्रॉसिंग और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहनों का टकराव कम होगा, जिससे सड़क सुरक्षा के मानकों में व्यापक सुधार होगा।

वर्तमान में खेरवाड़ा कस्बे से गुजरने में भारी वाहनों को काफी समय लगता है। एलिवेटेड स्ट्रक्चर तैयार होने के बादः

फास्ट मूवमेंटः लंबी दूरी के वाहन बिना किसी रुकावट के कस्बे के ऊपर से निकल सकेंगे।

स्थानीय राहतः शहर के नीचे की सड़कों पर स्थानीय वाहनों, पैदल यात्रियों और व्यापारियों के लिए पर्याप्त जगह होगी, जिससे यात्रा का समय बचेगा और ईंधन की खपत भी कम होगी।

मेवाड़ और वागड़ की अर्थव्यवस्था को मिलेगा संबल

उदयपुर संभाग के लिए यह हाईवे 'लाइफलाइन' की तरह है। दिल्ली से मुंबई को जोड़ने वाले इस रूट पर खेरवाड़ा एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

पर्यटनः उदयपुर आने वाले पर्यटकों के लिए गुजरात की ओर से आना और भी आसान होगा।

व्यापारः मालवाहक ट्रकों की आवाजाही तेज होने से लॉजिस्टिक्स सेक्टर को मजबूती मिलेगी।

363.89 करोड़ की लागत से बनने वाला यह कॉरिडोर आधुनिक इंजीनियरिंग का नमूना होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके टेंडर और निर्माण प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए हैं। नितिन गडकरी ने विश्वास जताया है कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से राजस्थान में सड़क बुनियादी ढांचे का एक नया अध्याय शुरू होगा।

पिता ने 3 जूते मारे तो विधायक बना

5 मारते तो सांसद बन जाता',बीजेपी विधायक का वीडियो वायरल

जोधपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में अपने बेबाक अंदाज के लिए पहचाने जाने वाले ओसियां विधायक भैराराम सियोल एक बार फिर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। जोधपुर में आयोजित एक धार्मिक जागरण कार्यक्रम के दौरान विधायक ने संस्कारों और माता-पिता के अनुशासन पर ऐसी बात कही, जिसने न केवल वहां मौजूद लोगों को हंसने पर मजबूर कर दिया। बल्कि सोशल मीडिया पर एक नई बहस भी छेड़ दी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भैराराम सियोल ने अपने बचपन के दिनों को याद किया। उन्होंने अनुशासन के महत्व को रेखांकित करते हुए मजाकिया लहजे में कहा, आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने माता-पिता के संस्कारों की वजह से हूं। बचपन में मेरे पिता ने मुझे तीन जूते (डांट/फटकार के संदर्भ में) मारे थे, तो आज मैं

विधायक बन गया। अगर उस समय उन्होंने मुझे पांच जूते मारे होते, तो शायद आज मैं सांसद होता।

उनके इस चुटीले अंदाज पर पंडाल ठहाकों से गूंज उठा। हालांकि, इस मजाकिया उदाहरण के जरिए विधायक सियोल एक गहरा संदेश देना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी माता-पिता के अनुशासन को 'बंधन' समझने लगी है, जबकि असल में वही अनुशासन व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारता है।

संस्कारों से ही संवरता है भविष्य

सियोल ने युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि माता-पिता का अनुभव जीवन की सबसे बड़ी पाठशाला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो बच्चे अपने बुजुर्गों का सम्मान करते हैं और उनके बताए रास्ते पर चलते हैं, वे कभी असफल नहीं होते।

विधायक के अनुसार, संस्कारों से दूर होने वाला युवा अक्सर जीवन की राह से भटक जाता है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को सुख-सुविधाओं के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दें।

यह पहला मौका नहीं है, जब भैराराम सियोल अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में आए हैं। इससे पहले भी वे प्रेम विवाह और भागकर शादी करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जता चुके हैं।

'लापरवाह अधिकारियों को नहीं मिलेगी छूट'

किसानों को मिलेगा मुआवजा : किरोड़ी लाल मीणा

कोटा, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले के दौरे पर पहुंचे कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने एक बार फिर लापरवाह अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा कि अगर आपदा से हुए नुकसान का मुआवजा किसानों तक नहीं पहुंचा और गरीब चक्कर काटने को मजबूर हैं, तो ऐसे अधिकारियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा इटावा कस्बे के ढीपरी चंबल गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान ओम बिरला भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने अधिकारियों की लापरवाही पर नाराजगी जताई और कहा कि जनता को परेशान करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर ढीपरी चंबल गांव से बूंदी जिले के चारणखुर्द तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा पुल बनाने की घोषणा की गई। यह पुल चंबल नदी पर बनाया जाएगा, जिसकी लागत करीब 256 करोड़ रुपये होगी। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने एक किसान के खेत पर जाकर वहां उगाए गए खरबूजे का स्वाद भी लिया और किसानों के साथ बातचीत की। कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि अब राजस्थान में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है और तीसरा फायदा यह है कि ओम बिरला जैसे नेता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याएं सुनते हैं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े फायदे के बावजूद अगर प्रदेश का किसान परेशान है, तो उनका कृषि मंत्री बनना बेकार है। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि चाहे किसान हाड़ौती का हो या पूरे राजस्थान का, आपदा से हुए नुकसान की एक-एक पाई उसे जरूर दी जाएगी।

किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि उन्हें नकली खाद और बीज की कई शिकायतें मिली हैं। जहां-जहां शिकायत मिली, वहां छापेमारी कर कार्रवाई की गई और लापरवाह लोगों को जेल भेजा गया। कई कंपनियों को भी बंद कराया गया है।

मेवाड़ संपत्ति विवाद पर आया नया मोड़

4 मई को होगी अगली सुनवाई

उदयपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। पूर्व राजपरिवार के दिवंगत सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम वसीयत को चुनौती देने वाली याचिका के दस्तावेजों के अध्ययन में मुंबई के डॉ. असीत सेठ का सर्टिफिकेट सामने आया है। यह सर्टिफिकेट 14 मई 2022 की तारीख का है। यह मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की बेटी पद्मजा कुमारी परमार की ओर से पेश दस्तावेज में शामिल है। पद्मजा ने पिता की संपत्ति के लिए लेटर्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (प्रशासन पत्र) की मांग की थी। सर्टिफिकेट में पिता अरविंद सिंह मेवाड़ की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्हे शराब का आदी बताया है।

गौरतलब है कि पद्मजा की याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले दिनों खारिज कर दी और भाई

लक्ष्यराजसिंह के केस के जवाब के तौर पर संदिग्ध परिस्थितियों से जुड़ी दलीलें पेश करने की अनुमति दी है। अगली सुनवाई 4 मई को होगी।

पद्मजा ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दावा पेश किया था कि बिना वसीयत बनाए पिता अरविंद सिंह की मौत हो गई। हाईकोर्ट ने पद्मजा कुमारी की ओर से पेश तथ्य के आधार फर याचिका को नॉन मेंटेनेबल माना। जस्टिस सुब्रमणियम प्रसाद ने कहा था कि लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ की ओर से पेश वसीयत की वैधता को लेकर विवाद उत्पन्न हो चुका है, इसलिए इस मुद्दे का फैसला उसी कार्यवाही में होगा, जो सिविल मुकदमे की तरह चलेगी।

अदालत ने कहा कि समान मुद्दे पर अलग से कार्यवाही चलाने से कानून की मंशा के विपरीत स्थिति बन सकती है। विरोधाभासी फैसले भी आ सकते हैं इसलिए जब तक भाई लक्ष्यराज सिंह की ओर से पेश वसीयतनामे से संबंधित दावा कोर्ट में लंबित है तब तक कानूनी कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जा सकती।

वहीं पद्मजा और लक्ष्यराज सिंह की बड़ी बहन भार्गवी कुमारी भी पद्मजा कुमारी के साथ है। सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष पेश प्रार्थना पत्र में भार्गवी कुमारी ने भी पिता को मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया था।

बीकानेर बॉर्डर पर हड़कंप, खाजूवाला में संदिग्ध विदेशी नागरिक पकड़ा गया

बीकानेर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले के खाजूवाला अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर इलाके में एक संदिग्ध विदेशी नागरिक के पकड़े जाने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की सतर्कता के चलते पुलिस ने समय रहते उसे हिरासत में ले लिया और अब उससे गहन पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार यह विदेशी नागरिक खाजूवाला मार्केट में घूम रहा था। इलाके में विदेशी व्यक्ति को देखकर स्थानीय लोगों को उस पर शक हुआ। संदेह होने पर लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही खाजूवाला पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध विदेशी नागरिक को डिटेन कर लिया। इसके बाद बीएसएफ, अन्य सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने संयुक्त रूप से उससे पूछताछ शुरू की।

प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि पकड़ा गया व्यक्ति डेनमार्क का निवासी है। बॉर्डर जैसे संवेदनशील इलाके में विदेशी नागरिक की मौजूदगी को सुरक्षा एजेंसियां गंभीरता से ले रही हैं। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है और उसकी गतिविधियों की जांच की जा रही है। पूछताछ के बाद संदिग्ध को आगे की जांच के लिए बीकानेर के जेआईसी भेजा जाएगा। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की हर एंगल से जांच कर रही हैं और पूरी जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

एसआई भर्ती रद्द होने पर बोले सांसद हनुमान बेनीवाल ? सरकार से कर दी बडी मांग

जयपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा SI भर्ती-2021 को निरस्त करने के ऐतिहासिक फैसले के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। रालोपा प्रमुख और सांसद हनुमान बेनीवाल ने कोर्ट की टिप्पणियों का स्वागत करते हुए कहा है कि यह न्यायपालिका का एक सकारात्मक कदम है। बेनीवाल ने आरोप लगाया कि पिछले 20-25 वर्षों में सरकारों ने अपने स्वार्थ के लिए आरपीएससी में जो राजनीतिक नियुक्तियां की हैं, उन्होंने इस पवित्र संस्था की गरिमा को मिट्टी में मिला दिया है।

हनुमान बेनीवाल ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच द्वारा की गई कड़ी टिप्पणियों का हवाला देते

हुए कहा कि जिन आरपीएससी सदस्यों पर पेपरलीक और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, उन्हें तुरंत पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। कोर्ट ने भी माना है कि परीक्षा से पहले आरपीएससी सदस्यों ने पेपर लीक किया था।

सांसद बेनीवाल ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विगत दो-ढाई दशकों में कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही सरकारों ने अपने चहेतों को RPSC में बैठाकर भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी की हैं।

गरिमा को ठेसः राजनीतिक नियुक्तियों के कारण संस्था की विश्वसनीयता खत्म हो गई है।

भ्रष्टाचार का केंद्रः बेनीवाल के अनुसार, आरपीएससी अब प्रतिभाओं को चुनने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है, जिसे अब साफ करने का समय आ गया है।

बेनीवाल ने राजस्थान की भजनलाल सरकार को चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि न्यायपालिका की इन टिप्पणियों को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

भाण्डू गांव के पास कार में भीषण आग

चालक संदिग्ध हालात में जिंदा जला

जोधपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। जोधपुर के बाड़मेर रोड पर रविवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई। भाण्डू गांव के पास एक पेट्रोल पंप के निकट खड़ी कार में अचानक आग लग गई, जिसमें चालक जिंदा जल गया। आग इतनी भीषण थी कि पूरी कार कुछ ही देर में जलकर खाक हो गई।

घटना के हालात सामान्य नहीं

स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के हालात सामान्य नहीं लग रहे हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि कार में आग लगाई गई हो सकती है और चालक को जानबूझकर जिंदा जलाया गया। हालांकि इस संबंध में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चालक की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव बुरी तरह झुलस गया।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटना के हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह हादसा था या किसी साजिश का हिस्सा। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है और लोग सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

साइबर ठगों की धरपकड़, 2 गिरफ्तार

टोंक, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। टोंक पुलिस की डीएसटी टीम ने ऑपरेशन हंटर के तहत साइबर ठगी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो पावर बाइकों के साथ कई फर्जी दस्तावेज और मोबाइल जब्त किए गए हैं। जांच में सामने आया कि इन आरोपियों ने 90 लाख रुपए से अधिक की ठगी की है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोबाइल पर फर्जी लिंक भेजकर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। आरोपियों के पास 100 से अधिक फर्जी सिम पाए गए, जिनका इस्तेमाल अलग-अलग नाम से कर साइबर फ्रॉड किया जाता था। दोनों आरोपी लंबे समय से फर्जी ट्रेड लिंक, सेक्सटॉर्शन, फर्जी बीमा कंपनियों के माध्यम से टेलीग्राम और व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर आम लोगों से बड़ी रकम ठग रहे थे।

ओलावृष्टि का अलर्ट, आईएमडी ने कई जिलों के लिए जारी की चेतावनी

जयपुर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। 6 अप्रैल से प्रदेश में एक नया मजबूत वेदर सिस्टम सक्रिय होगा, जिसके असर से कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 4 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट और 9 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इस सिस्टम का प्रभाव 8 अप्रैल तक बने रहने की संभावना है।

इससे पहले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदला हुआ नजर आया। शाम होते-होते कई जिलों में घने बादल छा गए, तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और कई जगहों पर ओले भी गिरे। उदयपुर जिले के कोटड़ा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 32 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं, कई इलाकों में तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई।

पिछले 24 घंटों में जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, दौसा, करौली, बारां, बूंदी, कोटा, टोंक, झालावाड़, गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में बारिश हुई। बारां, बूंदी, दौसा, टोंक और गंगानगर में कई स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई। दौसा जिले के नांगल में तो ओलों की सफेद चादर बिछ गई।

मौसम में आए इस बदलाव के कारण तापमान सामान्य से 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया। चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, चूरू, जयपुर, उदयपुर और अजमेर में तापमान सामान्य से काफी नीचे रहा। हालांकि 5 अप्रैल को प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी देखने को मिल सकती है, लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक नहीं टिकेगी।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आमतौर पर मार्च-अप्रैल में इतने सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस नहीं बनते। लेकिन इस बार इनकी स्थिति उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में बनी हुई है। साथ ही अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से मिल रही नमी ने सिस्टम को और मजबूत बना दिया है, जिससे तेज आंधी और बारिश की स्थितियां बनीं।

बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई, ड्रोन से आई 12 किलो हेरोइन बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर बड़ी तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। सीआईडी, पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में ड्रोन के जरिए भेजी गई करीब 12 किलो हेरोइन बरामद की गई है। इस मामले में पंजाब के दो युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो इस खेप को उठाने पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के जरिए बॉर्डर पार कर यह खेप भारतीय इलाके में गिराई थी। सुरक्षा एजेंसियों को पहले ही गुप्त सूचना मिल गई थी, जिसके आधार पर इलाके में तुरंत ब्लॉकेड लगाकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। रात के अंधेरे में सुरक्षा बलों को ड्रोन की आवाज सुनाई दी। इसके बाद उन्होंने पैकेट्स गिरते हुए देखे। तलाशी लेने पर करीब 12 किलो हेरोइन बरामद हुई, जिसे छोटे-छोटे पैकेट्स में पैक किया गया था।

मौके से पकड़े गए दोनों युवक पंजाब के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पूछताछ में सामने आया है कि यह हेरोइन पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी और इसे पंजाब में सप्लाई करने की योजना थी। पुलिस का मानना है कि यह मामला एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से जुड़ा हो सकता है, जो लगातार ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा है। बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 60 करोड़ रुपये आंकी गई है।

'मैं भी कोणी रह सकूं तेरे बिन, आ रहा हूं', पत्नी की मौत की खबर पर पति की सोशल मीडिया पर पोस्ट, फिर ट्रेन के आगे कूदा

झुंझुनू, 5 अप्रेल (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले में कुछ घंटे के अंतराल में पति और पत्नी ने अलग-अलग जगह आत्महत्या कर ली। पहले पत्नी ने पदमपुरा गांव में अपने घर में फंदा लगाकर जान दी। इसकी सूचना मिलने पर जयपुर जा रहे पति ने नवलगढ़ के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। उसने आत्महत्या से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली और लिखा कि 'मिस यू भारती... म्हें भी कोनी रह सकूं तेरे बिना... तेरे से वादो कयों, वो निभा दियो... मिस यू बेटा।' पदमपुरा निवासी सचिन दूधवाल (25) की शादी वर्ष 2024 में भारती (23) से हुई थी। बताया जा रहा है कि भारती अपनी बीमार मां से मिलने पीहर जाना चाहती थी, लेकिन किसी कारणवश नहीं जा सकी। इस बात को लेकर दंपती के बीच विवाद हो गया। सचिन जयपुर में प्राइवेट फैक्ट्री में नौकरी करता है। जयपुर के लिए रवाना हुआ।

उसके घर से निकलने के कुछ घंटों बाद ही भारती ने आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर सचिन गहरे सदमे में आ गया और दुर्जनपुरा रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त ली। नवलगढ़ कस्बे के दुर्जनपुरा मारो का डंडा रेलवे अंडरपास के पास ट्रेन से कटकर सचिन की मौत हो गई। घटना के बाद सीकर से आई रेलवे पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लिया और नवलगढ़ जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया। मृतक के रिश्ते में भाई पूर्व पंचायत समिति सदस्य गोकुल ने शव की शिनाख्त की।

हैदराबाद का भारतीय फुटबॉल इतिहास में विशेष स्थान : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गच्चीबावली स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में युवाओं, खेलों और समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद का भारतीय फुटबॉल इतिहास में विशेष स्थान रहा है। 1950-60 के दशक में हैदराबाद को नर्सरी ऑफ इंडियन फुटबॉल कहा जाता था। 1956 ओलंपिक में खेलने वाली भारतीय फुटबॉल टीम में सात खिलाड़ी हैदराबाद से थे, जो इस शहर की खेल परंपरा को दर्शाता है। हैदराबाद पुलिस फुटबॉल टीम की भी देशभर में पहचान रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस टूर्नामेंट में 34 टीमों ने भाग लिया और देशभर से आए खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने युवाओं के खेलों से दूर होने पर चिंता जताई और कहा कि मैदान छोड़कर गलत दिशा में जाना चिंता का विषय है। उन्होंने दक्षिण कोरिया के अपने दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वहां की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ने कई स्वर्ण पदक जीते हैं, जबकि भारत जैसी बड़ी आबादी वाला देश अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाया। रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की जा रही है, जो पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बनेगी। इसमें प्रमुख खिलाड़ी और उद्योगपति बोर्ड में शामिल होंगे। उन्होंने ड्रग्स और पब कल्चर को लेकर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि युवाओं को इससे बचाकर फिर से खेलों की ओर लाने का प्रयास किया जा रहा है। पंजाब का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां की युवा पीढ़ी ड्रग्स की चपेट में आ गई है और तेलंगाना में ऐसी स्थिति नहीं आने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में अपराध का स्वरूप बदल रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक डबल एज्ड वेपन बन चुकी है। ड्रग्स और साइबर अपराध पुलिस के लिए बड़ी चुनौती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को सही दिशा देना जरूरी है, वरना देश का भविष्य प्रभावित होगा। इसी उद्देश्य से उन्होंने विश्व प्रसिद्ध फुटबॉलर मैस्सी को हैदराबाद लाने की बात कही, ताकि युवाओं को प्रेरणा मिल सके।

एससी और आदिवासी बच्चों को मेस्सी के साथ खेलने का अवसर भी दिया गया। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि बॉक्सिंग चैंपियन निखत जरीन को ग्रुप-1 नौकरी और 2 करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया गया। क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को नियमों में छूट देकर डीएसपी पद दिया गया, जबकि पैरालंपिक खिलाड़ी दीपती (दीपिका/दीप्ति) को भी ग्रुप-1 नौकरी प्रदान की गई। अंत में मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि तेलंगाना के जो युवा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, उन्हें सरकारी नौकरियां जरूर मिलेंगी।

टीपीटी शुल्क खुद वसूलने की तैयारी में छावनी बोर्ड

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा संपत्ति हस्तांतरण कर (टीपीटी) जमा करने में हो रही देरी के चलते सिकंदराबाद छावनी बोर्ड (एससीबी) ने अब इस शुल्क को खुद वसूलने का प्रस्ताव तैयार किया है। वर्तमान व्यवस्था में छावनी क्षेत्र के भूखंडों के पंजीकरण के समय राज्य सरकार टीपीटी शुल्क वसूलकर बाद में एससीबी को देती है, लेकिन पिछले कई वर्षों से इसमें देरी हो रही है। बताया गया है कि वर्ष 2025 तक करीब 73 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। एससीबी के लिए टीपीटी शुल्क प्रमुख आय स्रोतों में से एक है, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस समस्या को देखते हुए बोर्ड ने राजस्व व्यवस्था को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सीधे वसूली का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर 6 अप्रैल को होने वाली विशेष बैठक में चर्चा होगी।

सी-डिवीजन फुटबॉल लीग आज से

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित सी-डिवीजन फुटबॉल लीग चैंपियनशिप का आयोजन 6 अप्रैल से जिमखाना ग्राउंड में किया जाएगा। उद्घाटन मुकाबले में रीड्स एफसी और सीसीओबी जूनियर एफसी के बीच मैच खेला जाएगा। इस लीग चैंपियनशिप में कुल 14 टीमें भाग ले रही हैं, जो खिताब के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

नैनी कोयला ब्लॉक घोटाले को छिपाने की कोशिश : कविता

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष के. कविता ने राज्य सरकार को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर वह सिंगरेणी कोयला खदान में आश्रित कर्मचारियों की भर्ती में हस्तक्षेप करती है, तो उसके गंभीर परिणाम होंगे।

कविता ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का द्वारा विधानसभा में कर्मचारियों की भर्ती पर निगरानी और एसीबी जांच का आदेश देने की हालिया घोषणा पर गहरा गुस्सा जताया। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा, क्या आप कर्मचारियों की नौकरियों को निशाना बनाने के बजाय अपनी ही भ्रष्टाचार जांच का आदेश देने के लिए तैयार हैं? कविता ने आरोप लगाया कि नैनी कोयला ब्लॉक घोटाले के उजागर होने के बाद भट्टी विक्रमार्का ने सिंगरेणी कर्मचारियों के प्रति नकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने इसे

राजनीतिक प्रतिशोध का 'नाटक' बताते हुए सरकार की कार्रवाई की आलोचना की। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष ने कहा कि एकीकृत राज्य काल के दौरान, पूर्व सरकार ने लगभग 20,000 कर्मचारियों को पूर्व अन्याय की भरपाई के लिए कुछ छूट के साथ रोजगार प्रदान किया था। कविता ने सवाल उठाया कि कैसे अब पूर्व सरकार द्वारा लागू नीतियों पर जांच का आदेश दिया जा सकता है। उन्होंने सिंगरेणी में कांग्रेस सरकार द्वारा कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की श्रृंखला का भी खुलासा किया। कविता ने बताया कि सिंगरेणी ने राजस्थान सरकार के साथ सौर ऊर्जा परियोजना के लिए 11,000 करोड़ रुपये का समझौता किया, जिसे प्रति मेगावाट लगभग वास्तविक लागत से तीन गुना महंगा बताया गया। इसके अलावा, उन्होंने लिथियम रिफाइनरी परियोजना के लिए अल्टमिन कंपनी के साथ 2,250 करोड़ का समझौता संदिग्ध बताया। कविता ने सवाल उठाया कि इतनी कम आय वाली कंपनी (27 लाख वार्षिक) को इतनी बड़ी परियोजना कैसे सौंपी जा सकती है। कविता ने आरोप लगाया कि दोनों समझौतों में भ्रष्टाचार के स्पष्ट संकेत हैं और सरकार से सफेद पत्र जारी करने और इन सौदों के पीछे कथित प्रभावशाली व्यक्तियों का खुलासा करने की मांग की।

आने वाले दिनों में जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करेंगे : ईटेला राजेंद्र

सांसद ने बीजेपी छोड़ने की खबरों का खंडन किया

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में यह अफवाह फैल रही थी कि बीजेपी सांसद ईटेला राजेंद्र पार्टी बदलने की योजना बना रहे हैं। रविवार को आयोजित एक मीडिया कांफ्रेंस में ईटेला राजेंद्र ने इन अटकलों का खंडन किया और स्पष्ट किया कि उनका पार्टी छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। ईटेला राजेंद्र ने कहा, पांच साल पहले केसीआर ने मुझे पार्टी से निकाल दिया था। उस समय परिस्थितियां ऐसी थीं कि हम सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने में असमर्थ थे। उसी दौर में मैं बीजेपी में शामिल हुआ। अब अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि मैं बीजेपी छोड़ रहा हूं। करीमनगर में इस प्रकार के पोस्टर लगाए जा रहे हैं और मेरे अपने पार्टी के लोग भी इन्हें शेयर कर रहे हैं। मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आसानी से पार्टियां बदलता है। मैंने खुद कहा है कि पार्टियां बदलना कपड़े बदलने जितना आसान नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि उस समय उन्हें जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसका केवल वे ही अनुभव जानते हैं। उस समय केसीआर ने मुझे हर संभव तरीके से परेशान किया। मैं राजनीतिक पदों के पीछे दौड़ने वाला व्यक्ति नहीं हूं। जब सही समय आएगा, दुनिया जान जाएगी कि ईटेला राजेंद्र कौन हैं। ईटेला राजेंद्र ने यह भी आरोप लगाया कि जनता में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ नकारात्मक भावना तेजी से बढ़ रही है। ठीक केसीआर की तरह, उन्होंने भी मीडिया को दबाया ताकि आलोचनात्मक आवाज़ें सामने न आएं। फीस प्रतिपूर्ति को लेकर उनकी नीति भी केसीआर जैसी दिखती है, न भुगतान करने की स्थिति। मैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को चेतावनी देता हूं कि उन्हें वही परिणाम भुगतना पड़ेगा जो केसीआर ने भोगा। उन्होंने जीएचएमसी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन बीजेपी सांसदों का उल्लेख करते हुए कहा कि दो केंद्रीय मंत्रियों को छोड़कर कुल छह सांसद हैं और आने वाले दिनों में जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करेंगे।

ड्रग तस्करों का नया तरीका उजागर, घरेलू कर्मचारियों के जरिए चल रहा नेटवर्क

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तस्करों के एक नए नेटवर्क का खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि तस्कर अब घरेलू कामगारों, चौकीदारों और निजी सहायकों के जरिए अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस के अनुसार, तस्कर इन कर्मचारियों के मोबाइल नंबर और बैंक खातों, खासकर यूपीआई आईडी का इस्तेमाल सचार और लेनदेन के लिए कर रहे हैं, जिससे असली आरोपी पकड़ से दूर रहते हैं।

ड्रग्स की सप्लाई मुंबई, बेंगलुरू और गोवा जैसे शहरों से होकर उप-विक्रेताओं और कूरियर के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचती है।

जांच में यह भी सामने आया है कि डिलीवरी सीधे उपभोक्ताओं के बजाय उनके सहायकों को दी जाती है। पुलिस अब जब्त मोबाइल डेटा के आधार पर संदिग्ध खरीदारों की सूची तैयार कर रही है और जल्द ही नोटिस जारी किए जाएंगे।

आईजी सेवा संघ की नई कार्यकारिणी गठित

अध्यक्ष बने भगाराम मुलेवा, सचिव बने ढगलाराम सेपटा

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बंडलागुडा स्थित श्री आईजी सेवा संघ भवन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सर्व सम्मति से 6 पदाधिकारी एवं 12 एरिया सदस्य व 4 सलाहकार पदाधिकारी का चयन किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में नवनिर्वाचित सचिव ढगलाराम सेपटा ने बताया की चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी किशनसिंह राठौड़ ने निभायी। सर्वप्रथम आईमाता मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, उपाध्यक्ष-1 ओमप्रकाश पंवार, उपाध्यक्ष-2 भैरूसिंह सैणचा, सचिव ढगलाराम सेपटा, सहसचिव अन्नाराम राठौड़, कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा, कार्यकारणी सदस्यगण भेराराम लखावत, धर्माराम गेहलोत, प्रताप, राकेश बर्फा, मोहनसिंह परिहार, माधुराम, प्रकाश राठौड़, नेमाराम पंवार, ओमप्रकाश पंवार, अन्नाराम राठौड़, भैरुसिंह सैणचा, राजुराम चोयल, सलाहकार मोतीलाल काग, मंगलाराम पंवार, भंवरलाल मुलेवा, चन्द्रप्रकाश गेहलोत शामिल हैं। अध्यक्ष भगाराम, मुलेवा ने चुनाव प्रक्रिया में समाज बंधुओं द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से सहयोग करने के लिए आभार जताया। मंच संचालन सचिव चेलाराम व चुनाव अधिकारी किशनसिंह राठौड़ ने किया।

नादरगुल भूमि अतिक्रमण पर हरीश राव के गंभीर आरोप

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उप नेता टी. हरीश राव ने नादरगुल में 7,000 करोड़ रुपये के कथित भूमि अतिक्रमण को लेकर कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के परिवार से जुड़ी कंपनियों की संलिप्तता का भी दावा किया है।

रविवार को तेलंगाना भवन में किसानों के साथ बैठक के बाद हरीश राव ने कहा कि करीब 373 एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है, जबकि इस पर उच्च न्यायालय ने पहले ही सरकारी स्वामित्व की पुष्टि की है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को जमीन से दूर रखा जा रहा है और उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। उन्होंने सरकार और संबंधित एजेंसियों से अवैध निर्माण हटाने और दोषियों

की गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो बीआरएस नेता स्वयं मौके पर पहुंचकर विरोध करेंगे। हरीश राव ने इस मामले में पर्यावरण नियमों के उल्लंघन का भी आरोप लगाया और प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठाए।

डंपिंग यार्ड के विरोध में आंदोलन तेज

विधायक कौशिक रेड्डी करेंगे 48 घंटे की दीक्षा

करीमनगर, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हुजूराबाद के सिरसापल्ली के पास प्रस्तावित डंपिंग यार्ड के खिलाफ विरोध आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने रविवार को स्पष्ट किया कि जब तक राज्य सरकार अपना निर्णय वापस नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अंबेडकर चौक पर आर्य वैश्य वर्तिका संगम द्वारा पिछले 14 दिनों से धरना दिया जा रहा है। कौशिक रेड्डी ने धरनास्थल पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को समर्थन दिया और कहा कि जनता के स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि आंदोलन को और मजबूत करने के लिए वह 7 और 8 अप्रैल को 48 घंटे की दीक्षा करेंगे। विधायक ने सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर इस मुद्दे पर संघर्ष करने का आह्वान किया और जरूरत पड़ने पर इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की बात कही।

हिंदू 2 हिंदू बिजनेस मीट संपन्न

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग एच2एच 8 उर्जा (सैनिकपुरी चैप्टर) द्वारा सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक विशेष बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भाग्यनगर के हिंदू व्यापारियों की सहायता करना एवं उन्हें प्रोत्साहित करना था।

यह बैठक ए.एस. राव नगर स्थित होटल स्वागत ग्रैंड में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति एवं समाजसेवी गोपाल बालदवा रहे। अध्यक्ष उमा कार्तिक तथा सी.एन. यादगिरी एवं रबि नारायण ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष गोपीचंद जे.वी. के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। संस्थापक गीतेश काटे एवं केंद्रीय समिति के सदस्य किरण वेमुला भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को अंतिम रूप दिया गया

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत् कथा अनुष्ठान की तैयारियों को लेकर आज 5 अप्रैल को 11.30 बजे सिद्धअम्बर बाजार स्थित बाहेती भवन में मीटिंग का आयोजन डॉ. भगवंत राव पूर्व महामंत्री की अध्यक्षता में किया गया।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उक्त जानकारी देते हुए कहा की श्रीमद् भागवत कथा का उदेश्य जन कल्याण के लिए किया जा रहा है। आयोजन में डॉ. भगवंत राव का शाल द्वारा श्रीनिवास सोमानी ने सम्मान किया। डॉ. भगवंत राव ने अपने संबोधन में समिति के द्वारा किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजस्थानी जागृति समिति कई वर्षों से धार्मिक कार्यक्रमों एवं श्रीमद् भागवत कथा के द्वारा सनातन धर्म प्रचार प्रसार कर रही है।

गुरुवार 9 अप्रैल को प्रथम दिवस श्रीमद् भागवत महात्मय, 10 अप्रैल को परीक्षित जन्म शिव विवाह, 11 अप्रैल को पटना चरित्र वामन अवतार, 12 अप्रैल को श्रीराम अवतार श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 13 अप्रैल को श्रीकृष्ण बाल लीला गोवर्धन पूजा, 14 अप्रैल को श्रीकृष्ण रुक्मणी मंगल विवाह, 15 अप्रैल को सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष कथा का विश्राम होगा।

मीटिंग में उपाध्यक्ष अशोक कुमार हीरावत कोषाध्यक्ष मंत्री संजय राठी संगठन मंत्री रमेश मोरनी प्रचार प्रसार मंत्री सिद्धेश जागीरदार श्रीमती आशा देवी सोमानी श्रीमती शकुंतला नवंबर श्रीमती तोरल जागीरदार, बाला प्रसाद लड्ढा, महेश उपाध्याय, राजेंद्र कुमार, महेश शर्मा अन्य लोग उपस्थित थे।

दोपहिया की टक्कर से पैदल यात्री की मौत

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंचलगुडा इलाके में शनिवार शाम एक सड़क हादसे में एक पैदल यात्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद यूसुफ (60) के रूप में हुई है, जो रहमतिया स्कूल के पास सड़क पर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात दोपहिया वाहन पर सवार दो लोगों ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल यूसुफ को एम्बुलेंस से उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दबीरपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालकों की तलाश शुरू कर दी है।

10वीं के छात्र ने इमारत से कूदकर दी जान

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली क्षेत्र में शनिवार रात कक्षा 10वीं के एक छात्र ने इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, 15 वर्षीय छात्र कोंडापुर में अपने परिवार के साथ रहता था। शनिवार शाम वह दोस्तों से मिलने गया था और बाद में घर लौटने की बात कहकर निकल गया। बताया गया कि रात करीब 8:45 बजे वह कोंडापुर स्थित एक इमारत की 19वीं मंजिल पर पहुंचा और वहां से छलांग लगा दी। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

अतिक्रमण कार्रवाई में बाधा पर एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं पर केस

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैनियालम पुलिस ने महबूब चौक पर अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पुलिस और जीएचएमसी टीम को बाधा पहुंचाने के आरोप में कई एआईएमआईएम कार्यकर्ताओं और स्थानीय व्यापारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शनिवार को जीएचएमसी ने चारमीनार क्षेत्र में महबूब चौक क्लॉक टावर के पास सड़क किनारे की दुकानों को अतिक्रमण बताते हुए ध्वस्त कर दिया था। इस कार्रवाई का स्थानीय व्यापारियों और एआईएमआईएम नेताओं ने विरोध किया।

आरोप है कि एआईएमआईएम एमएलसी मिर्जा रहमत बेग और अन्य नेताओं ने कर्मचारियों को रोकने और पुलिस से बहस की, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

लोकसभा-विधानसभा...

रमेश ने आगे कहा यह देश की जनता को धोखा देना है, जिसमें प्रधानमंत्री को महारत हासिल है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश और केरल के बीच लोकसभा सीटों का अंतर अभी 60 है, जो मोदी के प्रस्ताव से बढ़कर 90 हो जाएगा। इसी तरह, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के बीच का अंतर 41 से बढ़कर कम से कम 61 हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, श्रीमान मोदी एक ऐसे प्रस्ताव को जबरन आगे बढ़ा रहे हैं जो बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को अधिक लाभ पहुंचाएगा, क्योंकि उनकी पहले से ही बड़ी संख्या और बढ़ जाएगी। उन्होंने तर्क दिया कि इसका असर सिर्फ दक्षिण भारत पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर-पूर्व के राज्यों का भी सापेक्ष प्रभाव कम होगा।

जयराम रमेश ने कहा राष्ट्र गंभीर आर्थिक और विदेश नीति संकट का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री की एकमात्र चिंता लोकसभा और विधानसभाओं की ताकत बढ़ाने की है, वह भी बिना किसी सार्थक परामर्श और व्यापक सार्वजनिक बहस के। यह 'जनता का ध्यान भटकाने का एक हथियार' है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में एक चुनावी रैली में कहा था कि बजट सत्र को तीन दिनों के लिए बढ़ाया गया है ताकि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को 2029 से लागू किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया था कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव से किसी भी राज्य (चाहे वह केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा या तेलंगाना हो) में लोकसभा सीटों की संख्या में कमी नहीं आएगी।

प्रधानमंत्री ने बताया कि 2023 में पारित कानून के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस कानून के लाभ 2029 के लोकसभा चुनावों से शुरू हो सकें और 33 प्रतिशत महिलाएं संसद में बैठ सकें, इसके लिए अतिरिक्त कानूनी प्रावधानों की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने सभी दलों से इस मुद्दे का समर्थन करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह महिला सशक्तिकरण से जुड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस भी इस पर सहमति जताएगी।

प्लेन हादसे के पीड़ित ...

12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हुई थी।

पीड़ित परिवारों ने पीएम को लिखे लेटर में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है।

उन्होंने कहा, वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट हैं, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना लगभग नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन वोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है।

सरकारी दवाओं के अवैध...

जांच से पता चला कि दोनों ने रिकॉर्ड में हेराफेरी करके और दवाओं की अवैध बिक्री को सुविधाजनक बनाकर अस्पताल के स्टॉक से दवाओं की हेराफेरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आरोप है कि मेहता ने कमीशन के बदले दवाओं की निकासी, भंडारण और यूपीआई भुगतान सहित वित्तीय लेनदेन को संभालने वाले बिचौलिए के रूप में काम किया।

स्टॉक में मिली ये दवाएं :

बरामद किए गए स्टॉक में बड़ी मात्रा में महंगी एंटीबायोटिक्स और क्रिटिकल केयर दवाएं शामिल थीं, जैसे कि सेफिक्साइम, क्लैवुलनेट के साथ एमोक्सिसिलिन, सेफ्ट्रियाक्सोन, सेफ्टाज़िडाइम, मेरोपेनेम, एरिथ्रोपोइटिन इंजेक्शन और रेबीज एंटी-सीरम, साथ ही अन्य आवश्यक दवाएं भी शामिल थीं।

एक अधिकारी ने बताया कि बरामद की गई सभी दवाएं और वाहन मामले की संपत्ति के रूप में जब्त कर लिए गए हैं और कानून के अनुसार क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस रैकेट में अस्पताल के कर्मचारियों, ट्रांसपोर्टरों और वितरकों से बनी एक सुव्यवस्थित आपूर्ति श्रृंखला शामिल थी, जिसके माध्यम से सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मुफ्त में वितरित की जाने वाली दवाओं को डायवर्ट किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि अन्य सहयोगियों की पहचान करने, वित्तीय लेनदेन का पता लगाने और नेटवर्क के संपूर्ण तौर-तरीकों को उजागर करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई सार्वजनिक संसाधनों के दुरूपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस की प्रतिबद्धता को उजागर करती है कि आवश्यक दवाएं इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

लखनऊ 5 विकेट से जीती

हैदराबाद की लगातार दूसरा हार

पंत का अर्धशतक, शमी को 2 विकेट

हैदराबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी आईपीएल 2026 में अपना खाता खोल ही लिया है. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ ने सीजन के अपने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को करीबी मुकाबले में 5 विकेट से हराया और पहली जीत दर्ज की. अपने घर में छोटे स्कोर वाले मुकाबले में हारने के बाद लखनऊ ने हैदराबाद को उसके घर में शिकस्त दी. स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के घातक स्पैल के दम पर सनराइजर्स को 156 रन पर रोकने के बाद लखनऊ ने कप्तान ऋषभ पंत के जुझारू अर्धशतक के दम पर आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया.

हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में रविवार 5 अप्रैल को 'डबल हेडर' के पहले मैच में लखनऊ ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर ये जीत दर्ज की. पहले मैच की ही तरह लखनऊ के तेज गेंदबाजों ने एक बार फिर शुरुआती ओवर्स में ही बैटिंग टीम को बैकफुट पर धकेल दिया था. मोहम्मद शमी इस बार भी लखनऊ के बॉलिंग अटैक की जान रहे, जिन्होंने सिर्फ 7 गेंदों के अंदर ही हैदराबाद के दोनों विस्फोटक ओपनर, अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड, को पवेलियन लौटा दिया था. शमी ने लगातार 4 ओवर डाले और सिर्फ 9 रन देकर 2 विकेट लिए.

38 की उम्र में भी युवाओं पर भारी रोहित शर्मा

ऑरेंज कैप की रेस में बन गए नंबर-1

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने एक बार फिर अपनी क्लास दिखाई. 38 साल की उम्र में भी वे युवा बल्लेबाजों को पीछे छोड़ते हुए ऑरेंज कैप की रेस में नंबर-1 बन गए हैं. इस मैच में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर रोहित ने 26 गेंदों पर 35 रनों की उपयोगी पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. इस पारी के साथ ही रोहित ने सीजन के कुल रनों में बढ़ोतरी की और ऑरेंज कैप टेबल में एक से बढ़कर एक विस्फोटक बल्लेबाजों के आगे निकल गए.

ऑरेंज कैप की रेस में नंबर-1 बने रोहित शर्मा

इस पारी के बाद ऑरेंज कैप स्टैंडिंग्स में रोहित शर्मा 113 रनों के साथ पहले स्थान पर हैं. उन्होंने 2 मैचों में 2 पारियां खेलीं, जिसमें उनका हाईएस्ट स्कोर 78 रन रहा है, जो कोलकाता के खिलाफ आया था. उनकी औसत 56.50 और स्ट्राइक रेट शानदार 176.56 का है. इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 7 छक्के जड़े हैं. उनके बाद पंजाब किंग्स के कूपर कॉनोली 108 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं. वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृष रघुवंशी 103 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं.

38 साल की उम्र में भी रोहित शर्मा का फॉर्म और फिटनेस युवा खिलाड़ियों को टक्कर दे रहा है. ऑरेंज कैप की रेस में टॉप-5 में वह इकलौते बल्लेबाज हैं, जिसकी उम्र 30 से ज्यादा है. अब देखना होगा कि रोहित इस लय को बरकरार रख पाते हैं या बाकी बल्लेबाज उन्हें टॉप से नीचे उतारते हैं. क्योंकि ये एक बड़ा और लंबा टूर्नामेंट है, ऐसे में ऑरेंज कैप की रेस में कई बार उथल पुथल देखने को मिलेगी.

क्या रोहित खत्म करेंगे लंबा इंतजार

चौंकाने वाली बात ये भी कि रोहित शर्मा ने अभी तक आईपीएल इतिहास में एक बार भी ऑरेंज कैप नहीं जीती है.

उनका बेस्ट सीजन साल 2013 में आया था, तब उन्होंने 19 मैचों में 538 रन बनाए थे. इसके अलावा वह किसी भी सीजन में 500 रन का आंकड़ा नहीं छू सके हैं. ऐसे में रोहित शर्मा की नजर इस लंबे इंतजार को खत्म करने पर भी रहने वाली है.

वैभव सूर्यवंशी-यशस्वी ने तोड़ा सहवाग-गंभीर का रिकॉर्ड

61 गेंद पहले किया कारनामा

अहमदाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की सबसे विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी के तौर पर वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल को देखा जा रहा है. इन दोनों का हालांकि आईपीएल के पिछले सीजन में भी डंका बजा था, जहां ये 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाली इकलौटी ओपनिंग जोड़ी थी. इतना ही नहीं उनके जमाए छक्के आईपीएल की कई टीमों पर भी भारी पड़ते दिखे थे. आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल, वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर का रिकॉर्ड तोड़कर चर्चा में आ गए हैं.

61 गेंद पहले ही वैभव-यशस्वी ने तोड़ा रिकॉर्ड

अब आप सोच रहे होंगे कि वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल ने मिलकर सहवाग और गंभीर का कौन सा रिकॉर्ड तोड़ दिया? ये रिकॉर्ड आईपीएल में सबसे तेज 500 रन जोड़ने वाली भारतीय ओपनिंग जोड़ी का है. वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर ने 309 गेंदों पर 500 रन बतौर ओपनिंग जोड़ी जोड़े थे. वैभव और यशस्वी ने उन दोनों का रिकॉर्ड 61 गेंदें कम खेलकर ही तोड़ डाला है.

वैभव-यशस्वी ने 248 गेंदों में ठोके 500 रन

वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल को सहवाग-गंभीर का रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाबी 4 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले मुकाबले में मिली. उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की इनिंग की दूसरी गेंद खेलते ही आपस में 500 रन की पार्टनरशिप पूरी कर ली और इसी के साथ सहवाग और गंभीर का रिकॉर्ड तोड़ दिया. वैभव और यशस्वी के इस मैच से पहले तक 246 गेंदों पर 497 रन थे. उन्होंने सहवाग और गंभीर का भारतीय रिकॉर्ड 248 गेंदों में ही तोड़ डाला.

वैभव-यशस्वी दूसरे सीजन में कर रहे ओपनिंग

वैभव और यशस्वी का बतौर ओपनिंग जोड़ी ये दूसरा सीजन है. पिछले सीजन से अब तक पावरप्ले में यशस्वी जायसवाल 25 छक्के लगा चुके हैं. वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 20 छक्के लगाए हैं.

इस दौरान पावरप्ले में इनके जमाए छक्कों की संख्या लगभग कई टीमों के बराबर है. चेन्नई सुपर किंग्स ने इस दौरान 21 छक्के पावरप्ले में जमाए हैं. वहीं दिल्ली कैपिटल्स ने पावरप्ले में 26 छक्के मारे हैं.

भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन

लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

बंगलूरू, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था।

श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में रिलायंस का प्रतिनिधित्व कर रहीं एंसी सोजन ने 6.54 मीटर से पहला स्थान हासिल किया जीता, जबकि अंजू बॉबी जॉर्ज स्पोर्ट्स फाउंडेशन की शैली सिंह 6.52 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। रिलायंस की ही मौमिता मंडल ने 6.37 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के पोल वॉल्ट एथलीट रीगन गणेश ने 5.35 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया।

वैभव सूर्यवंशी की टेस्ट टीम में होगी एंट्री?

बीसीसीआई ने बनाया मास्टर प्लान, 64 खिलाड़ियों का होगा सेलेक्शन

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। 2024 और 2025 में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद बीसीसीआई ने रेड बॉल क्रिकेट में युवा प्रतिभाओं को निखारने का फैसला किया है. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को मजबूत बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है. वीवीएस लक्ष्मण के नेतृत्व वाले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यह योजना बनाई गई है, जिसमें युवा 'जनरेशन Z' के खिलाड़ियों पर खास फोकस रहेगा.

इस मास्टर प्लान के तहत जून-जुलाई में बेंगलुरु के सीओई में एक इन्ट्रा-सीओई टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा, जिसमें 25 साल से कम उम्र के 64 टॉप युवा क्रिकेटर भाग लेंगे. इस टूर्नामेंट का उद्देश्य अगले दशक के लिए भारत के रेड बॉल टैलेंट पूल को मजबूत करना और एक मजबूत सप्लाई चेन तैयार करना है. इसमें वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे युवा सितारों को चार दिवसीय रेड बॉल मैच खेलने का मौका मिलेगा. ये खिलाड़ी आईपीएल में पहले ही अपनी छाप छोड़ चुके हैं और अब लंबे फॉर्मेट में अपनी क्षमता साबित करने के लिए तैयार हैं. 25 खिलाड़ी (यू-23): इन खिलाड़ियों का सेलेक्शन जूनियर सेलेक्शन कमिटी करेगी, जो कूच बिहार (यू-19) और सीके नायडू (यू-22) टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले होंगे. 25 खिलाड़ी (यू-23 और यू-25): सीनियर सिलेक्शन कमिटी की ओर से चुने जाएंगे, जो रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रदर्शन कर चुके होंगे, लेकिन आईपीएल टीम का हिस्सा नहीं होंगे. 14 खिलाड़ी: युवा सुपरस्टार, जो आईपीएल में खेल रहे हैं. इनमें आयुष म्हात्रे, वैभव सूर्यवंशी और समीर रिज्वी जैसे नाम शामिल हैं.

64 युवा खिलाड़ियों को चार टीमों में बांटा जाएगा, हर टीम में 16 खिलाड़ी होंगे. हर टीम को सीओई में दो चार दिवसीय मैच खेलने का मौका मिलेगा. अलग-अलग पिच कंडीशंस पर मैच कराए जाएंगे ताकि खिलाड़ियों को अच्छी मैच प्रैक्टिस मिल सके.

टूर्नामेंट के बाद 25 खिलाड़ियों का एक कोर ग्रुप चुना जाएगा, जो भारत इमर्जिंग और इंडिया ए टीमों का हिस्सा बनेगा. ये खिलाड़ी शैडो टूर्स पर भी जाएंगे. बीसीसीआई की योजना के मुताबिक, आईपीएल खत्म होने के बाद भारत यू-19 और इमर्जिंग (यू-25) टीम दोनों श्रीलंका का दौरा करेंगी, जहां चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे. टीम चयन इन्ट्रा-सीओई टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर होगा. इसके अलावा अगले एक साल तक सीओई में होने वाले ज्यादातर हाई परफॉर्मेंस कैंप्स का फोकस रेड बॉल टैलेंट को तैयार करने पर रहेगा. पूरे रोडमैप को सीनियर चीफ सिलेक्टर अजित आगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर को भी शामिल करके तैयार किया जाएगा.

महिला खिलाड़ी के साथ सेल्फी

अचानक बदला मैग्नस कार्लसन का मूड!

अधिकारी से कहकर उसका मोबाइल हटवाया

कार्लजूए, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। शतरंज की दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई चाल या जीत नहीं, बल्कि मैच से पहले का एक अजीब वाकया है। जर्मनी के कार्लजूए में खेले जा रहे ग्रेंके चेस फ्रीस्टाइल ओपन के दौरान कार्लसन और उनकी प्रतिद्वंदी एलुए नुरमान के बीच यह घटना हुई।

मैच शुरू होने से ठीक पहले नुरमान ने कार्लसन से सेल्फी की रिक्वेस्ट की। कार्लसन ने मुस्कुराते हुए इसके लिए हामी भर दी और तस्वीर भी खिंचवाई। सब कुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन कुछ ही पलों बाद माहौल पूरी तरह बदल गया। सेल्फी लेने के बाद कार्लसन अपनी सीट से उठे और एक आर्बिटर (रेफरी) को लेकर लौटे। उन्होंने इशारा किया कि नुरमान के पास फोन है, जो नियमों के खिलाफ है। इसके बाद आर्बिटर ने नुरमान से उनका फोन ले लिया और फिर मैच शुरू हुआ। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई लोग इसे पहले दोस्ती, फिर सख्ती वाला पल बता रहे हैं। दरअसल, शतरंज के आधिकारिक नियमों के मुताबिक, मैच के दौरान खिलाड़ियों के पास फोन या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस रखना सख्त मना है। ऐसे में आर्बिटर का फोन हटाना पूरी तरह नियमों के अनुरूप था। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ लोग कार्लसन के इस व्यवहार को ओवर रिएक्शन भी बता रहे हैं।

यह पहली बार नहीं है जब कार्लसन अपने व्यवहार को लेकर चर्चा में आए हों। पिछले साल फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी से हारने के बाद भी उनका गुस्सा देखने को मिला था।

अशोक शर्मा क्रिकेट छोड़ सरकारी नौकरी करने चला था

चप्पल पहनकर फेंकी एक गेंद ने बदल दी दुनिया

रामपुरा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल वो स्टेज है, जहां खिलाड़ी बनते हैं. जहां उनकी प्रतिभा को पहचान मिलती है. गुजरात टाइटंस से खेल रहे अशोक शर्मा भी ऐसे ही एक खिलाड़ी है. राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 4 अप्रैल को खेले मुकाबले में भले ही गुजरात टाइटंस को हार का सामना करना पड़ा मगर उस मैच में अशोक शर्मा अपना असर छोड़ने में पीछे नहीं रहे. सबसे तगड़ा असर तो उन्होंने अपनी अब तक की फेंकी सबसे तेज गेंद की बदौलत डाला, जिसकी रफ्तार 154.7 किमी/घंटा आंकी गई. उन्होंने अपना नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज गेंद फेंकने वाले गेंदबाजों में शुमार कराया. अशोक शर्मा की ताकत ही उनकी रफ्तार, उनकी सटीकता है, जिसमें वो बेहद कंसिस्टेंट नजर आते हैं.

हालांकि, आईपीएल 2026 में अपना असर छोड़ रहे अशोक शर्मा के लिए यहां तक पहुंचना आसान नहीं था. ये वही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 3 साल पहले क्रिकेट छोड़कर सरकारी नौकरी करने का मन बना लिया था. U-23 लेवल पर मौके नहीं मिलते देखकर वो सरकारी नौकरी के लिए होने वाले परीक्षाओं की तैयारियों में जुट गए थे. उन्होंने खेतों में अपने पिता का हाथ बंटाना शुरू कर दिया था. लेकिन, उसी दौरान इस किसान के बेटे के क्रिकेट करियर के लिए संजीवनी बना टैलेंट हंट.

चप्पल में फेंकी एक गेंद ने बदल दी दुनिया क्रिकेट छोड़ने का मन बना चुके अशोक शर्मा को जब अचानक से उस टैलेंट हंट का पता चला तो उसमें उन्होंने हिस्सा लेने का फैसला किया. हालांकि, समस्या तब आई तब जब वो उस टैलेंट हंट में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने से चूक गए. अशोक शर्मा ने तब किसी तरह से उस टैलेंट हंट के आयोजक को 1 गेंद के लिए मनाया. उन्होंने उनसे विनती की कि वो बस उन्हें एक गेंद करने दें.

टैलेंट हंट के आयोजकों ने अशोक शर्मा की विनती स्वीकार की और उन्हें एक गेंद डालने का मौका दे दिया. मौका मिला तो अशोक शर्मा चप्पल में थे. उन्होंने जूता भी नहीं पहन रखा था. लेकिन, उसकी परवाह ना करते हुए उन्होंने चप्पल में ही गेंद फेंकने का फैसला किया. चप्पल पहने अशोक शर्मा ने 140 किमी/घंटा की रफ्तार से वो गेंद डाली और फिर उनकी दुनिया ही पलट गई.

क्रिकेट छोड़कर सरकारी नौकरी में जाने की सोच रहे अशोक शर्मा ने उस एक घटना के बाद फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में ग्रुप स्टेज पर खेले 10 मैचों में सबसे ज्यादा 22 विकेट लिए और इसी के साथ टूर्नामेंट में दशकों से कायम ग्रुप स्टेज पर सबसे ज्यादा विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा.

पहले बाप, अब बेटा, जेम्स एंडरसन ने दोनों को बनाया शिकार

43 की उम्र में भी ले उड़े 5 विकेट

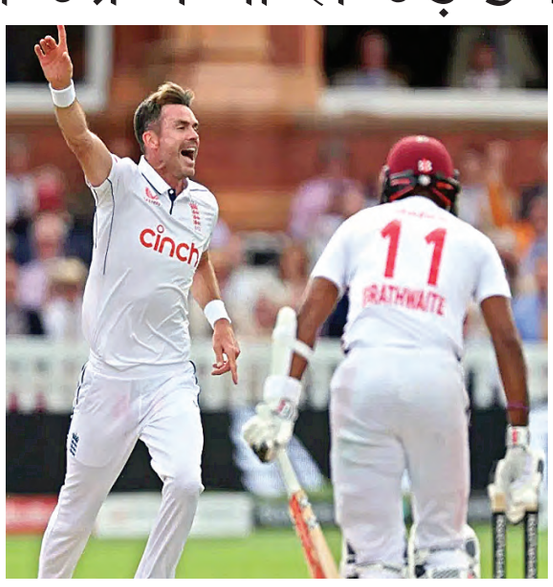

लंदन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। 43 साल के जेम्स एंडरसन ने इंटरनेशनल क्रिकेट भले ही छोड़ा है मगर इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट के गलियारों में उनका असर अब भी दिख रहा है. वो अब उन खिलाड़ियों के खिलाफ भी खेल रहे हैं, कभी जिनके पिता के खिलाफ खेले थे. लंकाशर और नॉर्थैम्प्टनशर के बीच फिलहाल एक ऐसा ही मैच चल रहा है. इस मैच में जेम्स एंडरसन लंकाशर के कप्तान हैं.

वहीं उनके खिलाफ खेल रही नॉर्थैम्प्टनशर की टीम में शामिल जेम्स सेल्स ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके पिता को भी जेम्स एंडरसन गेंदबाजी कर चुके हैं

जेम्स एंडरसन ने झटके 5 विकेट

3 अप्रैल से 6 अप्रैल तक चलने वाले रेड बॉल मैच में कप्तान एंडरसन की टीम लंकाशर ने पहले बल्लेबाजी की और पहली पारी में 384 रन बनाए. जवाब में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यानी 4 अप्रैल को नॉर्थैम्प्टनशर ने 9 विकेट पर 215 रन बना लिए थे. इसमें से 5 विकेट अकेले लंकाशर के कप्तान जेम्स एंडरसन ने लिए.

पहले पिता को किया था आउट, अब बेटे का लिया विकेट

जेम्स एंडरसन ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 13 ओवर में 64 रन दिए और 5 विकेट झटके. 43 साल के एंडरसन के लिए 5 विकेटों में एक विकेट उस खिलाड़ी का भी है, कभी जिसके पिता को भी एंडरसन ने आउट किया था. हम बात कर रहे हैं जेम्स सेल्स की. एंडरसन ने उन्हें 2 रन के निजी स्कोर पर चलता कर दिया.

2005 में पिता डेविड सेल्स तो 2026 में बेटा जेम्स सेल्स

जेम्स सेल्स नॉर्थैम्प्टनशर के पूर्व क्रिकेटर डेविड सेल्स के बेटे हैं. 2026 में तो जेम्स एंडरसन ने जेम्स सेल्स का विकेट को चटकाया मगर 21 साल पहले यानी साल 2005 में उन्होंने जेम्स के पिता डेविड सेल्स को भी आउट किया था. मतलब, एंडरसन ने पहले पिता और बेटे को भी आउट कर काउंटी क्रिकेट में अपने नाम पर एक जबरदस्त कामयाबी दर्ज कराई है.

जेम्स एंडरसन ने बतौर कप्तान जिस तरह से गेंद के साथ अपनी टीम को लीड किया है, उससे नॉर्थैम्प्टनशर के खिलाफ मुकाबले में लंकाशर की पकड़ बनती दिख रही है.

गलत साइड ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश

समीक्षा बैठक में डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी की अध्यक्षता में आज साइबराबाद सीपी कार्यालय के ऑडिटोरियम में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में साइबराबाद पुलिस के विभिन्न विभागों द्वारा साइबर क्राइम, ट्रैफिक व्यवस्था, अपराध स्थिति समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने ट्रैफिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों की मौतों की संख्या अधिक होना चिंताजनक है। इस संदर्भ में उन्होंने 'अराइव अलाइव' अभियान के तहत 13 से 18 अप्रैल तक सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने 'पैदल यात्री ही सड़क के असली राजा हैं' के नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बावजूद सड़क हादसों में उनकी जान जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। डीजीपी ने गलत साइड ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बताया कि 42 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग, जो अपने परिवारों के मुख्य सहारा होते हैं, सड़क दुर्घटनाओं में अधिक प्रभावित हो रहे हैं, जिससे परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट में पड़ जाते हैं। डीजीपी ने सभी वाहन चालकों को 'डिफेंसिव ड्राइविंग' अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि वाहन चलाते समय आसपास के हालात पर सतर्क नजर रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और इसे जन-जागरूकता के माध्यम से मजबूत किया जाना चाहिए। बैठक में समाज में बढ़ते अपराध और साइबर क्राइम पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

डीजीपी ने कहा कि आधुनिक तकनीक का दुरूपयोग कर अपराधी लोगों को ठग रहे हैं, इसलिए नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई साइबर ठगी का शिकार होता है, तो उसे तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए, जिससे अपराधियों को पकड़ने और नुकसान की भरपाई की संभावना बढ़ जाती है। इस अवसर पर साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने कहा कि साइबराबाद क्षेत्र में फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट और आईटी कॉरिडोर जैसे महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं। उन्होंने बताया कि साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के गठन के 23 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में पुलिस की प्रतिबद्धता और जनता की सुरक्षा के प्रति समर्पण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। क्राइम्स डीसीपी मुथ्यम रेड्डी ने कमिश्नरेट क्षेत्र में दर्ज अपराधों की जानकारी देते हुए बताया कि हत्या, दुष्कर्म, चोरी, हमला, स्नैचिंग, ट्रैफिक उल्लंघन और साइबर अपराध के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता को जागरूक करने और अपराध नियंत्रण के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

डीसीएम की टक्कर से महिला की मौत

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर में शनिवार रात एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब एक डीसीएम वैन ने बाइक को टक्कर मार दी। मृतका की पहचान हानिया आयशा के रूप में हुई है, जो अपने पति अब्दुल बासित के साथ फिल्म देखकर महेश्वरम स्थित घर लौट रही थी। माइंडस्पेस गेट नंबर 2 के पास पहुंचते ही डीसीएम वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घायल दंपति को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हानिया आयशा को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनके पति का इलाज जारी है। माधापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉ. बाबू जगजीवन राम के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए : जिला कलेक्टर

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी नारायण रेड्डी ने कहा कि हमें डॉ. बाबू जगजीवन राम के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने रविवार को हैदराबाद के नामपल्ली में आयोजित डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, कलेक्टर ने उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें एक महान व्यक्ति बताया, जिन्होंने अपने पूरे जीवन में शोषित वर्गों के अधिकारों, समाज में व्याप्त असमानताओं और बुराइयों के खिलाफ संघर्ष किया उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के आरंभिक चरणों में उन्होंने केंद्रीय श्रम मंत्री के रूप में कार्य किया और बाद में राजनीति में आगे बढ़ते हुए केंद्रीय कृषि एवं रक्षा मंत्री बने तथा उप-प्रधानमंत्री के रूप में देश को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। उन्हें एक महान नेता के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने लगभग पांच दशकों तक जन कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने डॉ. अंबेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए दलित समुदायों के लिए आरक्षण लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्कूल बसों का लंदन जैसा हाईटेक नेटवर्क तेलंगाना में

एक रूट पर स्कूलों के लिए साझा बस, खास एप से जुड़ेंगे पेरेंट्स, स्कूल-ऑपरेटर

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का हाईटेक इलाका 'साइबराबाद' अब बड़े बदलाव की दहलीज पर है। अक्सर ट्रैफिक जाम व स्कूल छोड़ते वक्त होने वाली अफरा-तफरी से जूझने वाले इस क्षेत्र के लिए साइबराबाद पुलिस और 'सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल' (एससीएससी) ने 'लंदन ट्रांसपोर्ट मॉडल' से प्रेरित मास्टरप्लान तैयार किया है। नए 'स्टूडेंट मोबिलिटी सिस्टम' का मकसद जाम खत्म करना, बच्चों की सुरक्षा को अभेद्य बनाना, माता-पिता का तनाव घटाने के साथ स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के मौके भी पैदा करना भी है।

साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ.एम. रमेश बताते हैं, हाईटेक सिटी और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक का बड़ा हिस्सा स्कूल जाने वाले बच्चों और उन्हें छोड़ने जाने वाले निजी वाहनों का होता है। क्षेत्र के अधिकांश स्कूल अपनी बस सेवा नहीं देते। इस वजह से पेरेंट्स निजी वाहनों से बच्चों को छोड़ते हैं, इससे ट्रैफिक का दबाव बढ़ता है। डॉ. रमेश ने कहा, पुलिस खास एप विकसित कर रही है।

यह डिजिटल प्लेटफॉर्म अभिभावकों, स्कूलों और बस ऑपरेटरों को एक सूत्र में पिरोएगा। हालांकि इस 'गेम-चेंजर' एप का नाम अभी तय होना बाकी है, क्योंकि अधिकारी सभी हितधारकों की राय लेकर प्रभावी नाम रखना चाहते हैं। योजना का सबसे महत्वाकांक्षी हिस्सा बसों की संख्या में बढ़ोतरी है। वर्तमान में चलने वाली 3 हजार स्कूल बसों के बेड़े को बढ़ाकर 15 हजार करने का लक्ष्य रखा गया है। पुलिस का मानना है कि जब छात्र असुरक्षित निजी वाहनों या माता-पिता की गाड़ियों के बजाय इस साझा बस सेवा इस्तेमाल करेंगे, तो निजी वाहनों का बोझ कम होगा। अनुमान है कि इससे ट्रैफिक जाम में 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी।

डॉ. रमेश बताते हैं, प्रोजेक्ट में सामाजिक भागीदारी पर भी फोकस है। इसमें स्थानीय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जोड़ा जाएगा। बसों में स्थायी अटेंडेंट के साथ-साथ 'होम पिक-अप' की सुविधा भी होगी, जिससे स्थानीय महिलाओं के लिए रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर पैदा होंगे। बच्चों की सुरक्षा के लिए ड्राइवरों और अटेंडेंट का सख्त पुलिस वेरिफिकेशन और खास ट्रेनिंग जरूरी होगी।

एआई से रूटिंग, पुलिस कंट्रोल रूम से कनेक्टिविटी रहेगी : सिस्टम को हाईटेक बनाने के लिए एआई और जीआईएस (जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम) की मदद ली जा रही है। एआई से विश्लेषण होगा कि किस क्षेत्र के छात्र किस स्कूल में जा रहे हैं।

उसी आधार पर स्मार्ट रूटिंग की जाएगी। इससे एक ही क्षेत्र के कई स्कूलों के लिए साझा बस रूट तैयार किए जा सकेंगे। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। सिस्टम की सुरक्षा लंदन के 'ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन' मॉडल पर आधारित होगी। सीसीटीवी और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से बसों लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। इसकी सीधी कनेक्टिविटी पुलिस कंट्रोल रूम से रहेगी ताकि आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति का एक महान स्तंभ : बंडी संजय

जयंती पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने श्रद्धांजलि अर्पित की

करीमनगर, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को बाबू जगजीवन राम को भारतीय राजनीति का एक महान स्तंभ बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक न्याय के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम दलित समाज के सच्चे रत्न थे और राष्ट्र सेवा को उन्होंने सर्वोच्च कर्तव्य माना। बाबू जगजीवन राम की जयंती के अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने करीमनगर के मंचेरियल चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर चित्रा मिश्रा, चोप्पडांडी विधायक मेडीपल्ली सत्यम, मेयर कोलगानी श्रीनिवास, डिप्टी मेयर सुनील राव सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए बंडी संजय कुमार ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने बचपन से ही जातिगत भेदभाव के खिलाफ संघर्ष किया और जीवन के अंतिम क्षण तक 'अछूतों' के उत्थान के लिए कार्य करते रहे। उन्होंने कहा कि कठिनाइयों का सामना कर ही व्यक्ति जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि बाबू जगजीवन राम 1952 में स्वतंत्र भारत के पहले आम चुनाव से लेकर 1986 में अपने निधन तक लगातार सांसद रहे और करीब 29 वर्षों तक केंद्रीय मंत्री के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और राजनीतिक जीवन में एक ऐसे नेता के रूप में उभरे, जिनका कोई विरोधी नहीं था। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबू जगजीवन राम के आदर्शों और उनके द्वारा दिखाए गए सुधार के मार्ग से प्रेरणा लें। इस दौरान बंडी संजय कुमार ने करीमनगर के तीगलगुट्टापल्ली में मेयर कोलगानी श्रीनिवास द्वारा स्थापित मेयर कैंप कार्यालय का भी उद्घाटन किया।

साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस की सख्ती ड्रंक एंड ड्राइव में 205 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने वीकेंड के दौरान विशेष ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान चलाते हुए 205 लोगों को गिरफ्तार किया। यह अभियान शहर में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और नशे में वाहन चलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाया गया। पुलिस द्वारा दर्ज मामलों में 170 दोपहिया वाहन चालक, 8 तीनपहिया और 27 चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शराब के नशे में वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में वाहन चलाते हुए किसी की मौत का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस धारा के अंतर्गत अधिकतम 10 वर्ष की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। पुलिस ने बताया कि पिछले सप्ताह (30 मार्च से 4 अप्रैल) के दौरान कुल 47 ड्रंक एंड ड्राइव मामलों का निपटारा अदालतों में किया गया, जिसमें 46 लोगों को केवल जुर्माना लगाया गया, जबकि एक व्यक्ति को जुर्माने के साथ सामाजिक सेवा की सजा भी दी गई। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे शराब पीकर वाहन न चलाएं और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बुनकरों की ऋण माफी योजना में देरी, लाभार्थी परेशान

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा बुनकरों के 1 लाख रुपये तक के ऋण माफ करने की घोषणा के एक साल बाद भी कई लाभार्थी राहत का इंतजार कर रहे हैं। जांच प्रक्रिया में देरी और धन की कमी के कारण योजना का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने मार्च 2025 में इस योजना के लिए आदेश जारी करते हुए 33 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे, लेकिन अब तक केवल लगभग 20 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं। यह योजना 1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2024 के बीच लिए गए ऋणों पर लागू है। करीब 18,000 बुनकरों ने ऋण माफी के लिए आवेदन किया है, लेकिन जिला स्तर पर जांच और सत्यापन प्रक्रिया धीमी होने के कारण कई आवेदन लंबित हैं। कुछ आवेदनों को व्यक्तिगत उपयोग के कारण अस्वीकार भी किया गया है। यूनियनों ने सरकार पर पर्याप्त बजट न देने और निजी कंपनियों से कपड़ा खरीदने की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इससे बुनकरों की आजीविका पर गंभीर असर पड़ रहा है।

केबीआर पार्क के आसपास वन-वे ट्रैफिक का ट्रायल

सुधार के बाद फिर होगा प्रयोग, सीपी ने जायजा लिया

हैदराबाद , 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से चल रही हैदराबाद सिटी इनोवेटिव एंड ट्रांसफॉर्मेटिव इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना के तहत रविवार को केबीआर पार्क के आसपास वन-वे ट्रैफिक प्रणाली का ट्रायल रन किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ज्ञात हो कि बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स थाना क्षेत्रों में वर्तमान में स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण कार्य तेज़ी से चल रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यातायात के दबाव को कम करने और वैकल्पिक मार्गों की व्यवहार्यता परखने के लिए यह विशेष ट्रायल आयोजित किया गया। इस दौरान जॉइंट सीपी (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने केबीआर पार्क मुख्य द्वार से लेकर बसवतारकम अस्पताल, अग्रसेन जंक्शन, फिल्म नगर, रोड नंबर-45 होते हुए जुबली हिल्स चेक पोस्ट तक पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विभिन्न जंक्शनों पर वाहन आवागमन, ट्रैफिक फ्लो, सिग्नल संचालन और वैकल्पिक मार्गों की प्रभावशीलता का बारीकी से अध्ययन किया। ट्रायल के दौरान यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था करते हुए मार्गों पर बैरिकेडिंग, साइन बोर्ड और अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की थी, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। पुलिस विभाग के अनुसार यह वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था केवल रविवार के लिए प्रयोगात्मक तौर पर लागू की गई थी। सोमवार से शहर में यातायात पहले की तरह सामान्य रूप से संचालित होगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक परीक्षण था, जिसका उद्देश्य संभावित बदलावों का आकलन करना है। ट्रायल के दौरान प्राप्त अनुभवों, नागरिकों की प्रतिक्रिया और तकनीकी अवलोकनों के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस रिपोर्ट को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को सौंपा जाएगा, ताकि आवश्यक सुधारों और ढांचागत बदलावों पर निर्णय लिया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इस ट्रायल से प्राप्त सुझावों और कमियों को दूर करने के बाद भविष्य में एक और वन-वे ट्रायल रन आयोजित किया जाएगा।

डबल बेडरूम परिसरों की 1242 दुकानों की होगी नीलामी

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आवास विभाग ने हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल मलकाजगिरि जिलों में डबल बेडरूम आवासीय परिसरों में बनी 1,242 व्यावसायिक दुकानों की नीलामी के लिए अधिसूचना जारी की है। रंगारेड्डी जिले में इन दुकानों की खुली नीलामी 9 और 10 अप्रैल को आयोजित की जाएगी, जबकि संगारेड्डी जिले में भी जल्द ही कुछ दुकानों की नीलामी के लिए अधिसूचना जारी होने की संभावना है। इन दुकानों का निर्माण बीआरएस सरकार ने परिसरों के रखरखाव खर्च को पूरा करने के उद्देश्य से किया था, लेकिन लंबे समय से कई दुकानें खाली पड़ी हैं, जिससे निवासियों को आर्थिक परेशानी हो रही है। विभाग ने किराए से जुड़ी समस्याओं और कानूनी विवादों से बचने के लिए नीलामी का निर्णय लिया है। नीलामी से प्राप्त राशि संयुक्त बैंक खाते में जमा की जाएगी, जिससे निवासियों के कल्याण कार्यों में उपयोग किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने 'बाबूजी' को पुष्पांजलि अर्पित की

वंचितों के प्रति उनके योगदान को याद किया

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानी और भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने बाबू जगजीवन राम द्वारा देश में वंचित वर्ग और श्रमिक वर्ग के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि डॉ. बाबू जगजीवन राम ने जातिगत भेदभाव और अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्ष किया और दलितों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबूजी से प्रेरित होकर तेलंगाना सरकार समाजिक न्याय और सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर बूथ में झंडा फहराना शुरू किया

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने घोषणा की है कि पार्टी अपना स्थापना दिवस 6 अप्रैल को पूरे देश में भव्य रूप से मनाएगी। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ता पहले ही हर बूथ और क्षेत्र में पार्टी का झंडा फहराना शुरू कर चुके हैं और जनता तक पार्टी का संदेश पहुंचा रहे हैं। कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से भी अपने घरों पर भाजपा का झंडा फहराने का आग्रह कर रहे हैं। इससे राष्ट्रीय गौरव की भावना, जनता की भागीदारी और पार्टी के प्रति लोगों का स्नेह और मजबूत हो रहा है। कई क्षेत्रों में इस पहल को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। एन. रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सेवा, अनुशासन और जनता के प्रति समर्पण के मूल्यों पर आधारित एक महान राष्ट्रीय आंदोलन है। आविर्भाव दिवस के अवसर पर प्रत्येक कार्यकर्ता 'देश पहले- पार्टी बाद में- स्वयं अंत में'' के सिद्धांत के साथ जनता तक पार्टी के आदर्शों को पहुंचाने का संकल्प ले रहा है। पार्टी अब 46वें वर्ष में प्रवेश कर रही है और यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी की सफलता केवल नेतृत्व में नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और कठिनाइयों का सामना करते हुए कार्यरत हजारों कार्यकर्ताओं के प्रयासों में निहित है। एन. रामचंदर राव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और विशेष रूप से कश्मीर के लिए उनके बलिदानों को स्मरण कर कार्यकर्ताओं को प्रेरित होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर पार्टी को और मजबूत बनाने और तेलंगाना में इसे सत्ता की दिशा में ले जाने के लिए हर कार्यकर्ता सक्रिय रूप से भाग ले। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को हर जिले, हर घर और हर बूथ में आविर्भाव दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, भाजपा का झंडा फहराया जाएगा और पार्टी के विस्तार एवं सशक्तिकरण के लिए समर्पण व्यक्त किया जाएगा।

अन्नपूर्णा सागर से रंगनायका सागर में पानी पंपिंग शुरू

सिद्दिपेट, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग ने रविवार सुबह अन्नपूर्णा सागर से रंगनायका सागर में पानी पंप करना शुरू कर दिया, ताकि अयाकुट क्षेत्र की यासंगी फसलों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। बताया गया कि पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के पत्र के बाद सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को पानी पंपिंग शुरू करने के निर्देश दिए। परियोजना में 3 टीएमसी फीट की कुल क्षमता के मुकाबले फिलहाल केवल 1 टीएमसी फीट पानी उपलब्ध है। विभाग अगले कुछ दिनों तक चरणबद्ध तरीके से अतिरिक्त 1 टीएमसी फीट पानी पंप करेगा। इस निर्णय से अयाकुट क्षेत्र के किसानों में खुशी है और उन्होंने इस पहल के लिए हरीश राव का आभार जताया है। अप्रैल के अंत तक फसल कटाई शुरू होने तक नहरों के माध्यम से किसानों को पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

टीजीएसआरटीसी ने डॉ. बाबू जगजीवन राम की जयंती मनाई

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने भारत के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती पर बस भवन में भव्य समारोह आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में टीजीएसआरटीसी के कार्यकारी निदेशक सीएच. वेंकन्न ने बाबू जगजीवन राम की तस्वीर पर पुष्पांजलि चढ़ाकर उनके योगदान को याद किया। वेंकन्न ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने दबे-कुचले वर्गों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और समाज में समानता के लिए मजबूत नींव रखी। उन्होंने यह भी बताया कि बाबू जगजीवन राम ने सामान्य परिवार से जन्म लेकर उस समय की अस्पृश्यता और भेदभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों का बहादुरी से सामना किया और अपने छात्र जीवन से ही जन-जागरूकता फैलाने में योगदान दिया। केवल विरोध करने तक सीमित न रहते हुए, वे सत्ता में आए और पांच दशक तक संसद में विधायिका के माध्यम से सामाजिक सुधार के लिए काम किया। वेंकन्न ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का असली उद्देश्य केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचाना था। उनके द्वारा श्रमिक कल्याण के लिए शुरू किए गए कार्यक्रम आज भी लोगों के लिए आदर्श बने हुए हैं। इसी प्रेरणा से टीजीएसआरटीसी जनता को गुणवत्तापूर्ण परिवहन सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर फाइनेंशियल एडवाइज़र विजयपुष्प, सीटीएम श्रीधर, सीसीई कविता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे और डॉ. बाबू जगजीवन राम की स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.